

यीसू के बंसावली

(लूका 3:23-38)

ए सुघर संदेस ह मत्ती के दुवारा लिखे
 गे हवय, जऊन ह ए संदेस देथे कयीसू
 मसीह ह उद्धार करइया ए, जेकर आय
 के बारे म बहुत पहिली अगमबानी करे
 गे रहिसि। कतको हजार साल पहिली,
 परमेसर ह अपन मनखेमन के संग करार करे
 रहिसि अऊ ए उद्धार करइया ला पठोय
 के दुवारा, ओह अपन ओ करार ला पूरा
 करिसि। यीसू मसीह यहूदी जाती म जनमसि,
 पर सुघर संदेस ह सरिपि यहूदीमन बर नो
 हय; एह संसार के जम्मो मनखेमन बर
 अय। ए सुघर संदेस म यीसू ला एक बड़े
 गुरू के रूप म देखाय गे हवय। ओकर करा
 परमेसर के कानून ला समझाय के अधिकार
 रहिसि अऊ ओह परमेसर के राज के बारे
 म सखिाथे। ओकर सकिछा ला पांच भाग
 म बांटे जा सकथे। (अ) पहाड़ी उपदेस
 (अध्याय— 5-7); (ब) बारह चेलामन
 ला सेवा के काम करे बर सकिछा देवई
 (अध्याय— 10); (स) स्वर्ग के राज के
 बारे म पटंतर (अध्याय— 13); (द) यीसू
 के चेला बने के मतलब (अध्याय— 18);
 (इ) अवइया स्वर्ग के राज अऊ ए जुग
 के अंत के बारे म सकिछा (अध्याय—
 24-25)।
 ए सुघर संदेस ला खाल्हे लिखे भाग म बांटे
 जा सकथे।
 परभू यीसू के बंसावली अऊ ओकर जनम
 1-2
 यूहन्ना बतसिमा देवइया के सेवा 3:1-12
 परभू यीसू के बतसिमा अऊ परछिा 3:13-
 4:11
 परभू यीसू के गलील प्रदेस म मनखेमन के
 सेवा करई 4:12-18:35
 गलील प्रदेस ले यहूदिया प्रदेस के
 यरूसलेम सहर म जवई 19-20
 यीसू के जनिगी के कुछ आखरी दिन
 21-27
 मरे म ले यीसू के जी उठई अऊ चेलामन ला
 दरसन 28

1 एह यीसू मसीह के बंसावली अय—
 यीसू ह दाऊद के बंस के रहिसि अऊ
 दाऊद ह अब्राहम के बंस के रहिसि।

- 2 अब्राहम के बेटा इसहाक रहिसि;
 इसहाक के बेटा याकूब रहिसि;
 याकूब ह यहूदा अऊ ओकर भाईमन
 के ददा रहिसि;
- 3 यहूदा के बेटा फरिसि अऊ जोरह
 रहिन;
 ओमन के दाई के नांव तामार रहिसि;
 फरिसि के बेटा हिस्त्रोन रहिसि,
 अऊ हिस्त्रोन के बेटा एराम रहिसि।
- 4 एराम के बेटा अम्मीनादाब रहिसि;
 अम्मीनादाब के बेटा नहसोन अऊ
 नहसोन के बेटा सलमोन रहिसि।
- 5 सलमोन के बेटा बोअज रहिसि;
 बोअज के दाई के नांव राहाब रहिसि;
 बोअज के बेटा ओबेद रहिसि,
 अऊ ओबेद के दाई के नांव रूत
 रहिसि;
 ओबेद के बेटा यसि रहिसि।
- 6 यसि के बेटा राजा दाऊद रहिसि;
 दाऊद के बेटा सुलेमान रहिसि; सुलेमान
 ह ओ माईलोगन ले जनमसि, जऊन
 ह पहिली उरियाह के घरवाली
 रहिसि।
- 7 सुलेमान के बेटा रहबाम रहिसि;
 रहबाम के बेटा अबियाह रहिसि,
 अऊ अबियाह के बेटा आसा रहिसि।
- 8 आसा के बेटा यहोसाफात रहिसि;
 यहोसाफात के बेटा योराम रहिसि,
 अऊ योराम के बेटा उजियाह रहिसि।
- 9 उजियाह के बेटा योताम रहिसि;
 योताम के बेटा आहाज रहिसि,
 अऊ आहाज के बेटा हजकियाह
 रहिसि।
- 10 हजकियाह के बेटा मनस्से रहिसि;
 मनस्से के बेटा आमोन रहिसि,

अऊ आमोन के बेटा योसयाह रहिसि।

11 बंधुआ होके बाबूल देस जाय के बेरा म योसयाह के बेटा यकुन्याह, अऊ ओकर भाईमन रहिन।

12 बंधुआ होके बाबूल: जाय के पाछू यकुन्याह के बेटा सालतएल रहिसि, अऊ सालतएल के बेटा जरूबबाबलि रहिसि।

13 जरूबबाबलि के बेटा अबीहूद रहिसि; अबीहूद के बेटा इल्याकीम रहिसि, अऊ इल्याकीम के बेटा अजोर रहिसि।

14 अजोर के बेटा सदोक रहिसि; सदोक के बेटा अखीम रहिसि, अऊ अखीम के बेटा इलीहूद रहिसि।

15 इलीहूद के बेटा एलियाजर रहिसि; एलियाजर के बेटा मतान रहिसि, अऊ मतान के बेटा याकूब रहिसि।

16 याकूब के बेटा यूसुफ रहिसि; यूसुफ के घरवाली मरयिम रहिसि, जेकर ले यीसू जनमसि, जऊन ला मसीह कहे जाथे।

17 ए कसिम ले अब्राहम ले दाऊद तक जम्मो चौदह पीढ़ी होईस, अऊ दाऊद ले लेके बाबूल म बंधुआई म जावत तक चौदह पीढ़ी, अऊ बंधुआई ले लेके मसीहा तक चौदह पीढ़ी होईस।

यीसू मसीह के जनम

(लूका 2:1-7)

18 यीसू मसीह के जनम ए कसिम ले होईस। यीसू के दाई मरयिम के मंगनी यूसुफ के संग होय रहिसि, पर एकर पहिली का ओमन दूनों घरवाला-घरवाली के रूप म एक संग होतनि, मरयिम ह पबतिर आतमा के जरयि पेट म पाय गीस। 19 काबरका मरयिम के होवइया घरवाला यूसुफ ह एक धरमी मनखे रहिसि अऊ ओह मरयिम ला मनखेमन के आघू म बदनाम करे नई चाहत रहिसि, एकर खातरि

ओह ओला चुपेचाप छोड़ देय के बचार करसि।

20 पर ओकर ए बचार करे के पाछू, परभू के एक स्वरगदूत ह ओला सपना म दखिसि अऊ ओ स्वरगदूत ह ओला कहसि, “हे यूसुफ, दाऊद के संतान, तेह मरयिम ला अपन घरवाली के रूप म घर ले जाय बर झन डर, काबरका जऊन ह ओकर गरभ म हवय, ओह पबतिर आतमा के तरफ ले अय। 21 ओह एक बेटा ला जनम दही अऊ तें ओकर नांव यीसू रखबे, काबरका ओह अपन मनखेमन ला ओमन के पाप ले छुटकारा दही।”

22 ए जम्मो बात एकर खातरि होईस का जऊन बात, परभू ह अगमजानी के जरयि कहे रहिसि, ओह पूरा होवय: 23:1:23 यसायाह 7:14 “देखव, एक कुवारी ह गरभ म होही, अऊ ओह एक बेटा ला जनम दही, अऊ ओकर नांव ‘इमानुएल’ रखे जाही, जेकर मतलब होथे—परमेश्वर हमर संग।” 24 जब यूसुफ ह नींद ले जागसि, त ओह वइसनेच करसि जइसने परभू के स्वरगदूत ह ओला हुकूम दे रहिसि अऊ ओह मरयिम ला अपन घरवाली के रूप म अपन घर ले गीस। 25 पर जब तक मरयिम ह बेटा ला जनम नई दीस, तब तक यूसुफ ह ओकर करा नई गीस। अऊ ओह ओकर नांव यीसू रखसि।

जोतसीमन के आगमन

2 जब हेरोदेस राजा ह राज करत रहिसि, त यहूदिया पूरदेस के बैतलहम गांव म यीसू के जनम होईस, तब पूरब दगि के देस म ले कुछू जोतसीमन यरूसलेम सहर म आईन, 22:2 गनिती 24:17 अऊ मनखेमन ले पुछनि, “ओ लइका के जनम कहां होईस हवय, जऊन ह यहूदीमन के राजा अय? हमन पूरब दगि म ओकर तारा देखे हवन अऊ ओकर अराधना करे बर आय हवन।”

3 ए सुनके हेरोदेस राजा अऊ यरूसलेम सहर के जम्मो मनखेमन घबरा गीन। 4 राजा ह जम्मो मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरूमन ला एक जगह म बलाईस अऊ ओमन

ले पुछसि, “मसीह के जनम कहाँ होना चाही?” 5ओमन कहनि, “यहूदिया प्रदेस के बैतलहम गांव म,” काबरकी अगमजानी ह अइसने लिखे हवय:

62:6 मीका 5:2“हे यहूदा प्रदेस के बैतलहम गांव,
तैं यहूदा प्रदेस के बड़े सहरमन ले कोनो भी किसिम ले छोटे नो हस,
काबरकी तौर म ले एक झन सासन करइया नकिरही,
जऊन ह मोर परजा इसरायल के ऊपर राज करही।”

7तब हेरोदेस राजा ह जोतसीमन ला चुपेचाप बलाईस अऊ ओमन ले पता लगाईस कि तारा ह ठोका का बेरा म दखि रहिसि। 8तब ओह ओमन ला ए कहिके बैतलहम पठोईस, “जावव अऊ ओ लइका के बारे म सही-सही पता मालूम करव। अऊ जब ओह तुमन ला मलि जावय, त मोला खबर भजिवाव, ताका महुँ घलो जाके ओकर अराधना करव।”

9जोतसीमन राजा के बात ला सुने के पाछू अपन डहार म चल दीन, अऊ जऊन तारा ला ओमन पूरब दिगि म देखे रहिन, ओह ओमन के आघू-आघू गीस अऊ ओ ठऊर के ऊपर जाके ठहर गीस, जहिं लइका ह रहय। 10जब ओमन ओ तारा ला देखनि, त अब्बड़ खुस होईन। 11घर भीतरी जाके, ओमन लइका ला ओकर दाई मरियम के संग देखनि अऊ भुइयां म गरिके ओला दंडवत करनि। तब ओमन अपन-अपन झोला ला खोलके ओला सोना, लोबान अऊ गंधरस के भेंट चघाईन। 12अऊ परमेसर ह ओमन ला सपना म चेतउनी दीस कि ओमन हेरोदेस करा झन जावय, एकरसेति, ओमन आने डहार ले अपन देस लहुंट गीन।

मसिर देस जवई

13जब जोतसीमन चले गीन, त परभू के एक स्वरगदूत ह सपना म यूसुफ ला दिखाई दीस अऊ ओला कहसि, “उठ, लइका अऊ ओकर दाई ला लेके मसिर देस भाग जा।

अऊ जब तक मेंह नई कहंव, तब तक तैं उहेंच रह, काबरकी हेरोदेस राजा ह ए लइका ला मरवाय खातिर खोजवइया हवय।”

14तब यूसुफ ह उठसि अऊ रतहाच, ओह लइका अऊ ओकर दाई ला लेके, मसिर देस चल दीस, 152:15 होसे 11:1; नरिगमन 4:22-23अऊ ओह उहां हेरोदेस के मरितू तक रहिसि, ताका जऊन बात परभू ह अगमजानी के दुवारा कहे रहिसि, ओह पूरा होवय: “मेंह अपन बेटा ला मसिर देस ले बलाएव।”

16जब हेरोदेस राजा ए देखसि कि जोतसीमन ओकर संग धोखा करे हवय, त ओह बहुंत नाराज होईस, अऊ ओह ए हुकूम दीस कि बैतलहम अऊ ओकर आस पास के गांव के दू बछर या ओकर ले छोटे जम्मो लइकामन ला मार डारे जावय। काबरकी एह जोतसीमन के बताय गय समय के मुताबिक रहिसि। 17तब जऊन बात यरमियाह अगमजानी कहे रहिसि, ओह पूरा होईस:

18“रामाह म रोए अऊ बहुते दुःख के आवाज सुनई दीस,
राहेल ह अपन लइकामन खातिर रोवत रहिसि,
अऊ ओह नई चाहत रहिसि कि कोनो ओला सांतना देवय,
काबरकी ओकर लइकामन मर गे रहिनि।”

मसिर देस ले नासरत वापसि अवई

19हेरोदेस राजा के मरे के पाछू, परभू के एक स्वरगदूत ह मसिर देस म यूसुफ ला सपना म दिखाई दीस, 20अऊ यूसुफ ले कहसि, “उठ! लइका अऊ ओकर दाई ला लेके इसरायल देस चले जा, काबरकी जऊन मन ए लइका ला मार डारे के कोससि करत रहिनि, ओमन मर गे हवय।”

21तब यूसुफ ह उठसि, अऊ लइका अऊ ओकर दाई ला लेके इसरायल देस चल दीस। 22पर जब ओह ए सुनसि कि अरखिलाउस ह अपन ददा हेरोदेस के जगह म यहूदिया प्रदेस म राज करत हवय, त ओह उहां जाय बर डराईस। सपना म चेतउनी पाके, ओह

गलील प्रदेश चले गीस, 23 अऊ ओह उहां जाके नासरत नांव के एक नगर म नवास करसि। तब अगमजानीमन के दुवारा कहे गे ए बात ह पूरा होईस: “ओला नासरी कहे जाही॥”

यूहन्ना बतसिमा देवइया डहार तयार करथे

(मरकुस 1:1-8; लूका 3:1-18; यूहन्ना 1:6-8,

15-34)

3 ओ दनिमन म यूहन्ना बतसिमा देवइया आईस अऊ यहूदा प्रदेश के सुनसान जगह म ए परचार करे लगसि, 2 “पछताप करव, काबरकी स्वरग के राज ह लकठा आ गे हवय।” 33:3 यसायाह 40:3 ए यूहन्ना ओ मनखे अय, जेकर बारे म यसायाह अगमजानी ए कहे रहसि:

“सुनसान जगह म एक झन संदेसिया

अवाज

देवत रहसि की परभू के डहार ला तयार करव,

अऊ ओकर डहार ला सीधा करव।”

4 यूहन्ना ह ऊंट के रोआं ले बने कपड़ा पहरे अऊ अपन कनहीं म चमड़ा के बने पट्टा बांधय। ओह फांफा अऊ जंगली मंथरस खावय। 5 यरूसलेम, अऊ जम्मो यहूदिया प्रदेश अऊ यरदन नदी के जम्मो छेत्र के मनखेमन ओकर करा आईन, 6 अऊ अपन-अपन पाप ला मानके, ओमन यरदन नदी म यूहन्ना ले बतसिमा लीन।

7 जब यूहन्ना बतसिमा देवइया ह देखसि की अब्बड़ फरीसी अऊ सद्की मन ओकर करा बतसिमा लेय बर आवत हवय, त ओह ओमन ला कहसि, “हे करैत सांप के लइकामन हो! तुमन ला कोन ह चेता दीस की तुमन परमेसर के अवइया कोरोध ले भागव? 8 बने काम करे के दुवारा दखावव की तुमन पाप ले पछतावा करे हवव। 9 अऊ अपन मन म ए बात झन सोचव की तुमन अब्राहम के संतान अव। मेंह तुमन ला बतावत हंव की ए पथरामन ले परमेसर ह अब्राहम बर संतान बना सकथे। 10 टंगिया ला पहिले ही रूखमन के जरी ऊपर रखे जा चुके हवय। हर ओ रूख

जऊन ह बने फर नई देवय, काटे अऊ आगी म झोंके जाही।

11 जऊन मन अपन पाप ले पछताप करथें, मेंह ओमन ला पानी ले बतसिमा देखंव। पर मोर बाद, एक झन आही, जऊन ह मोर ले जादा सकतसिली ए। मेंह ओकर पनही ला उठाय के लइक घलो नो हंव। ओह तुमन ला पबतिर आतमा अऊ आगी ले बतसिमा दर्ही। 12 ओकर सुपा ह ओकर हांथ म हवय अऊ ओह अपन कोठार ला पूरापूरी साफ करही, अऊ अपन गहू ला कोठी म कुढ़ोही। पर ओह भूसा ला ओ आगी म बारही, जऊन ह कभू नई बुथावय।”

यीसू के बतसिमा

(मरकुस 1:9-11; लूका 3:21-22; यूहन्ना

1:31-34)

13 तब यीसू ह गलील प्रदेश ले यरदन नदी करा यूहन्ना ले बतसिमा ले बर आईस। 14 पर यूहन्ना ह ए कहिके ओला रोके के कोससि करसि, “मोला तोर ले बतसिमा लेय के जरूरत हवय, अऊ तेंह मोर करा आय हवस?”

15 पर यीसू ह ओला ए जबाब दीस, “अभी तो अइसने होवन दे; काबरकी जम्मो धरमीपन ला पूरा करे बर अइसने करई, हमर बर उचित ए।” तब यूहन्ना ह यीसू के बात ला मान लीस।

16 अऊ बतसिमा लेय के बाद यीसू ह तुरते पानी ले बाहिर निकरसि। ओहीच समय अकास ह खुल गीस, अऊ ओह परमेसर के आतमा ला पंडकी के सहीं अपन ऊपर उतरत देखसि। 17 अऊ अकास ले ए अवाज आईस, “एह मोर मयारू बेटा अय, जेकर ले मेंह अब्बड़ खुस हवंव।”

यीसू के परछिा

(मरकुस 1:12-13; लूका 4:1-13)

4 4:1-17 इबरांनी 2:17-18; 4:15 तब पबतिर आतमा ह यीसू ला सुनसान जगह म ले गीस की सैतान के दुवारा ओकर परछिा होवय। 2 यीसू ह चालीस दिन अऊ चालीस रात उपास रहसि, ओकर पाछू

ओला भूख लगसि। 3तब सैतान ह ओकर करा आईस अऊ कहसि, “यदा तेंह परमेसर के बेटा अस, त कर्हा दे कए पथरामन रोटी बन जावय।”

44:4 ब्यवस्थाबबिरन 8:3यीसू ह जबाब दीस, “परमेसर के बचन म लखि हवय, ‘मनखे ह सरिपि रोटी ले ही नई, फेर हर ओ बचन के दुवारा जीथे, जऊन ह परमेसर के मुहूँ ले नकिरथे।’”

5तब सैतान ह यीसू ला पबतिर सहर म ले गीस अऊ ओला मंदिर के टीप म ठाढ़ करके कहसि, 64:6 भजन संहिता 91:11-12 “कहूँ तेंह परमेसर के बेटा अस, त उहां ले खाल्हे कूद जा, काबरका परमेसर के बचन म ए लखि हवय,

‘परमेसर ह तोर बारे म अपन स्वरगदूतमन ला हुकूम दही, अऊ ओमन तोला अपन हाथों हाथ उठा लहीं, ताकतोर गोड़ म पथरा ले चोट झन लगय।’”

74:7 ब्यवस्थाबबिरन 6:16; नरिगमन 17:2-7यीसू ह ओला कहसि, “परमेसर के बचन म ए घलो लखि हवय, ‘परभू अपन परमेसर के परछा झन कर।’”

8तब सैतान ह यीसू ला एक ठन बहुत ऊंच पहाड़ ऊपर ले गीस अऊ ओला संसार के जम्मो राजपाट अऊ ओकर सोभा ला देखाके कहसि, 9“यदा तेंह माड़ी के भार गरिके मोर अराधना करबे, त मेंह तोला ए जम्मो ला दे दूहूँ।”

104:10 ब्यवस्थाबबिरन 6:13यीसू ह ओला कहसि, “हे सैतान! मोर ले दूरहा हट; काबरका परमेसर के बचन म लखि हवय, ‘परभू अपन परमेसर के अराधना कर अऊ सरिपि ओकरेच सेवा कर।’”

11तब सैतान ह ओकर करा ले चले गीस, अऊ स्वरगदूतमन आके ओकर सेवा करन लगनि।

यीसू ह परचार करे के सुरू करथे

(मरकुस 1:14-15; लूका 4:14-15, 31)

12जब यीसू ह ए सुनसि की यूहन्ना ला जेल म डार दे गे हवय, त ओह गलील प्रदेस ला चल दीस। 13ओह नासरत ला छोड़ दीस अऊ कफरनहूम सहर म जाके रहन लगसि, ए सहर ह जबूलून अऊ नपताली के सीमना म झील के तीर म हवय। 14एह एकर खातिर होईस ताका यसायाह अगमजानी के दुवारा कहे गय ए बात ह पूरा होवय:

15“जबूलून के प्रदेस अऊ नपताली के प्रदेस,

समुंदर के तरफ जाय के रसता म, यरदन नदी के ओ पार, आनजातमन के गलील प्रदेस,

164:16 यसायाह 9:1-2 जऊन मनखेमन

अंधियार म रहत रहनि,

ओमन एक बड़े अंजोर ला देखनि;

अऊ जऊन मन मरितू के छइहां के प्रदेस म रहत रहनि,

ओमन के ऊपर एक अंजोर चमकसि।”

17ओ समय ले यीसू ह परचार करन लगसि अऊ कहसि, “अपन पाप ले पछताप करव, काबरका स्वरग के राज ह लकटा आ गे हवय।”

यीसू के पहिली चेलामन

(मरकुस 1:16-20; लूका 5:1-11; यूहन्ना

1:35-42)

18जब यीसू ह गलील झील के तीर म रेंगत रहिसि, त ओह दू झन भाईमन ला देखसि; ओमन के नांव समीन जऊन ला पतरस कहे जाथे अऊ ओकर भाई अन्दरियास रहिसि। ए दूनों भाई झील म जाल डारत रहनि, काबरका ओमन मछुआर रहनि। 19यीसू ह ओमन ला कहसि, “मोर पाछू आवव; मेंह तुमन ला मनखे पकड़वइया मछुआर बनाहूँ।” 20ओमन तुरते अपन जाल ला छोड़के ओकर पाछू हो लीन।

21उहां ले आघू जाय के बाद, यीसू ह दू झन अऊ भाईमन ला देखसि—याकूब अऊ ओकर भाई यूहन्ना ला, जऊन मन जबदी

के बेटा रहिनि। ओमन अपन ददा जबदी के संग एक ठन डोंगा म रहय अऊ अपन जाल ला तयार करत रहय। यीसू ह ओमन ला बलाईस, 22अऊ ओमन तुरते डोंगा अऊ अपन ददा ला छोड़के यीसू के पाछू हो लीन।

यीसू ह बेमरहा ला बने करथे

(लूका 6:17-19)

23यीसू ह जम्मो गलील पूरदेस म जाके, यहूदीमन के सभा घर म उपदेस दीस, अऊ परमेसर के राज के सुघर संदेस के परचार करसि, अऊ मनखेमन के हर किसिम के रोग अऊ बेमारी ला बने करसि। 24यीसू के खबर ह जम्मो सीरिया देस म फइल गीस, अऊ मनखेमन ओ जम्मो झन ला ओकर करा लाने लगनि, जऊन मन कतको किसिम के रोग ले बेमार रहय, जऊन मन असहनीय पीरा म रहय, जऊन मन ला परेत आतमा धरे रहय, जऊन मन ला मरिगी के बेमारी रहय, अऊ जऊन मन ला लकवा मारे रहय; यीसू ह ओ जम्मो झन ला चंगा करसि। 25गलील पूरदेस, दस सहर (दकियापुलसि), यरूसलेम, यहूदीया, अऊ यरदन नदी के ओ पार के मनखेमन के एक बड़े भीड़ ह ओकर पाछू हो लीस।

पहाड़ ऊपर यीसू के उपदेस

5 जब यीसू ह मनखेमन के भीड़ ला देखसि, त ओह पहाड़ ऊपर चघके उहां बईठ गीस। तब ओकर चेलामन ओकर करा आईन, 2अऊ ओह ओमन ला ए कहकि उपदेस देवन लगसि:

3“धइन अंय ओमन, जऊन मन आतमा म दीन अंय,

काबरका स्वर्ग के राज ओमन के अय।

4 धइन अंय ओमन, जऊन मन सोक करथें, काबरका ओमन ला सांता दियि जाही।

5 धइन अंय ओमन, जऊन मन नरम सुभाव के अंय,

काबरका ओमन धरती के उत्तराधिकारी होही।

6 धइन अंय ओमन, जऊन मन धरमीपन बर भूखन अऊ पीयासन हवय, काबरका परमेसर ह ओमन ला संतोस करही।

7 धइन अंय ओमन, जऊन मन दयालु अंय, काबरका ओमन के ऊपर दया करे जाही।

8 धइन अंय ओमन, जऊन मन के हरिदय नरिमल हवय, काबरका ओमन परमेसर के दरसन करही।

9 धइन अंय ओमन, जऊन मन मेल-मल्लाप कराथें, काबरका ओमन ला परमेसर के बेटा कहे जाही।

10 धइन अंय ओमन, जऊन मन धरमीपन के कारन सताय जाथें, काबरका स्वर्ग के राज ओमन के अय।

11 धइन अव तुमन, जब मनखेमन मोर कारन तुम्हर बेजत्ती करथें, तुमन ला सताथें अऊ झूठ-मूठ के, तुम्हर बरिध म किसिम-किसिम के खराप बात कहथिं। 12 आनंद मनावव अऊ खुस रहव, काबरका स्वर्ग म तुम्हर बर बड़े इनाम रखे हवय। तुम्हर ले पहिली अगमजानीमन ला मनखेमन अइसनेच सताय रहिनि।”

नून अऊ अंजोर

(मरकुस 9:50; लूका 14:34-35)

13“तुमन धरती के नून अव। पर कहूं नून ह अपन सुवाद ला गंवा देथे, त फेर एला कोनो किसिम ले नूनचूर नई करे जा सकय। एह कोनो काम के नई रहि जावय। एला बाहरि फटक दिथि जाथे अऊ एह मनखेमन के गोड़ तरी रउंदे जाथे।

14 तुमन संसार के अंजोर अव। पहाड़ ऊपर बसे सहर ह छपि नई रह सकय। 15 अऊ न तो मनखेमन दीया ला बारके कटोरा के तरी म रखथें, पर दीया ला दीवट ऊपर मढ़ाथें, जहिं ले एह घर के हर एक जन ला अंजोर देथे। 16 ओही किसिम ले, तुम्हर अंजोर ह

मनखेमन के आघू म चमकय, ताका ओमन तुम्हर बने काम ला देख्य अऊ स्वर्ग म रहइया तुम्हर ददा के बड़ई करय।”

मूसा के कानून के पूरा होवई

17“ए झन सोचव किमेंह मूसा के कानून या अगमजानीमन के बातमन ला खतम करे बर आय हवंव। मेंह ओमन ला खतम करे खातरि नई, पर ओमन ला पूरा करे खातरि आय हवंव। 18मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जब तक स्वर्ग अऊ धरती हवय, तब तक मूसा के कानून के एक छोटे अकछर या बनिदू घलो पूरा होय बगिर खतम नई होवय। 19जऊन ह ए हुकूमन के छोटे ले छोटे बात ला घलो नई मानय अऊ आने मन ला घलो अइसने करे बर सखिथे, ओह स्वर्ग के राज म सबले छोटे समझे जाही, पर जऊन ह ए हुकूमन ला मानथे अऊ आने मन ला माने बर सखिथे, ओह स्वर्ग के राज म बड़े समझे जाही। 20काबरकिमेंह तुमन ला कहत हवंव कि जब तक तुम्हर धरमीपन ह फरीसी अऊ कानून के गुरू मन के धरमीपन ले बढ़ के नई होवय, तब तक तुमन स्वर्ग के राज म नई जा सकव।”

हतिया अऊ गुस्सा

21“तुमन सुने हवव कि बहुत पहलि मनखेमन ला ए कहे गे रहिसि, ‘हतिया झन करव, अऊ यदि कोनो हतिया करथे, त ओह कचहरी म दंड के भागी होही।’ 22पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि यदि कोनो अपन भाई ऊपर गुस्सा करथे, त ओह दंड के भागी होही। जऊन कोनो अपन भाई के बेजतूती करथे, त ओला धरम महासभा के आघू म जबाब देना पड़ही। पर जऊन कोनो अपन भाई ला कहथि, ‘ए मुरखा!’ ओह नरक के आगी म पड़े के खतरा म होही।

23एकरसेति, यदि तेंह बेदी म अपन भेंट चघावत हस अऊ उहां तोला सुरता आथे कि तोर भाई के मन म तोर बरिध म कुछ हवय, 24त उहां बेदी के आघू म अपन भेंट ला छोड़ दे अऊ पहिली अपन भाई करा जा अऊ ओकर संग मेल-मलिाप कर, तब

आ अऊ अपन भेंट ला चघा। 25ओ मनखे जऊन ह तोर बरिध म अदालत जावत हे, ओकर संग जल्दी करके मेल-मलिाप कर ले। कचहरी जावत बेरा डहार म ही ओकर संग मेल-मलिाप कर ले, नई तो ओह तोला नयायधीस ला सऊप दहि, अऊ नयायधीस ह तोला पुलिस ला सऊपही, अऊ तेंह जेल म डाल दयि जाबे। 26मेंह तोला सच कहत हंव कि जब तक तेंह कौड़ी-कौड़ी नई चुका देबे, तब तक तेंह उहां ले छुटे नई सकस।”

छिनारीपन

27“तुमन सुने हवव कि ए कहे गे रहिसि, ‘छिनारी झन करव।’ 28पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि जऊन कोनो माईलोगन ला खराप नजर ले देखथे, त ओह अपन मन म ओकर संग छिनारी कर चुकसि। 29यदि तोर जेवनी आंखी ह तोर पाप म परे के कारन बनथे, त ओला नकारके फटक दे। तोर बर एह बने अय कि अपन देह के एक ठन अंग ला गंवा दे, पर तोर जम्मो देह ह नरक म झन डारे जावय। 30अऊ कहूं तोर जेवनी हांथ ह तोर पाप म परे के कारन बनथे, त ओला काटके फटक दे। तोर बर एह बने अय कि अपन देह के एक ठन अंग ला गंवा दे, पर तोर जम्मो देह ह नरक म झन चले जावय।”

तलाक

(मत्ती 19:9; मरकुस 10:11-12; लूका

16:18)

315:31 ब्यवस्थाबबिरन 24:1; मत्ती 19:3-9“ए घलो कहे गे रहिसि, ‘जऊन कोनो अपन घरवाली ला छोड़ देथे, त ओह ओला तयाग पतर जरूर देवय।’ 325:32 याकूब 5:12पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि जऊन कोनो छिनारीपन के अलावा कोनो आने कारन ले अपन घरवाली ला छोड़ देथे, त ओह ओकर छिनारी करे के कारन बनथे, अऊ जऊन ह ओ तयागे गय माईलोगन ले बहाव करथे, त ओह घलो छिनारी करथे।”

करिया

33“तुमन ए घलो सुने हवव कि बहुत

पहले मनखेमन ला ए कहे गे रहिसि, 'तुमन झूठ-मूठ के करिया झन खावव, पर परभू के आघू म करे गे करिया ला पूरा करव।' 34पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि करिया कभू झन खावव; न तो स्वर्ग के काबरका ओह परमेसर के संधासन अय; 35न तो धरती के, काबरका एह परमेसर के गोड़ के चउकी अय; न तो यरूसलेम के, काबरका ओह महाराजा के सहर अय। 36अऊ अपन मुड़ के घलो करिया झन खावव, काबरका तुमन एको ठन चुंदी ला घलो पंडरा या करिया नई कर सकव। 37साफ-साफ तुम्हर गोठ ह हां के हां अऊ नई के नई होवय। एकर ले जादा जऊन कुछू होथे, ओह सैतान के तरफ ले होथे।"

बदला लेय के बारे म उपदेस

(लूका 6:29-30)

385:38 नरिगमन 21:23-24 "तुमन सुने हवव काँए कहे गे रहिसि, 'आंखी के बदला म आंखी अऊ दांत के बदला म दांत।' 39पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि दुस्त मनखे के सामना झन करव। यदा कोनो तुम्हर जेवनी गाल म थपरा मारथे, त अपन डेरी गाल ला घलो ओकर अंग कर देवव। 40अऊ यदा कोनो तुम्हर ऊपर मुकदमा चलाके तुम्हर कुरता ला लेय चाहथे, त तुमन ओला अपन कोटी ला घलो लेवन दव। 41यदा कोनो तुमन ला जबरदस्ती एक मील ले जाथे, त तुमन ओकर संग दू मील चले जावव। 42जऊन ह तुम्हर ले मांगथे, ओला देवव, अऊ जऊन ह तुम्हर ले उधार मांगथे, ओला उधार देवव।"

बईरीमन बर मया

(लूका 6:27-28, 32-36)

43 "तुमन सुने हवव काँए कहे गे रहिसि, 'अपन पड़ोसी ले मया, अऊ बईरीमन ले नफरत करव।' 445:44 नरिगमन 23:4-5पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि अपन बईरीमन ले मया करव, अऊ जऊन मन तुम्हर ऊपर अतियाचार करथे, ओमन बर पराथना करव। 45ताका तुमन अपन स्वरगीय ददा के संतान बन जावव। ओह खराप अऊ बने

दूनों मनखेमन ऊपर अपन सूरज चमकाथे, अऊ धरमी अऊ अधरमी दूनों के ऊपर पानी बरसाथे। 46यदा तुमन ओमन ला मया करथव, जऊन मन तुम्हर ले मया करथे, त तुमन ला का इनाम मलिही? लगान लेवइया पापीमन घलो अइसने करथे। 47यदा तुमन सरिपि अपन भाईमन ला ही जोहार करथव, त आने मन ले तुमन का बड़े बुता करथव? का आनजातमन घलो अइसने नई करंय? 48एकरसेती, तुमन सिद्ध बनव, जइसने स्वरग म रहइया तुम्हर ददा ह सिद्ध अय।"

जरूरतमंद ला दान

6 "सचेत रहव! तुमन मनखेमन के आघू म ओमन ला देखाय बर अपन धरमीपन के काम झन करव। नई तो तुमन ला अपन स्वरगीय ददा ले कुछू इनाम नई मलिय।

2एकरसेती, जब तुमन जरूरतमंद मनखे ला देखव, त डुगडुगी झन पटिवाव, जइसने कि ढोंगी मनखेमन सभा-घर अऊ गली मन म करथे, ताका मनखेमन ओमन के बड़ई करंय। मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि ओमन अपन जम्मो इनाम पा गीन। 3पर जब तुमन जरूरतमंद मनखे ला देखव, त तुम्हर डेरी हांथ ए बात ला झन जानय कि तुम्हर जेवनी हांथ का करत हवय। 4तुम्हर दान ह गुप्त म रहय। तब तुम्हर स्वरगीय ददा जऊन ह गुप्त म करे गय काम ला घलो देखथे, तुमन ला इनाम दिही।"

पराथना

(लूका 11:2-4)

5 "जब तुमन पराथना करथव, त ढोंगी मनखेमन सही झन करव, काबरका मनखेमन ला देखाय बर, सभा-घर अऊ गली के चऊकमन म ठाढ़ होके पराथना करई, ओमन ला बने लगथे। मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि ओमन अपन जम्मो इनाम पा गीन। 6जब तुमन पराथना करथव, त अपन खोली म जावव, अऊ कपाट ला बंद करके, अपन ददा ले पराथना करव जऊन ह नई दखिय। तब तुम्हर ददा जऊन ह गुप्त म करे गय काम ला घलो देखथे, तुमन ला इनाम

दही। 7अऊ जब तुमन पराथना करथव, त आनजातमन सहीं बेमतलब के बातमन ला घेरी-बेरी झन दुहराव, काबरकी ओमन ए सोचथें की ओमन के बहुंत बात बोले के कारन, परमेसर ह ओमन के सुनही। 8ओमन सहीं झन बनव, काबरकी तुम्हर मांगे के पहिली, तुम्हर ददा ह जानथे की तुमन ला का चीज के जरूरत हवय।

9तुमन ला ए किसिम ले पराथना करना चाही:

‘हे हमर ददा, तें जो स्वरग म हवस,
तोर नांव ह पबतिर माने जावय,

10तोर राज आवय,
जइसने तोर ईछा स्वरग म पूरा होथे,
वइसने धरती म घलो पूरा होवय।

11हमन ला आज के भोजन दे,
जइसने की तेंह हर दिन देथस।

12हमर पापमन ला छेमा कर,
जइसने हमन ओमन ला छेमा करे हवन,
जऊन मन हमर बरिंध म पाप करे हवंय।

13अऊ हमन ला परछिा म झन डार,
पर हमन ला बुरई ले बचा,
काबरकाराज, अऊ पराक्रम अऊ

महामा सदाकाल तक तोर अय।
आमीन।’

14यदी तुमन ओ मनखेमन ला छेमा करथव, जऊन मन तुम्हर बरिंध म पाप करे हवंय, त तुम्हर स्वरगीय ददा घलो तुमन ला छेमा करही। 15पर यदी तुमन ओ मनखेमन के पाप ला छेमा नई करव, त तुम्हर ददा घलो तुम्हर पाप ला छेमा नई करही।”

उपास

16“जब तुमन उपास करथव, त तुमन अपन चेहरा ला उदास झन बनावव, जइसने की ढोंगीमन करथें; ओमन अपन चेहरा ला ओरमाय रहथें, ताकी मनखेमन देखंय की ओमन उपास करत हवंय। मेंह तुमन ला सच कहत हंव की ओमन अपन जम्मो इनाम पा चुकनि। 17पर जब तुमन उपास करथव, त अपन मुड़ म तेल चुपरव अऊ मुहू ला धोवव, 18ताकी मनखेमन ए झन जानंय की तुमन

उपास करत हवव, पर सरिपि तुम्हर ददा परमेसर ह जानय, जऊन ह नई देखिय। अऊ तुम्हर ददा, जऊन ह हर गुप्त के काम ला देखथे, तुमन ला इनाम दही।”

स्वरग म धन

(लूका 12:33-34)

19“अपन खातिर ए धरती म धन जमा झन करव, जहिं कीरा अऊ मुर्चा एला नास करथें, अऊ चोरमन सेंध मारके चुरा लेथें। 20पर अपन खातिर स्वरग म धन जमा करव, जहिं कीरा अऊ मुर्चा एला नास नई कर सकंय, अऊ न ही चोरमन सेंध मारके चोरी कर सकंय। 21काबरकी जहिं तुम्हर धन हवय, उहां तुम्हर मन घलो लगे रहही।

22आंखी ह देहें के दीया अय। यदी तुम्हर आंखीमन बने हवंय, त तुम्हर जम्मो देहें ह अंजोर ले भर जाही। 236:23 लूका 11:34-36; यूहन्ना 9:39-41; मत्ती 15:14पर यदी तुम्हर आंखीमन खराप हवंय, त तुम्हर जम्मो देहें ह अंधियार ले भर जाही। एकरसेती, ओ अंजोर जऊन ह तुमन म हवय, यदी अंधियार हो जाथे, त ओह कतेक भयंकर अंधियार होही।

24कोनो मनखे दू झन मालकि के सेवा नई कर सकय। या तो ओह एक झन ले नफरत करही अऊ दूसर झन ले मया; या फेर ओह एक झन बर समर्पति रहही अऊ दूसर झन ला तुछ जानही। तुमन परमेसर अऊ धन दूनों के सेवा नई कर सकव।”

चंतिा झन करव

(लूका 12:22-34)

25“एकरसेती, मेंह तुमन ला कहत हंव की तुमन अपन जनिगी के बारे म चंतिा झन करव की तुमन का खाहू या का पीहू, अऊ न अपन देहें के बारे म चंतिा करव की तुमन का पहिरहू। का जनिगी ह भोजन ले जादा महत्व के नो हय? अऊ देहें ह ओन्ढा ले बढ़ के नो हय? 26अकास के चरिईमन ला देखव; ओमन ह न बोवंय, न लुवंय अऊ न कोठार म जमा करंय; तभो ले तुम्हर स्वरगीय ददा ह ओमन ला खवाथे। का तुमन चरिईमन ले

जादा महत्व के नो हव? 27तुम्हर म ले कोन ह चिता करे के दुवारा अपन जनिगी म एको घरी घलो बढा सकथे?

28तुमन ओन्हा बर काबर चिता करथव? खेत के जंगली फूलमन ला देखव की ओमन कइसने बढथें। ओमन न तो महिनत करंय अऊ न ही ओन्हा बनिय। 29तभो ले मेंह तुमन ला बतावत हंव की राजा सुलेमान घलो अपन जम्मो सोभा म एमन ले एको झन सही नई सजे-धजे रहिसि। 30यदपिरमेसर ह खेत के कांदी ला, जऊन ह आज इहां हवय अऊ कल आगी म झोंक दयि जाही, अइसने ओन्हा पहिराथे, तब हे अल्प बसिवासी मनखेमन, ओह तुमन ला अऊ बने ओन्हा काबर नई पहिराही? 31एकरसेती तुमन चिता झन करव अऊ ए झन कहव कहिमन का खाबो? या का पीबो? या का पहिरबो? 32आनजातमन ए जम्मो चीज के खोज म रहथिं। तुम्हर स्वरगीय ददा ह जानथे की तुमन ला ए जम्मो चीज के जरूरत हवय। 33परमेसर के राज अऊ ओकर धरमीपन के खोज करव, त ए जम्मो चीजमन घलो संग म तुमन ला दयि जाही। 34एकरसेती, कल के चिता झन करव, काबरकी कल के दिन ह अपन चिता खुद कर लही। आज के दुःख ह आज खातरि बहुते हवय।”

आने ऊपर दोस लगई

(लूका 6:37-38, 41-42)

7 “आने ऊपर दोस झन लगावव, ताकी तुम्हर ऊपर घलो दोस झन लगाय जावय। 2काबरकी जऊन कसिम ले तुमन आने ऊपर दोस लगाथव, ओही कसिम ले तुम्हर ऊपर घलो दोस लगाय जाही, अऊ जऊन नाप ले तुमन नापथव, ओही नाप ले तुम्हर बर नापे जाही।

3तुमन काबर अपन भाई के आंखी के छोटे कचरा ला देखथव, जबकी अपन खुद के आंखी म पड़े लकड़ी के लट्ठा ला धयान नई देवव? 4जब तुम्हर खुद के आंखी म लकड़ी के लट्ठा हवय, त तुमन अपन भाई

ला कइसने कह सकथव, ‘लान मेंह तोर आंखी के छोटे कचरा ला नकारि दंव?’ 5हे ढोंगीमन हो, पहिली अपन खुद के आंखी के लट्ठा ला नकारव, तबे तुमन अपन भाई के आंखी के छोटे कचरा ला साफ-साफ देखहू अऊ ओला नकारि सकहू।

6पबतिर चीज कुकुरमन ला झन देवव, अऊ अपन मोती ला सुरामन के आघू म झन डालव, नई तो ओमन ओला अपन गोड़ तरी कुचरही अऊ तब लहुंठके तुम्हर ऊपर चढ़ बईठही।”

मांगव, खोजव, खटखटावव

(लूका 11:9-13)

7“मांगव, त तुमन ला दयि जाही; खोजव त तुमन ह पाहू; खटखटावव त तुम्हर बर कपाट ह खोले जाही। 8काबरकी जऊन ह मांगथे, ओला मलिथे; जऊन ह खोजथे, ओह पाथे; अऊ जऊन ह खटखटाथे, ओकर खातरि कपाट ला खोले जाथे।

9तुमन म अइसने कोन मनखे अय की यदी ओकर बेटा ह ओकर ले रोटी मांगथे, त ओह ओला पथरा देथे? 10या यदी ओह मछरी मांगथे, त ओला सांप देथे? 11खराप मनखे होके घलो, जब तुमन अपन लइकामन ला बने चीज देय बर जानथव, त स्वरग म रहइया तुम्हर ददा ह ओमन ला अऊ बने चीज काबर नई दही, जऊन मन ओकर ले मांगथें। 12आने मन संग वइसने बरताव करव, जइसने तुमन चाहथव की ओमन तुम्हर संग करंय, काबरकी मूसा के कानून अऊ अगमजानीमन के एहीच सकिछा अय।”

संकरा दुवार अऊ चाकर दुवार

(लूका 13:24)

13“छोटे कपाट ले घुसरव। काबरकी चाकर हवय ओ कपाट अऊ सरल हवय ओ रसता, जऊन ह बनिास कोती ले जाथे अऊ बहुते झन ओम ले होके जाथें। 14पर छोटे हवय ओ कपाट अऊ कठनि हवय ओ रसता, जऊन ह जनिगी कोती ले जाथे, अऊ सरिपि थोरकन झन एला पाथें।”

रूख अऊ ओकर फर

(लूका 6:43-44, 46; 13:25-27)

15“लबरा अगमजानीमन ले सचेत रहव। ओमन भेड़ के भेस म तुम्हर करा आथें, पर भीतर ले ओमन ह भयंकर भेड़िया अंय। 16ओमन के काम के दुवारा ओमन ला तुमन चनि डारहू। का मनखेमन कटली झाड़ी ले अंगूर या ऊंटकटारा झाड़ी ले अंजीर के फर टोरथें? 17ओही किसिम ले बने रूख ह बने फर देखे, अऊ खराप रूख ह खराप फर देखे। 18बने रूख ह खराप फर नई दे सकय अऊ न ही खराप रूख बने फर दे सकथे। 19हर ओ रूख जऊन ह बने फर नई देवय, काटे अऊ आगी म झोंके जाथे। 20ए किसिम ले, ओमन के फर के दुवारा, तुमन ओमन ला चनि डारहू।

21जऊन मन मोला, ‘हे परभू! हे परभू!’ कहथिं, ओमन म ले जम्मो झन स्वर्ग के राज म नई जा सकय, पर जऊन ह स्वर्ग म रहइया मोर ददा के ईछा ला पूरा करथे, सरिपि ओहीच ह स्वर्ग के राज म जाही। 22नियाय के दिन म कतको मनखेमन मोला कहहिं, ‘हे परभू! हे परभू! का हमन ह तोर नांव म अगमबानी नई करेन? का हमन तोर नांव म परेत आतमामन ला नई नकिरेन? अऊ तोर नांव म कतको अचरज के काम नई करेन?’ 23तब मेंह ओमन ला साफ-साफ बता दूहू, ‘मेंह तुमन ला कभू नई जानेंव। हे कुकरमीमन हो, मोर ले दूरहिा हटव।”

घर बनवइया दू झन मनखे: बुद्धिमान अऊ मुख

(लूका 6:47-49)

24“एकरसेति, जऊन ह मोर ए गोठमन ला सुनथे अऊ ओकर पालन करथे, ओह ओ बुद्धिमान मनखे सहीं अय, जऊन ह चट्टान ऊपर अपन घर बनाईस। 25पानी बरससि, नदीमन म पूरा आईस, गरेर चलसि, अऊ ओ घर ले टकराईस, तभो ले ओ घर ह नई गरिसि, काबरका ओकर नींव ह चट्टान ऊपर डारे गे रहिसि। 26पर जऊन ह मोर ए गोठमन ला सुनथे अऊ ओकर पालन नई करय, ओह ओ मुख मनखे सहीं अय, जऊन

ह बालू ऊपर अपन घर बनाईस। 27पानी बरससि, नदीमन म पूरा आईस, गरेर चलसि अऊ ओ घर ले टकराईस अऊ ओ घर ह भरभरा के गरि गीस।”

28जब यीसू ह ए बातमन ला कह चुकसि, त मनखेमन के भीड़ ह ओकर उपदेस ला सुनके चकति हो गीस। 29काबरका यीसू ह ओमन के कानून के गुरूमन सहीं नई, पर अधिकार के संग ओमन ला उपदेस देवत रहिसि।

कोढ़ी मनखे

(मरकुस 1:40-45; लूका 5:12-16)

8 जब यीसू ह पहाड़ ले उतरसि, त एक बड़े भीड़ ओकर पाछू हो लीस। 2तब एक झन मनखे जऊन ला कोढ़ के बेमारी रहय, ओकर करा आईस, अऊ ओह यीसू ला दंडवत करके कहसि, “हे परभू, यदि तेंह चाहस, त मोला सुध कर सकथस।”

3यीसू ह अपन हांथ ला ओकर अंग लमाईस अऊ ओला छू के कहसि, “मेंह चाहथंव; तेंह सुध हो जा।” अऊ तुरते ओ मनखे ह कोढ़ के बेमारी ले सुध हो गीस। 48:4 मरकुस 1:45तब यीसू ह ओला कहसि, “देख, तें कोनो ला कुछू झन कहबि। पर जा अऊ अपनआप ला पुरोहित ला देखा, अऊ मूसा के कानून के मुताबकि भेंट चघा, ताका मनखेमन जानय कि तेंह कोढ़ के बेमारी ले ठीक हो गे हवस।”

रोमी सेना के अधिकारी के बसिवास

(लूका 7:1-10)

5जब यीसू ह कफरनहूम सहर म आईस, त एक झन रोमी सेना के अधिकारी ओकर करा आईस अऊ ओकर ले बनिती करके कहसि, 6“हे परभू, मोर सेवक ह घर म पड़े हवय; ओला लकवा मार दे हवय, अऊ ओह अब्बड़ दुःख भोगत हवय।”

7यीसू ह ओला कहसि, “मेंह जाहूँ अऊ ओला चंगा करहूँ।” 8तब रोमी सेना के अधिकारी ह ए जबाब दीस, “हे परभू, मेंह एकर लइक नो हंव कि तेंह मोर घर म आ। पर सरिपि मुहूँ ले कही दे, अऊ मोर सेवक

ह ठीक हो जाही। 9काबरका मेंह खुदे आने अधिकारी के खालहे म काम करथे, अऊ मोर खालहे म सैनिकिमन काम करथे। जब मेंह एक इन ला कहथिं, 'जा', त ओह जाथे अऊ दूसर इन ले कहथिं, 'आ', त ओह आथे। जब मेंह अपन सेवक ले कहथिं, 'एला कर', त ओह करथे।"

10एला सुनके यीसू ह चकति हो गीस, अऊ जऊन मन ओकर पाछू-पाछू आवत रहिन, ओमन ला ओह कहसि, "मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि मेंह इसरायली मनखेमन म घलो अइसने मजबूत बसिवास नई देखेवं। 11मेंह तुमन ला कहत हंव कि कतको मनखेमन पूरब अऊ पछिमि दगि ले आहीं अऊ अब्राहम, इसहाक अऊ याकूब के संग स्वरग के राज के भोज म सामलि होहीं। 12पर जऊन मन ला स्वरग राज म होना चाही, ओमन ला बाहरि अंधियार म डार दयि जाही, जहिं ओमन रोहीं अऊ अपन दांत पीसहीं।"

13तब यीसू ह रोमी सेना के अधिकारी ले कहसि, "जा, जइसने तेंह बसिवास करे हवस वइसने तोर बर होही।" अऊ ओकर सेवक ह ओहीच घरी चंगा हो गीस।

यीसू ह बहुते इन ला चंगा करथे

(मरकुस 1:29-34; लूका 4:38-41)

14जब यीसू ह पतरस के घर म आईस, त ओह देखसि कि पतरस के सास ह जर के मारे खटिया म पड़े रहय। 15यीसू ह ओकर हांथ ला छुईस अऊ ओकर जर ह उतर गीस, अऊ ओह उठके यीसू के सेवा टहल करे लगसि।

16जब सांझ होईस, त मनखेमन परेत आतमा ले जकड़े बहुते मनखेमन ला यीसू करा लाननि। यीसू ह सरिपि गोठ के दुवारा ओ परेत आतमामन ला नकार दीस अऊ जम्मो बेमरहामन ला चंगा करसि। 178:17 यसायाह 53:4ए कसिम ले, यसायाह अगमजानी के दुवारा कहे गय ए बचन ह पूरा होईस:

"ओह हमर कमजोरी ला ले लीस,
अऊ हमर रोगमन ला दूर करसि।"

यीसू के चेला बने के कीमत

(लूका 9:57-62)

18जब यीसू ह अपन चारों कोर्ता मनखेमन के भीड़ ला देखसि, त ओह अपन चेलामन ला झील के ओ पार जाय के हुकूम दीस। 19तब मूसा के कानून के एक गुरू ह यीसू करा आके कहसि, "हे गुरू, तेंह जहिं कहीं घलो जाबे, मेंह तोर पाछू-पाछू चलहूं।"

20यीसू ह ओला कहसि, "कोलहिमन बर रहे के बलि हवय अऊ अकास के चरिईमन करा गुड़ा हवय, पर मनखे के बेटा करा रहे के कोनो ठऊर नई ए।"

21अऊ एक इन जऊन ह यीसू के चेला रहिसि, ओकर ले कहसि, "हे परभू, पहिली मोला जावन दे कि मेंह अपन मरे ददा ला माटी दे दंव।"

22पर यीसू ह ओला कहसि, "तेंह मोर पाछू हो ले, अऊ मुरदामन ला अपन मुरदा गाड़न दे।"

यीसू ह गर्रा ला सांत करथे

(मरकुस 4:35-41; लूका 8:22-25)

23तब यीसू ह डोंगा म चघसि अऊ ओकर चेलामन घलो ओकर संग गीन। 24अचानक झील म एक भयंकर गर्रा उठसि अऊ डोंगा ह पानी के लहरामन ले भरे लगसि। पर यीसू ह सोवत रहय। 25चेलामन यीसू करा गीन अऊ ओला उठाके कहनि, "हे परभू, हमन ला बचा। हमन पानी म बुड़त हवन।"

26यीसू ह ओमन ला कहसि, "हे अल्प बसिवासी मनखेमन हो, तुमन काबर डर्रावत हव?" तब ओह उठसि अऊ गर्रा अऊ पानी के लहरामन ला दबकारसि अऊ जम्मो ह पूरा-पूरी सांत हो गीस।

27ओ मनखेमन अचम्भो म पड़ गीन अऊ कहनि, "एह का कसिम के मनखे अय? गर्रा अऊ पानी के लहरामन घलो एकर हुकूम मानथें।"

परेत आतमा बाधति दू झन मनखे के चंगई

(मरकुस 5:1-20; लूका 8:26-39)

28जब यीसू ह झील के ओ पार गदरेनीमन के इलाका म आईस, त दू झन मनखे, जेमन म परेत आतमा रहंय, मसानघाट ले नकिरके ओकर करा आईन^g। ओमन अतेक उदन्ड रहिनि कि कोनो ओ रसता म आय-जाय नई सकत रहिनि। 29ओमन चचियाके कहनि, “हे परमेसर के बेटा, हमर ले तोर का लेना देना? का तेंह ठहराय गय समय ले पहिली हमन ला इहां सताय बर आय हवस?”

30उहां ले कुछू दूरिहा म, सुरामन के एक बड़े झुंड ह चरत रहय। 31ओ परेत आतमामन यीसू ले बनिती करके कहनि, “यदि तेंह हमन ला नकारत हवस, त हमन ला ओ सुरामन के झुंड म पठो दे।”

32यीसू ह ओमन ला कहसि, “जावव।” तब परेत आतमामन ओ मनखेमन ले नकिरके सुरामन म हमा गीन अऊ सुरामन के जम्मो झुंड ह तीर म खड़े पथरा ले झील म कूदसि, अऊ पानी म बुड़ मरसि। 33सुरा चरइया मनखेमन भाग गीन अऊ सहर म जाके जम्मो बात बताईन। ओमन ओ परेत आतमा ले बाधति मनखेमन के बारे म घलो बताईन। 348:34 मत्ती 12:9-14तब सहर के जम्मो मनखेमन यीसू करा भेंट करे बर आईन, अऊ जब ओमन ओला देखनि, त ओकर ले बनिती करके कहनि, “तेंह हमर इलाका ले चले जा।”

यीसू ह लकवा के मारे एक झन मनखे ला चंगा करथे

(मरकुस 2:1-12; लूका 5:17-26)

9 यीसू ह डोंगा म चघसि अऊ झील ला पार करके अपन सहर म आईस। 2कुछू मनखेमन लकवा के मारे एक मनखे ला ओकर करा लाननि; ओ मनखे ह खटिया म पड़े रहय। जब यीसू ह ओमन के बसिवास ला देखसि, त ओह लकवा के मारे मनखे ला कहसि, “बेटा, खुसी मना! तोर पाप ह छेमा हो गीस।”

3एला सुनके, मूसा के कानून के कुछू गुरमन अपन मन म कहनि, “ए मनखे ह परमेसर के ननिदा करत हवय।”

4ओमन के मन के बात ला जानके यीसू ह कहसि, “तुमन अपन मन म काबर अइसने खराप बात सोचत हवव? 5कते बात ह सरल ए? ए कहई, ‘तोर पाप ह छेमा हो गीस,’ या फेर ए कहई, ‘उठ, अऊ चल फरि।’ 6पर ए कि तुमन जान लेवव कि मनखे के बेटा ला धरती म पाप छेमा करे के अधिकार हवय।” तब ओह लकवा के मारे मनखे ला कहसि, “उठ, अपन खटिया उठा अऊ घर जा।” 7अऊ ओ मनखे ह उठसि अऊ अपन घर चल दीस। 8जब भीड़ के मनखेमन एला देखनि, त ओमन डर्रा गीन, अऊ ओमन परमेसर के महिमा करन लगनि, जऊन ह मनखेमन ला अइसने अधिकार दे हवय।

यीसू ह मत्ती ला बलाथे

(मरकुस 2:13-17; लूका 5:27-32)

9जब यीसू ह उहां ले आघू बढ़सि, त ओह मत्ती नांव के एक झन मनखे ला लगान पटाय के चौकी म बईठे देखसि, त ओह ओला कहसि, “मोर पाछू आ।” अऊ मत्ती ह उठके ओकर पाछू हो लीस।

10जब यीसू ह मत्ती के घर म खाना खाय बर बईठसि, त कतको लगान लेवइया अधिकारी अऊ पापी मनखेमन आईन अऊ ओमन घलो यीसू अऊ ओकर चेलासन संग खाना खाय बर बईठनि। 11एला देखके फरीसीमन यीसू के चेलासन ले पुछनि, “तुम्हर गुरू ह लगान लेवइया अधिकारी अऊ पापी मन संग काबर खावत हवय?”

12एला सुनके, यीसू ह कहसि, “बईद के जरूरत भला चंगा मनखेमन ला नई, पर बेमरहामन ला पड़थे। 139:13 होसे 6:6; लूका 5:32जावव अऊ सखिव कि परमेसर के ए बचन के का मतलब होथे: ‘मेंह बलदान नई, पर दया चाहथंव।’ काबरकि मेंह धरमीमन ला नई, पर पापीमन ला बलाय बर आय हवव।”

उपास के बारे में सवाल

(मरकुस 2:18-22; लुका 5:33-39)

14 तब यहून्ना के चेलायन यीसू करा आईन अऊ पुछनि, “का कारन ए कौ हमन अऊ फरीसीयन उपास करथन, पर तोर चेलायन उपास नई करय?”

15 यीसू ह ओमन ला ए जबाब दीस, “का बरातीयन दुःख मनार्थे, जब दुल्हा ह ओमन के संग में रहथि? पर ओ समय ह आही जब दुल्हा ह ओमन ले अलग करे जाही; तब ओमन उपास करहीं।

16 जुन्ना कपड़ा में नवां कपड़ा के खाप कोनो नई लगावय, काबरका ओ खाप ह जुन्ना कपड़ा ला तीरके अऊ चीर दीही। 179:17 मत्ती 12:6, 41-42 वइसने ही मनखेयन जुन्ना चमड़ा के थैली में नवां अंगूर के मंद ला नई भरय। यदि ओमन अइसने करथे, त ओ चमड़ा के थैली फट जाही, अऊ अंगूर के मंद ह बोहा जाही अऊ चमड़ा के थैली नास हो जाही। पर मनखेयन नवां मंद ला नवां चमड़ा के थैली में भरथे, अऊ ए किसिम ले दूनों चीज सही-सलामत रहथि।”

मरे छोकरा अऊ बेमरहा माईलोगन

(मरकुस 5:21-43; लुका 8:40-56)

18 जब यीसू ह ओमन ला ए कहत रहिसि, तबे यहूदीयन के सभा घर के अधिकारी आईस अऊ यीसू के आघू म माड़ी टेकके कहिसि, “मोर बेटी ह अभीच मरे हवय। पर तेह चल अऊ अपन हांथ ला ओकर ऊपर रख, अऊ ओह जी जाही।” 19 यीसू ह उठसि अऊ ओकर संग गीस। यीसू के चेलायन घलो ओकर संग गीन।

20 तबे एक माईलोगन जऊन ला बारह बछर ले लहू बोहाय के रोग रहिसि, यीसू के पाछू ले आईस अऊ ओकर कपड़ा के छोर ला छू लीस। 21 काबरका ओह अपन मन में सोचत रहिसि, “यदि मेंह ओकर कपड़ा ला ही छू लूँ, त चंगा हो जाहूँ।”

22 यीसू ह पाछू कोता मुड़ के ओला देखसि अऊ कहिसि, “हम्मिमत रख, बेटी। तोर

बसिवास ह तोला चंगा करे हवय।” अऊ ओहीच घरी ओ माईलोगन ह बने हो गीस।

23 जब यीसू ह ओ अधिकारी के घर के भीतर गीस अऊ बांसुरी बजइयामन ला अऊ मनखेयन ला रोवत-पीटत देखसि, 24 त ओह कहसि, “घुंच जावव! ए टूरी ह मरे नई ए, पर सुतत हवय।” पर ओमन ओकर हंसी उड़ाय लगनि। 25 जब मनखेयन ला घर के बाहरि कर दयि गीस, त यीसू ह भीतर गीस अऊ टूरी के हांथ ला धरके उठाईस, अऊ ओ टूरी ह उठ बईठसि। 26 ए बात के चरचा ओ जम्मो इलाका में फइल गीस।

यीसू ह अंधरा अऊ कोदा मन ला चंगा करथे

27 यीसू ह उहां ले आघू बढ़सि, त दू ज्ञन अंधरा मनखे ए गोहारत ओकर पाछू हो लीन, “हे दाऊद के संतान, हमर ऊपर दया कर।”

28 जब यीसू ह घर के भीतर गीस, त ओ अंधरा मनखेयन ओकर करा आईन। यीसू ह ओमन ले पुछसि, “का तुमन ला बसिवास हवय कि मेंह ए काम कर सकत हंव।”

ओमन ओला कहनि, “हव परभू।”

29 तब यीसू ह ओमन के आंखी ला छुईस अऊ कहसि, “तुमहर बसिवास के मुताबकि तुमहर बर होवय।” 30 अऊ ओमन के आंखीयन देखे लगनि। यीसू ह ओमन ला बहुत चेताके कहसि, “देखव, ए बात ला अऊ कोनो ला ज्ञन बतावव।” 31 पर बाहरि निकरके, ओमन ओ जम्मो इलाका में यीसू के जस ला फइला दीन।

32 जब ओमन बाहरि निकरत रहनि, त कुछ मनखेयन भूत धरे एक कोदा मनखे ला यीसू करा लाननि। 33 अऊ जब यीसू ह भूत ला नकार दीस, त ओ कोदा मनखे ह गोठियाय लगसि। मनखेयन अचम्भो करत कहे लगनि, “हमन इसरायल देस में अइसने बात कभू नई देखे रहेंन।” 34 पर फरीसीयन कहनि, “एह भूतयन के सरदार के दुवारा भूतयन ला नकारथे।”

बनहार थोरकन हवय

35 यीसू ह जम्मो नगर अऊ गांव में होवत

गीस, अऊ ओह यहूदीमन के सभा घर म सकिछा दीस, परमेसर के राज के सुघर संदेस के परचार करसि अऊ जम्मो कसिम के रोग अऊ बेमारी ला बने करसि। 369:36 गनिती 27:16-17 जब यीसू ह मनखेमन के भीड़ ला देखसि, त ओला ओमन के ऊपर तरस आईस, काबरकी ओमन परेसान अऊ बनि सहारा के रहिनि। ओमन बनि चरवाहा के भेड़ सहीं रहिनि। 37 तब ओह अपन चेलामन ला कहसि, “खेत म फसल तो बहुते हवय, पर बनहारमन थोरकन हवय। 38 एकरसेती, फसल के मालकि ले बनिती करव की ओह अपन फसल ला लुए बर बनहार पठोवय।”

यीसू के बारह चेलामन

(मरकुस 3:13-19; लूका 6:12-16)

10 यीसू ह अपन बारह चेलामन ला अपन करा बलाईस अऊ ओमन ला परेत आतमामन ला नकिारे अऊ हर एक कसिम के रोग अऊ बेमारी ला बने करे के अधिकार दीस।

2 बारह प्रेरतिमन के नांव ए अय: पहिला समीन, जऊन ला पतरस कहे जाथे अऊ ओकर भाई अन्दरियास; जबदी के बेटा याकूब अऊ ओकर भाई यूहन्ना; 3 फलिपिपुस अऊ बरतुलमै; थोमा अऊ लगान लेवइया मत्ती; हलफई के बेटा याकूब अऊ तद्दै; 4 समीन कनानी अऊ यहूदा इस्करियोती जऊन ह यीसू के संग बसिवासघात करसि।

5 ए बारहों ज्ञान ला, यीसू ह ए हुकूम देके पठोईस, “आनजातमन इहां ज्ञान जावव अऊ न ही सामरीमन के कोनो सहर म जावव। 610:6 मत्ती 15:24 एकर बदले, इसरायल के घराना के गवांय भेड़मन करा जावव। 7 जब तुमन जावव, त ए संदेस के परचार करव: ‘सुवरग के राज ह लकठा म आ गे हवय।’ 8 बेमरहामन ला चंगा करव, मरे मनखेमन ला जीयावव, कोढ़ी मनखेमन ला सुध करव, परेतमन ला नकिारव। मुफत म तुमन ला मलि हवय, एकरसेती मुफत म देवव। 9 अपन जेब म सोना या चांदी या तांबा ज्ञान रखव। 1010:10 मत्ती 9:37 रसता

बर झोला या अतकहिा कुरता या पनही या लउठी ज्ञान रखव, काबरकी बनहार ला ओकर जरूरत के चीज दिये जाना चाही।

11 जऊन कोनो सहर या गांव म तुमन जावव, त उहां कोनो काबलि मनखे के पता लगावव अऊ उहां ले बंदि होवत तक ओकरे घर म ठहरिव। 12 जऊन घर म तुमन जावव, त ओ घर ला आससि देवव। 13 यदी ओ घर के मनखेमन काबलि होहीं, त तुम्हर सांति ह उहां ठहरही, पर यदी ओमन काबलि नो हंय, त तुम्हर सांति ह तुम्हर करा लहुंट आही। 14 यदी कोनो तुमन ला गरहन नई करय या तुम्हर गोठ ला नई सुनय, त ओ घर या सहर ले नकिरत बेरा अपन गोड़ के धूरा ला झर्रा देवव। 15 मेंह तुमन ला सच कहत हंव की नियाय के दिन म, ए सहर के मनखेमन ले सदोम अऊ अमोरा सहर के मनखेमन के दसा ह जादा सहे के लइक होही।

16 देखव! मेंह तुमन ला भेड़ियामन के बीच म भेड़मन सहीं पठोवत हंवव। एकरसेती, सांप के सहीं चतुरा अऊ परेवा के सहीं नरिदोस बनव। 17 मनखेमन ले सचेत रहव। ओमन ह तुमन ला धरम-सभा ला सऊंप दहीं अऊ अपन सभा के घर म तुमन ला कोर्रा म मारहीं। 18 मोर कारन, तुमन ला हाकमि अऊ राजामन के आघू म लाने जाही की तुमन मोर बसिय म ओमन ला अऊ आनजातमन ला गवाही देवव। 19 जब ओमन तुमन ला पकड़थें, त एकर चंति ज्ञान करव की तुमन ला का कहना हे या कइसने कहना हे, काबरकी ओहीच बखत तुमन ला बताय जाही की का कहना हे। 20 काबरकी बोलइया तुमन नई, पर तुम्हर ददा परमेसर के आतमा ह तुमन म होके बोलही।

21 भाई ह अपन भाई ला अऊ ददा ह अपन लइका ला मार डारे बर सऊंप दहीं। लइकामन ह अपन दाई-ददा के बरिध म खड़े होहीं अऊ ओमन ला मरवा डारहीं। 22 मोर कारन, जम्मो मनखेमन तुम्हर ले नफरत करहीं, पर जऊन ह आखरी तक सहत रहिहीं, ओह उद्धार पाही। 2310:23 दानएल 7:13 जब ओमन तुमन ला एक सहर

म सताथें, त तुमन आने सहर म भाग जावव। मेंह तुमन ला सच कहत हंव की मनखे के बेटा के आय के पहिली, तुमन इसरायल के जम्मो सहर म नई जा सके होहू। 24 चेला ह अपन गुरू ले बड़े नई होवय अऊ न ही सेवक ह अपन मालकि ले बड़े होथे। 25 चेला ह अपन गुरू सहीं अऊ सेवक ह अपन मालकि सहीं बन जाना ही बहुंत अय। जब ओमन घर के मुखिया ला बालजबूल (सैतान) कहनि, त फेर ओमन ओकर घर के सदस्यमन ला का कुछू नई कहहीं।

26 एकरसेती, ओमन ले झन डर्गावव। काबरकी हर एक ढंके चीज ह उधारे जाही या हर एक छपि चीज ह उजागर करे जाही। 27 जऊन बात मेंह तुमन ला अंधियार म कहत हंव, ओला तुमन अंजोर म कहव। जऊन बात, तुमन ला कान म फुसफुसा के कहे जाथे, ओला तुमन घर के छानी ऊपर ले चचिया-चचियाके बतावव। 28 ओमन ले झन डर्गावव, जऊन मन सरीर ला मार डारथें, पर आतमा ला नई मार सकयं। पर ओकर ले डर्गावव, जऊन ह आतमा अऊ सरीर दूनों ला नरक म नास कर सकथे। 29 एक पईसा म दू ठन गौरइया चरिई बकिथे, तभो ले तुम्हर ददा परमेसर के बगिर ईछा के ओम ले एको ठन घलो धरती ऊपर नई गरिया। 30 अऊ त अऊ तुम्हर मुड़ी के जम्मो चुंदी ह घलो गनाय हवय। 31 एकरसेती झन डर्गावव, तुम्हर महत्व गौरइया चरिईमन ले बहुंत जादा हवय।

32 जऊन कोनो मोला मनखेमन के आधू म स्वीकार करथे, ओला मेंह घलो स्वर्ग म अपन ददा के आधू म स्वीकार करहूं। 33 पर जऊन कोनो मोला मनखेमन के आधू म इनकार करथे, त ओला मेंह घलो स्वर्ग म अपन ददा के आधू म इनकार करहूं।

34 ए झन सोचव की मेंह धरती म सांति स्थापना करे बर आय हंव। मेंह सांति स्थापना करे बर नई, पर तलवार चलवाय बर आय हंव।

35 मेंह बेटा ला ओकर ददा के बरिध म, बेटा ला ओकर दाई के बरिध

म अऊ बहू ला ओकर सास के बरिध म करे बर आय हंव।

36 मनखे के बईरी ओकर खुद परिवार के मनखेमन होहीं।

37 जऊन ह अपन ददा या दाई ला मोर ले जादा मया करथे, ओह मोर लइक नो हय। जऊन ह अपन बेटा या बेटा ला मोर ले जादा मया करथे, ओह मोर लइक नो हय; 38 अऊ जऊन ह अपन कुरस ला उठाके मोर पाछू नई आवय, ओह मोर लइक नो हय। 39 जऊन ह अपन परान ला बचाथे, ओह ओला गंवाही, अऊ जऊन ह मोर कारन अपन परान ला गंवाथे, ओह ओला बचाही।

40 जऊन ह तुमन ला गरहन करथे, ओह मोला गरहन करथे, अऊ जऊन ह मोला गरहन करथे, ओह ओला गरहन करथे जऊन ह मोला पठोय हवय। 41 जऊन ह एक अगमजानी ला अगमजानी जानके गरहन करथे, त ओह एक अगमजानी के इनाम पाही, अऊ जऊन ह धरमी मनखे ला धरमी मनखे जानके गरहन करथे, ओह एक धरमी मनखे के इनाम पाही। 42 अऊ जऊन ह ए छोटे मन म ले कोनो ला मोर चेला जानके एक गिलास ठंडा पानी पीये बर देथे, त मेंह तुमन ला सच कहत हंव की ओह अपन इनाम जरूर पाही।”

यीसू अऊ यूहन्ना बतसिमा देवइया

(लूका 7:18-35)

11 अपन बारह चेलामन ला ए हुकूम देय के बाद, यीसू ह उहां ले चल दीस। ओह गलील प्रदेश के सहरमन म सकिछा दे बर अऊ परचार करे बर गीस।

2 जब यूहन्ना ह जेल म मसीह के काम के चरचा ला सुनिस, त ओह अपन चेलामन ला ओकर करा ए पुछे बर पठोईस, 3 “का तैंह ओ अस, जऊन ह अवइया रहिस या फेर हमन कोनो दूसर के बाट जोहन।”

4 यीसू ह ओमन ला ए जबाब दीस, “तुमन जावव, अऊ जऊन बात तुमन सुनत अऊ देखत हवव, ओला यूहन्ना ला बतावव— 511:5 यसायाह 61:1; लूका

4:18-19 अंधरामन देखथें, खोरवामन रेंगथें, कोढ़ीमन सुध करे जावथें, भैंरा मनखेमन सुनथें, मुरदामन जी उठथें, अऊ गरीबमन ला सुघर संदेस के परचार करे जाथे। 6 धड़न ए ओह जऊन ह मोर ऊपर संदेह नई करय।”

7 जब यूहन्ना के चेलामन जावत रहिन, त यीसू ह मनखेमन ला यूहन्ना के बारे म कहन लगसि, “जब तुमन सुनसान जगह म यूहन्ना करा गेव, त तुमन का देखे के आसा करत रहेव? का हवा म डोलत बड़े घांस के पौधा ला? 8 यदि नई! त फेर तुमन का देखे बर गे रहेव? का सुघर कपड़ा पहिर एक मनखे ला देखे बर? जऊन मन सुघर कपड़ा पहिरथें, ओमन राजा के महल म रहथिं। 9 त तुमन का देखे बर गे रहेव? एक अगमजानी ला देखे बर? हव, मेंह तुमन ला कहथंव कि तुमन एक अगमजानी ले घलो बड़े मनखे ला देखेव। 10 11:10 मलाकी 3:1 यूहन्ना ह ओहीच मनखे अय, जेकर बारे म परमेसर के बचन म लिखे हवय; ‘मेंह अपन संदेसिया ला तोर आधू पठोहूँ, जऊन ह तोर आधू तोर रसता ला तयार करही’।

11 मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि अभी तक जऊन मनखेमन संसार म जनमे हवय, ओमन म कोनो घलो यूहन्ना बतसिमा देवइया ले बड़े नो हय। पर जऊन ह स्वरग के राज म सबले छोटे अय, ओह यूहन्ना ले घलो बड़े अय। 12 यूहन्ना बतसिमा देवइया के समय ले अभी तक स्वरग के राज ऊपर सतावा होय हवय अऊ सतानेवालामन ताकत के दुवारा एला अपन अधिकार म कर लेथें। 13 काबरकि जम्मो अगमजानी अऊ मूसा के कानून यूहन्ना के समय तक अगमबानी करत रहिन। 14 अऊ यदि तुमन ए बात ला मानत हव, त जान लेवव कि ओह एलियाह अय, जऊन ह अवइया रहिसि। 15 जेकर कान हवय, ओह सुन ले।

16 मेंह ए पीढ़ी के मनखेमन के तुलना काकर ले करंव? ओमन बजार म बईठे लइकामन सहीं अंय, जऊन मन अपन दूसर संगीमन ला पुकारके कहथियं:

17 ‘हमन तुम्हर बर बांसुरी बजाएन,

पर तुमन नई नाचेव;

हमन रोयेन-पीटेन,

पर तुमन ला दुःख नई होईस।’

18 काबरकि यूहन्ना आईस, पर ओह सधारन मनखे सहीं, न खावय न पीयय, त मनखेमन कहथिं, ‘ओला भूत धरे हवय।’ 19 मनखे के बेटा ह आईस अऊ ओह सधारन मनखे सहीं खाथे अऊ पीथे, त मनखेमन कहथिं, ‘देखव, ओह पेटहा अऊ पयिककड़ अय! ओह लगान लेवइया अधिकारी अऊ पापी मन के संगवारी अय।’ पर बुद्धिह अपन काम के दुवारा सही ठहरथे।”

पछताप नई करइया सहरमन ला धक्कार

(लूका 10:13-15)

20 तब यीसू ह ओ सहरमन ला धक्कारे लगसि, जहिं ओह सबले जादा चमतकार करे रहिसि, पर ओ सहरमन पछताप नई करनि। 21 यीसू ह कहसि, “धक्कार ए तोला, खुराजीन! धक्कार ए तोला, बैतसैदा। जऊन चमतकार के काम तुमन म करे गीस, यदि ओ काम सूर अऊ सैदा सहर म करे गे होतसि, त ओमन बहुत पहिली टाट के कपड़ा ओढ़के अऊ राख म बईठके पछताप कर चुके होतनि। 22 पर मेंह तुमन ला कहत हंव कि नियाय के दिन म सूर अऊ सैदा के दसा ह तुम्हर दसा ले कहूँ जादा सहे के लइक होही। 23 अऊ तें कफरनहूम! का तेंह अकास तक ऊंचा उठाय जाबे! नई! तेंह खाल्हे पाताल लोक ला चले जाबे। काबरकि जऊन चमतकार के काम तोर म करे गीस, यदि ओ काम सदोम सहर म करे गे होतसि, त ओ सहर ह आज तक ले बने रहतिसि। 24 पर मेंह तोला कहत हंव कि नियाय के दिन म सदोम सहर के दसा ह तोर दसा ले कहूँ जादा सहे के लइक होही।”

थके-हारे मनखेमन बर बसिराम

(लूका 10:21-22)

25 ओतकीच बेरा यीसू ह कहसि, “हे ददा! स्वरग अऊ धरती के परभू! मेंह तोर इसतुति करत हंव, काबरकि तेंह ए बात ला

बुद्धिमान अऊ गयिानी मनखेमन ले छपिय रखय, पर एला छोटे लइकामन ऊपर उजागर करय। 26हव! ददा ए बात तोला बने लगसि।

27मोर ददा ह मोला जम्मो चीज ला सऊं प दे हवय। ददा के छोड़ अऊ कोनो बेटा ला नई जानंय, अऊ ददा ला कोनो नई जानंय, सरिपि बेटा ह जानथे अऊ ओमन घलो जानथें, जऊन मन करा बेटा ह ओला उजागर करे चाहथे।

28हे जम्मो थके मांदे अऊ बोझ ले दबे मनखेमन, मोर करा आवव, मेंह तुमन ला बसिराम दूहूँ। 29मोर जुआंड़ी ला अपन ऊपर रखव अऊ मोर ले सखिव, काबरकी मेंह सुभाव म दयालु अऊ नम्र अंव, अऊ तुमन अपन आतमा म बसिराम पाहू। 30काबरकी मोर जुआंड़ी ह सहज अऊ मोर बोझा ह हर हवय।”

बसिराम दिन के परभू

(मरकुस 2:23-28; लूका 6:1-5)

12 ओ समय यीसू ह बसिराम के दिन गहूँ के खेत म ले होके जावत रहिसि। ओकर चेलामन ला भूख लगसि, त ओमन गहूँ के दाना ला टोर-टोरके खावन लगनि। 2एला देखके फरीसीमन यीसू ले कहनि, “देख! तोर चेलामन ओ काम करत हवय, जऊन ला कानून के मुताबकि बसिराम के दिन कई मना अय।”

3यीसू ह कहसि, “का तुमन नई पढ़े हवव कि जब दाऊद अऊ ओकर संग के मनखेमन ला भूख लगसि, त दाऊद ह का करसि? 412:4 लैब्यवस्था 24:9ओह परमेसर के घर म गीस, अऊ ओह अऊ ओकर संग के मनखेमन परमेसर ला चघाय रोटी ला खाईन, जऊन ला खाना, कानून के मुताबकि ओमन ला मना रहिसि। ओ रोटी ला सरिपि पुरोहितमन खा सकत रहनि। 512:5 गनिती 28:9-10या का तुमन मूसा के कानून म नई पढ़े हवव कि पुरोहितमन बसिराम के दिन मंदिर म बसिराम के कानून ला टोरथें, तभो ले ओमन दोसी नई ठहरय? 6मेंह तुमन ला कहथंय कि इहां एक झन हवय, जऊन ह

मंदिर ले घलो बड़े अय। 712:7 होसे 6:6मेंह बलदान नई पर दया चाहथंय। परमेसर के बचन म लिखे ए बात ला यदि तुमन समझतेव, त तुमन नरिदोसीमन ला दोसी नई ठहरितेव। 812:8 भजन संहिता 8:4-8; मरकुस 2:28मनखे के बेटा ह बसिराम दिन के परभू अय।”

9उहां ले चलके, यीसू ह यहूदीमन के सभा-घर म आईस। 10उहां एक झन मनखे रहय, जेकर एक हांथ ह सूख गे रहय। उहां कुछ मनखेमन यीसू ऊपर दोस लागाय बर बहाना खोजत रहनि, एकरसेति ओमन यीसू ले पुछनि, “का बसिराम के दिन कोनो बेमरहा ला चंगा कई कानून के मुताबकि सही अय?”

11यीसू ह ओमन ला कहसि, “यदि तुमन के काकरो एक ठन भेड़ हवय अऊ ओह बसिराम के दिन खंचवा म गरि जावय, त का तुमन ओला पकड़के बाहरि नई नकारहू? 12मनखे के कीमत ह एक ठन भेड़ ले बहुत बढ़ के होथे। एकरसेति बसिराम के दिन म भलाई कई कानून के मुताबकि सही अय।”

13तब यीसू ह ओ सूखा हांथवाले मनखे ले कहसि, “अपन हांथ ला लमा।” ओह अपन हांथ ला लमाईस अऊ ओ हांथ ह दूसर हांथ सहीं पूरा-पूरी बने हो गीस। 14पर फरीसीमन बाहरि नकिरनि अऊ ओमन यीसू ला मार डारे के योजना बनाईन।

परमेसर के चुने सेवक

15एला जानके यीसू ह उहां ले चल दीस, अऊ बहुत मनखेमन यीसू के पाछू हो लीन। ओह जम्मो बेमरहा मनखेमन ला चंगा करसि, 16अऊ ओमन ला चेताके कहसि, “कोनो ला झन बतावव कि मेंह कोन अंव।” 17ए कसिम ले यसायाह अगमजानी के दुवारा कहे गे ए बचन ह पूरा होईस:

18“देखव, एह मोर सेवक ए, जऊन ला मेंह चुने हवव,
एला मेंह मया करथंय, अऊ एकर ले मेंह बहुत खुस हवव।
एकर ऊपर मेंह अपन आतमा रखहूँ,

अऊ एह जम्मो जात के मनखेमन ला नियाय के संदेस दही।

19 एह न तो झगरा करही अऊ न ही चचियाही,

अऊ न ही गलीमन म कोनो एकर अवाज सुनहीं।

20 एह न तो कुचरे सरकन्डा ला टोरही, अऊ न ही बुथावत दीया ला बुथाही, जब तक कि एह जीत ला नियाय नई देवा दही।

21 12:21 यसायाह 42:1-4 जम्मो जात के मनखेमन एकर नांव म आसा रखहीं।”

यीसू अऊ बालजबूल

(मरकुस 3:20-30; लूका 11:14-23)

22 तब मनखेमन एक भूत धरे मनखे ला यीसू करा लाननि, जऊन ह अंधरा अऊ कौंदा रहिसि। यीसू ह ओला चंगा करसि अऊ ओ मनखे ह बोलन अऊ देखन लगसि। 23 जम्मो मनखेमन चकति होके कहे लगनि, “कहूँ एह दाऊद के संतान तो नो हय?”

24 पर जब फरीसीमन ए बात ला सुनिनि, त ओमन कहनि, “ए मनखे ह परेतमन के सरदार—बालजबूल के मदद ले परेतमन ला नकारथे।”

25 यीसू ह ओमन के मन के बात ला जानके ओमन ला कहसि, “जऊन राज म फूट पड़ जाथे, ओह टुकि नई रहय। 26 यदि सैतान ह सैतान ला नकारथे, त ओह अपन खुद के बरिधी हो गे हवय। तब ओकर राज ह कइसने टुकि रह सकथे? 27 यदि मेंह बालजबूल के मदद ले परेतमन ला नकारथं, त फेर तुम्हर मनखेमन काकर मदद ले ओमन ला नकारथे? एकरसेति, ओही मन तुम्हर नियाय करहीं। 28 पर यदि मेंह परमेसर के आतमा के मदद ले परेतमन ला नकारथं, तब परमेसर के राज ह तुम्हर करा आ गे हवय।

29 या कोन ह कोनो बलवान मनखे के घर म घुसर के ओकर संपत्ति ला लूट सकथे, जब तक कि पहिली ओह ओ बलवान मनखे

ला नई बांध लेवय? एकर बाद ही ओह ओकर घर ला लूट सकही।

30 जऊन ह मोर संग नई ए, ओह मोर बरिध म हवय, अऊ जऊन ह मोर संग नई संकेलय, ओह बगराथे। 31 एकरसेति, मेंह तुमन ला कहथं कि मनखेमन के हर एक पाप अऊ ननिंदा ला छेमा करे जाही, पर पबतिर आतमा के ननिंदा ला छेमा नई करे जावय। 32 12:32 मरकुस 3:30 जऊन कोनो मनखे के बेटा के बरिध म कुछू कहहीं, त ओला छेमा करे जाही, पर जऊन ह पबतिर आतमा के बरिध म बोलही, ओला छेमा नई करे जावय, न तो ए समय म अऊ न ही अवइया समय म।

33 बने रूख ला लगाहू, त ओम सुघर फर धरही; यदि खराप रूख लगाहू, त ओम खराप फर धरही; काबरकि रूख ह अपन फर ले चनिहे जाथे। 34 हे जहरिला सांप के लइकामन हो! तुमन खराप मनखे अव अऊ सुघर गोठ कइसने कह सकथे? काबरकि जऊन बात ह हरिदय म भरे होथे, ओहीच ह मुहूँ ले नकिरथे। 35 बने मनखे ह अपन हरिदय म भरे सुघर भंडार ले सुघर बात नकारथे, अऊ खराप मनखे ह अपन हरिदय म भरे खराप भंडार ले खराप बात नकारथे। 36 पर मेंह तुमन ला कहथं कि नियाय के दिन मनखेमन ला ओमन के मुहूँ ले नकिरे हर एक बेकार बात के हिसाब देय पड़ही। 37 काबरकि तुमन अपन गोठ के दुवारा नरिदोस ठहरहूँ अऊ अपन गोठ के दुवारा ही दोसी ठहरहूँ।”

योना अगमजानी के चनिहां

(मरकुस 8:11-12; लूका 11:29-32)

38 तब कुछू फरीसी अऊ कानून के गुरू मन यीसू ले कहनि, “हे गुरू! हमन तोर ले कोनो अचरज के चनिहां देखे चाहत हन।”

39 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “ए दुसूट अऊ बेभचारी पीढ़ी के मनखेमन चनिहां देखाय बर कहत हवय! पर योना अगमजानी के चनिहां ला छोड़ एमन ला अऊ कोनो चनिहां नई दिये जावय। 40 12:40 योना

1:17; 1कुरिन्थ 15:4जइसने योना ह तीन दिन अऊ तीन रात एक ठन बड़े मछरी के पेट म रहिसि, वइसने मनखे के बेटा ह घलो तीन दिन अऊ तीन रात धरती के भीतर म रहिही। 4112:41 योना 3:4-5नयाय के दिन नीनवे सहर के मनखेमन, ए पीढ़ी के मनखेमन संग ठाढ़ होही, अऊ एमन ऊपर दोस लगाही, काबरका ओमन योना के संदेस ला सुनके मन फरिईन। पर देखव! इहां एक झन हवय, जऊन ह योना ले घलो बड़के अय। 4212:42 1राजा 10:1-7नयाय के दिन दक्खिन दगि के रानी ह ए पीढ़ी के मनखेमन संग ठाढ़ होही अऊ एमन ऊपर दोस लगाही, काबरका ओ रानी ह राजा सुलेमान के गयान के बात ला सुने बर धरती के छोर ले आय रहिसि। पर देखव! इहां एक झन हवय, जऊन ह राजा सुलेमान ले घलो बड़के अय।

43जब एक परेत आतमा ह कोनो मनखे म ले बाहरि नकिरथे, त ओह सुसताय के ठकाना खोजे बर सुक्खा ठऊर म जाथे, पर ओला कोनो जगह नई मलिय। 44तब ओह कहथि, ‘जऊन घर ला मेंह छोड़के आय रहेव, मेंह ओहीच घर म लहुंट जाहूं।’ अऊ जब ओह लहुंटके आथे, त ओह ओ घर ला सूना, झाड़े-बहारे अऊ सही ढंग म पाथे। 45तब ओह जाथे अऊ अपन ले घलो अऊ खराप सात आतमामन ला अपन संग म ले आथे, अऊ ओमन घुसर के उहां बस जाथें। अऊ ओ मनखे के आखरी दसा ह पहिली ले अऊ खराप हो जाथे। अइसनेच ए दुस्ट पीढ़ी के मनखेमन के दसा घलो होही।”

यीसू के दाई अऊ भाईमन

(मरकुस 3:31-35; लूका 8:19-21)

46जब यीसू ह मनखेमन ले गोठयावत रहिसि, त ओकर दाई अऊ भाईमन आके बाहरि खड़े रहिन अऊ ओमन ओकर ले बात करे चाहत रहिन। 47मनखेमन ले एक झन ह यीसू ला कहसि, “तोर दाई अऊ भाईमन बाहरि म खड़े हवय अऊ तोर ले बात करे चाहत हवय।”

48पर यीसू ह ओ मनखे ला कहसि, “कोन

ह मोर दाई अय, अऊ कोन मन मोर भाई अय?” 49अऊ यीसू ह अपन चेलामन कोर्ता अपन हाथ ला देखाके कहसि, “एमन अंय मोर दाई अऊ मोर भाई। 50काबरका जऊन ह मोर स्वरग के ददा के ईछा मुताबकि चलथे, ओहीच ह मोर भाई, मोर बहनी अऊ मोर दाई अय।”

बीज बोवइया के पटंतर

(मरकुस 4:1-9; लूका 8:4-8)

13 ओहीच दिन, यीसू ह घर ले नकिरसि, अऊ समुंदर के तीर म जाके बईठ गीस। 2तब ओकर चारों कोर्ता अतेक बड़े भीड़ जुर गीस कि ओला जाके एक ठन डोंगा म बईठे पड़सि, अऊ जम्मो मनखेमन समुंदर के तीर म ठाढ़े रहय। 3तब यीसू ह ओमन ला पटंतर म बहुत बात बताईस। ओह कहसि, “एक किसान ह बीज बोय बर नकिरसि। 4जब ओह बोवत रहिसि, त कुछू बीजामन रसता के तीर म गरिन अऊ चरिईमन आके ओला चुग लीन। 5कुछू बीजामन पथरी भुइयां म गरिन, जहां ओमन ला जादा माटी नई मलिसि। ओ बीजामन जल्दी जाम गीन काबरका उहां माटी ह गहरि नई रहिसि। 6पर जब सूरज नकिरसि, त ओमन मुरझा गीन अऊ जरी नई धरे रहय के कारन ओमन सूख गीन। 7कुछू बीजामन कंटली झाड़ीमन के बीच म गरिन अऊ ओ झाड़ीमन बढ़के ओमन ला दबा दीन। 8पर कुछू बीजामन बने भुइयां ऊपर गरिन अऊ फर लाननि; कोनो सौ गुना, कोनो साठ गुना अऊ कोनो तीस गुना। 9जेकर कान हवय, ओह सुन ले।”

10चेलामन यीसू करा आके ओकर ले पुछनि, “तेंह मनखेमन संग पटंतर म काबर गोठयाथस?” 1113:11 मरकुस 4:10ओह जबाब दीस, “स्वरग राज के भेद के गयान तुमन ला देय गे हवय, पर ओमन ला नई। 12काबरका जेकर करा हवय, ओला अऊ दियि जाही अऊ ओकर करा बहुत जादा हो जाही। पर जेकर करा नई ए, ओकर करा ले ओला घलो ले लयि जाही, जऊन थोर बहुत

ओकर करा हवय। 13मेंह ओमन ले एकर कारन पटंतर म गोठयाथंव काबरका ओमन देखत घलो नइ देखंय, अऊ सुनत घलो ओमन नइ सुनंय या समझंय।

14ओमन के बारे म यसायाह अगमजानी के ए अगमबानी ह पूरा होथे:

‘तुमन सुनहू जरूर,
पर कभू नइ समझहू,
अऊ तुमन देखहू जरूर,
पर कभू नइ सूझही।

15काबरका ए मनखेमन के दमाग ह मोटा हो गे हवय,

अऊ एमन अपन कान ले ऊंचहा सुने लगे हवंय।

अऊ एमन अपन आंखी ला मूंद ले हवंय। नइ तो एमन ह अपन आंखी ले देखतनि,

अपन कान ले सुनतनि,

अपन दमाग ले समझतनि अऊ मोर कोर्ता फरितनि,

अऊ मेंह एमन ला चंगा कर देतेंव।’

16पर धइन अंय तुम्हर आंखीमन, काबरका ओमन देखथें, अऊ धइन अंय तुम्हर कानमन, काबरका ओमन सुनथें। 1713:17 1यूहन्ना 1:1-2मेंह तुमन ला सच कहथंव का जऊन चीज ला तुमन देखत हव, ओला कतको अगमजानी अऊ धरमी मनखेमन देखे चाहत रहिनि, पर देखे नइ सकनि; अऊ जऊन गोठ ला तुमन सुनत हवव, ओला ओमन सुने चाहत रहिनि, पर सुने नइ सकनि।

18अब तुमन किसान के पटंतर के मतलब ला सुनव। 19जब कोनो मनखे स्वरग राज के बचन ला सुनथे अऊ ओला नइ समझय, त जऊन बचन ओकर हरिदय म बोय गय रहथि, ओला दुस्ट सैतान ह आके छीन लेथे। एह ओ बीजा ए, जऊन ह रसता के तीर म बोय गय रहिसि। 20जऊन बीजा ह पथर्री भुइयां म बोय गे रहिसि, एह ओ मनखे अय, जऊन ह बचन ला सुनथे अऊ तुरते ओला आनंद सहति गरहन करथे। 21पर अपन म जरी नइ धरे रहय के कारन, ओह कुछू समय

तक ही ठहरथे। जब बचन के सेर्ता समस्या अऊ सताव आथे, त ओह तुरते बचन ले दूर हो जाथे। 22जऊन बीजा ह कंटली झाड़ीमन के बीच म बोय गे रहिसि, एह ओ मनखे अय, जऊन ह बचन ला सुनथे, पर ए जनिगी के फकिर अऊ धन के लालच ह बचन ला दबा देथे अऊ ओह फर नइ लानय। 23पर जऊन बीजा ह बने भुइयां म बोय गय रहिसि, एह ओ मनखे अय, जऊन ह बचन ला सुनथे अऊ ओला समझथे। ओह फर लानथे; कोनो सौ गुना, कोनो साठ गुना अऊ कोनो तीस गुना।”

जंगली बीजा के पटंतर

24यीसू ह ओमन ला एक अऊ पटंतर सुनाईस, “स्वरग के राज ह ओ मनखे के सहीं अय, जऊन ह अपन खेत म बने बीजा ला बोईस। 25पर जब मनखेमन सुतत रहिनि, त ओ मनखे के बईरी ह आईस अऊ गहूं के बीच म जंगली बीजा ला बोके चल दीस। 26जब गहूं ह जामसि अऊ एकर बाली दिखे लगसि, त जंगली पौधा घलो दिखे लगसि।

27तब ओ खेत के मालकि के सेवकमन ओकर करा आईन अऊ कहनि, ‘मालकि, का तेंह अपन खेत म बने बीजा नइ बोय रहय? तब ओम ए जंगली पौधामन कहां ले आ गीन?’

28ओह ओमन ला कहसि, ‘एह कोनो बईरी के काम अय।’ तब सेवकमन ओकर ले पुछनि, ‘का तेंह चाहथस का हमन जाके ओ जंगली पौधामन ला उखान दन?’ 29खेत के मालकि ह कहसि, ‘नइ, काबरका जंगली पौधा ला उखानत बखत, हो सकथे का तुमन ओमन के संग म गहूं ला घलो उखान डारव। 30लुवई के समय तक दूनों ला संगे-संग बढ़न देवव। लुवई के समय, मेंह लुवइयामन ला कहहिं; पहिली जंगली पौधामन ला संकेलव अऊ जलाय बर ओमन के बोझा बांध लेवव। तब गहूं ला जमा करके मोर कोठार म ले आवव।”

सरसों के बीजा अऊ खमीर के पटंतर

(मरकुस 4:30-32; लूका 13:18-19)

31यीसू ह ओमन ला एक अऊ पटंतर

सुनाईस, “स्वरग के राज ह सरसों के एक बीजा के सहीं अय, जऊन ला लेके एक मनखे ह अपन खेत म बोईस। 32 सरसों के बीजा ह तो जम्मो बीजामन ले छोटे होथे, पर जब एह बढ़थे, त जम्मो साग-भाजी ले बड़े हो जाथे अऊ अइसने रूख बन जाथे की अकास के चरिईमन आके एकर डालीमन म बसेरा करथें।”

33 यीसू ह ओमन ला एक ठन अऊ पटंतर सुनाईस, “स्वरग के राज ह खमीर सहीं अय, जऊन ला एक माईलोगन ह लीस अऊ तीन पसेरी पिसान म तब तक मलाईस जब तक की ओ जम्मो पिसान ह खमीर नई हो गीस।”

34 यीसू ह मनखेमन ला ए जम्मो बात पटंतर म कहसि, अऊ बगिर पटंतर के ओह ओमन ला कुछू नई कहत रहिसि। 35 13:35 भजन संहिता 78:2 अइसने करे के दुवारा ओह अगमजानी के दुवारा कहे गय ए बात ला पूरा करसि:

“मेंह पटंतर म गोठियाहूं।

मेंह ओ बातमन ला उजागर करहूं,
जऊन ह संसार के सरिजे के समय
ले गुपत म हवय।”

जंगली बीजा के पटंतर के मतलब

36 तब यीसू ह भीड़ ला छोड़के घर के भीतर गीस। ओकर चेलांमन ओकर करा आके कहनि, “खेत म जंगली बीजा के पटंतर के बारे म हमन ला समझा दे।”

37 यीसू ह जबाब दीस, “जऊन मनखे ह बने बीजा ला बोईस, ओह मनखे के बेटा अय। 38 खेत ह संसार अय, अऊ बने बीजा ह स्वरग राज के संतान अंय। जंगली बीजामन दुसूट सैतान के संतान अंय, 39 अऊ जऊन बईरी ह एमन ला बोथे, ओह सैतान अय। लुवई ह संसार के अंत अय, अऊ लुवइयामन स्वरगदूत अंय।

40 जइसने जंगली पौधामन ला जमा करके आगी म बार दिये जाथे, वइसने संसार के अंत समय म होही। 41 मनखे के बेटा ह अपन स्वरगदूतमन ला पठोही, अऊ ओमन ओकर

राज के ओ जम्मो झन ला नकारही, जऊन मन मनखेमन के पाप के कारन बनथें अऊ जऊन मन कुकरम करथें। 42 स्वरगदूतमन ओमन ला आगी के भट्ठी म झोंक दीहीं, जहिं ओमन रोहीं अऊ अपन दांत पीसहीं। 43 तब धरमी मनखेमन अपन परमेसर के राज म सूरज सहीं चमकहीं। जेकर कान हवय, ओह सुन ले।”

गुपत खजाना अऊ मोती के पटंतर

44 “स्वरग के राज ह एक खेत म छपि खजाना के सहीं अय, जऊन ला एक मनखे ह पाईस, अऊ ओह ओला फेर लुका दीस। तब ओह खुसी म गीस अऊ अपन जम्मो कुछू ला बेंचके ओ खेत ला बसिो लीस।

45 फेर, स्वरग के राज ह एक सौदागर के सहीं अय, जऊन ह सुघर मोती के खोज म रहथि। 46 जब ओला एक ठन महंगा मोती मलिथे, त ओह जाथे अऊ अपन जम्मो कुछू ला बेंचके ओ मोती ला बसिो लेथे।”

जाल के पटंतर

47 “फेर स्वरग के राज ह एक जाल के सहीं अय, जऊन ला समुंदर म डारे गीस, अऊ ओम जम्मो कसिम के मछरी फंसनि। 48 जब जाल ह भर गीस त मछुआरमन ओला खींचके तीर म ले आईन। तब ओमन बईठ गीन अऊ बने मछरीमन ला नमिर के टुकना म रखनि, अऊ खराप मछरीमन ला फटकि दीन। 49 संसार के अंत समय म अइसनेच होही। स्वरगदूतमन आहीं, अऊ दुसूट मनखेमन ला धरमीमन ले अलग करहीं, 50 अऊ ओमन ला आगी के भट्ठी म झोंक दीहीं। उहां ओमन ह रोहीं अऊ अपन दांत पीसहीं।”

51 यीसू ह अपन चेलांमन ले पुछसि, “का तुमन ए जम्मो गोठ ला समझेव?” त ओमन ह कहनि, “हव जी।”

52 यीसू ह ओमन ला कहसि, “एकरसेत, मूसा के कानून के हर ओ गुरू, जऊन ह स्वरग राज के सकिछा पा चुके हवय, ओह एक घर के मालिक सहीं अय, जऊन ह अपन

भंडार ले नवां के संग-संग जुनूना चीजमन ला नकारथे।”

एक अगमजानी बगिर आदरमान के

(मरकुस 6:1-6; लूका 4:16-30)

53यीसू ह ए पटंतरमन ला सुनाय के बाद उहां ले चल दीस। 54ओह अपन नगर म आईस, अऊ मनखेमन ला ओमन के सभा घर म सकिछा देवन लगसि। मनखेमन ओकर उपदेस ला सुनके चकति होईन अऊ कहनि, “ए मनखे ला, ए बुद्धि अऊ ए अचरज के काम करे के सामरथ कहां ले मलिसि? 55का एह बढ़ई के बेटा नो हय? का एकर दाई के नांव मरयिम नो हय? का याकूब, यूसुफ, समीन अऊ यहूदा एकर भाई नो हय? 56का एकर जम्मो बहानीमन हमर बीच म नई रहय? तब ए मनखे ला ए जम्मो चीज कहां ले मलिसि?” 5713:57 लूका 4:28-29अऊ ओमन ओकर ऊपर नराज होईन। पर यीसू ह ओमन ला कहसि, “सरिपि अपन सहर अऊ अपन घर ला छोड़के, अगमजानी ह जम्मो जगह म आदरमान पाथे।”

58मनखेमन के अबसिवास के कारन, ओह उहां जादा अचरज के काम नई करसि।

यूहन्ना बतसिमा देवइया के हतया

(मरकुस 6:14-29; लूका 9:7-9)

14 ओ समय राजा हेरोदेस ह यीसू के बारे म सुनसि, 2अऊ ओह अपन सेवकमन ला कहसि, “एह यूहन्ना बतसिमा देवइया अय। ओह मरे म ले जी उठे हवय। एकरसेती ओह ए अचरज के काम कर सकथे।”

3हेरोदेस ह अपन भाई फलिपिपुस के घरवाली हेरोदियास के कारन यूहन्ना ला पकड़वाके बंदी बनवाय रहिसि अऊ ओला जेल म डलवा दे रहिसि। 4काबरका यूहन्ना ह हेरोदेस ला कहे रहिसि, “अपन भाई के घरवाली ला रखई तोर बर उचित नो हय।” 5हेरोदेस ह यूहन्ना ला मार डारे चाहत रहिसि, पर ओह मनखेमन ले डर्रावत रहिसि काबरका मनखेमन यूहन्ना ला एक अगमजानी मानत रहिनि।

6हेरोदेस के जनम दिन म हेरोदियास के बेटी ह नेवताहारीमन के आघूम नाचसि अऊ हेरोदेस ला खुस कर दीस। 7तब हेरोदेस ह करिया खाके ओला ए बचन दीस, “जऊन कुछू तेंह मांगबे, मेंह तोला दूहूँ।” 8ओह अपन दाई के सखिय म आके कहसि, “यूहन्ना बतसिमा देवइया के मुड़ी ला एक ठन थारी म इहां मोर करा मंगवा दे।” 9राजा ह दुःखी होईस, पर अपन करिया अऊ पहनामन के सेती ओह हुकूम दीस, “एला यूहन्ना के मुड़ी दे दिये जावय।” 10ओह सपिाहीमन ला पठोके, जेल म यूहन्ना के मुड़ी ला कटवा दीस। 11ओकर मुड़ी ला एक ठन थारी म लाय गीस अऊ ओ छोकरी ला दे दिये गीस, अऊ ओह मुड़ी ला अपन दाई करा ले गीस। 12यूहन्ना के चेलामन आईन अऊ ओकर लास ला ले जाके, ओला माटी दे दीन। तब ओमन जाके यीसू ला ए खबर दीन।

यीसू ह पांच हजार मनखेमन ला खाना खावथे

(मरकुस 6:30-44; लूका 9:10-17; यूहन्ना

6:1-14)

13जब यीसू ह ए खबर ला सुनसि, त एक ठन डोंगा म चघके, ओह एके झन उहां ले एक सुनसान जगह म चल दीस। जब मनखेमन ला ए बात के पता चलसि, त ओमन सहरमन ले नकिरके पैदलेच ओकर खोज म गीन। 14जब यीसू ह डोंगा ले उतरसि, त ओह उहां एक बड़े भीड़ ला देखसि। यीसू ला ओमन ऊपर तरस आईस अऊ ओह ओमन के बेमरहामन ला बने करसि।

15जब सांझ होय लगसि, त चेलामन ओकर करा आईन अऊ कहनि, “एह एक सुनसान जगह अय, अऊ अब्बड़ बेर होवत हवय। तेंह मनखेमन ला बिदा कर, ताका ओमन गांवमन म जाके अपन बर भोजन बिसो सकय।”

16यीसू ह कहसि, “एमन ला कहीं जाय के जरूरत नई ए। तुमन एमन ला कुछू खाय बर देवव।”

17ओमन यीसू ला कहनि, “इहां हमर करा

सरिपि पांच ठन रोटी अऊ दू ठन मछरी हवय।”

18यीसू ह कहसि, “ओमन ला इहां मोर करा लानव।” 19तब यीसू ह मनखेमन ला कांदी म बईठे के हुकूम दीस। ओह पांच रोटी अऊ दू ठन मछरी ला लीस अऊ स्वरग कोर्ता देखके, ओह परमेसर ले आससि मांगसि, अऊ रोटीमन ला टोरके चेलामन ला दीस अऊ चेलामन मनखेमन ला दीन। 20ओ जम्मो झन खाईन अऊ खाके अघा गीन। चेलामन बांचे खुचे टुकड़ा के बारह टुकना भर के उठाईन। 21जऊन मन भोजन करनि, ओम माईलोगन अऊ लइकामन ला छोंड़के, लगभग पांच हजार मरद रहनि।

यीसू ह पानी ऊपर रेंगथे

(मरकुस 6:45-52; यूहन्ना 6:15-21)

22एकर बाद, यीसू ह तुरते चेलामन ला डोंगा म चघाईस की ओमन ओकर ले आघू झील के ओ पार जावंय, तब तक ओह मनखेमन ला बदिा करसि। 23मनखेमन ला बदिा करे पाछू, यीसू ह एके झन पराथना करे बर पहाड़ ऊपर गीस। जब सांझ होईस, त ओह उहां एके झन रहिसि। 24ओ समय डोंगा ह भुइयां ले बहुंत दूरहिा म रहिसि, अऊ पानी के लहरा म डगमगावत रहिसि, काबरकी हवा ह ओकर उलटा बोहावत रहय।

25बहान होय के थोरकन पहिली यीसू ह समुंदर ऊपर रेंगत चेलामन करा आईस। 26जब चेलामन यीसू ला समुंदर ऊपर रेंगत देखनि, त ओमन डर्रा गीन अऊ कहनि, “एह भूत अय।” अऊ ओमन डर के मारे चचियाय लगनि।

2714:27 नरिगमन 3:14तब यीसू ह तुरते ओमन ला कहसि, “हमिमत रखव। एह में अंव। झन डर्रावव।”

28पतरस ह कहसि, “हे परभू, यदीतैं अस, त मोला पानी ऊपर तोर करा आय के हुकूम दे।”

29यीसू ह कहसि, “आ।” तब पतरस ह डोंगा ले उतरसि अऊ पानी ऊपर रेंगत यीसू कोर्ता आय लगसि। 30पर जब ओह गर्रा

ला देखसि, त ओह डर्रा गीस अऊ पानी म बुडन लगसि, त चचियिके कहसि, “हे परभू! मोला बचा।”

31यीसू ह तुरते अपन हांथ बढ़ाके ओला थाम लीस अऊ कहसि, “हे अल्प बसिवासी, तेंह संका काबर करय?”

32जब ओ दूनो डोंगा म चघ गीन, त गर्रा ह थम गीस। 33तब जऊन मन डोंगा म रहनि, ओमन यीसू ला दंडवत करनि अऊ कहनि, “सही म तेंह परमेसर के बेटा अस।”

34ओमन झील के ओ पार गीन अऊ गन्नेसरत सहर म पहुँचनि। 35उहां के मनखेमन यीसू ला चनि डारनि अऊ ओमन आस-पास के जम्मो गांव म खबर भजिवा दीन। मनखेमन जम्मो बेमरहामन ला यीसू करा लाननि, 36अऊ ओकर ले बनिती करनि, “ए बेमरहामन ला तोर कपड़ा के छोर ला सरिपि छुवन दे।” अऊ जतेक झन ओला छुईन, ओ जम्मो झन चंगा हो गीन।

सुध अऊ असुध

(मरकुस 7:1-13)

15 तब यरूसलेम सहर ले कुछू फरीसी अऊ मूसा के कानून के गुरमन यीसू करा आईन, 2अऊ ओकर ले पुछनि, “तोर चेलामन काबर पुरखामन के रीत-रिवाज ला नई मानंय? खाना खाय के पहिली, ओमन अपन हांथ ला नई धोवंय।”

3यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “अऊ तुमन अपन रीत-रिवाज के हति म परमेसर के हुकूम ला काबर नई मानव? 4काबरकी परमेसर ह हुकूम दे हवय, ‘अपन दाई अऊ ददा के आदरमान करव, अऊ जऊन ह अपन दाई या ददा के बुरई करथे, ओह मार डारे जावय।’ 5पर तुमन कहथिव की यदी कोनो अपन दाई या ददा ले ए कहय, ‘जऊन मदद तुमन ला मोर कोर्तले हो सकत रहिसि, ओह परमेसर ला भेंट के रूप म चघाय गे हवय।’ तब ओला अपन ददा या दाई के आदरमान करे के जरूरत नई अय। 6ए कसिम ले तुमन अपन रीत-रिवाज के हति म परमेसर के बचन ला टार देथव। 7हे ढोंगी मनखेमन!

यसायाह अगमजानी ह तुम्हरे बारे म ए कहिके बलिकुल सही अगमबानी करे हवय:

8 'ए मनखेमेन सरिपि अपन मुहूँ ले मोर आदर करथें,
पर एमन के मन ह मोर ले दूरहि रहथि।

9 एमन बेकार म मोर अराधना करथें;
काबरकि एमन मनखे के बनाय नयिममन ला सरिखेथें।' "

10 यीसू ह मनखेमेन के भीड़ ला अपन करा बलाईस अऊ कहिस, "तुमन सुनव अऊ समझव। 11 जऊन चीज ह मुहूँ म जाथे, ओह मनखे ला असुध नई करय, पर जऊन ह मुहूँ ले बाहरि नकिरथे, ओह मनखे ला असुध करथे।"

12 तब चेलामेन यीसू करा आके पुछनि, "का तेंह जानथस कि तोर ए बात ले फरीसीमेन ला ठेस लगे हवय?"

13 यीसू ह जबाब दीस, "जऊन पौधा ला, स्वरग के मोर ददा ह नई लगाय हवय, ओला उखान दयि जाही। 14 ओमेन ला रहन दव। ओमेन ह अंधरा अगुवा अंय। यदि एक अंधरा मनखे ह दूसर अंधरा मनखे ला रसता दिखाही, त दूनों झन खंचवा म गरिहीं।"

15 एला सुनके पतरस ह ओला कहिस, "ए पटंतर ला हमन ला समझा दे।"

16 यीसू ह कहिस, "का तुमन अभी तक ले नासमझ हवव? 17 का तुमन नई जानव कि जऊन चीज ह मुहूँ म जाथे, ओह पेट म ले होके पयखाना ले बाहरि नकिर जाथे? 18 पर जऊन चीज ह मुहूँ ले नकिरथे, ओह हरिदय ले आथे अऊ ओह मनखे ला असुध करथे। 19 काबरकि खराप बचिार, हतिया, बेभचिार, छिनारीपन, चोरी, लबारी गवाही अऊ ननिंदा—ए जम्मे बात हरिदय ले नकिरथे, 20 अऊ ए बातमेन मनखे ला असुध करथें, पर बगिर हांथ धोवय भोजन करई, मनखे ला असुध नई करय।"

एक कनानी (आनजात) माईलोगन के बसिवास

(मरकुस 7:24-30)

21 ओ जगह ला छोड़के, यीसू ह सूर अऊ सैदा के सीमना म चले गीस। 22 ओ इलाका के एक कनानी माईलोगन ह ओकर करा आईस अऊ चचियाके कहिस, "हे परभू, दाऊद के संतान, मोर ऊपर दया कर! मोर बेटी ला भूत धरे हवय अऊ ओला भयंकर सतावत हवय।"

23 पर यीसू ह ओला कुछू जबाब नई दीस। तब ओकर चेलामेन आईन अऊ ओकर ले बनिती करनि, "ओ माईलोगन ला बिदा कर, काबरकि ओह चचियावत हमर पाछू-पाछू आवत हवय।"

24 यीसू ह कहिस, "मेह सरिपि इसरायल के गंवाय भेड़मेन करा पठोय गे हवंव।"

25 तब ओ माईलोगन ह आईस अऊ यीसू के आघू म माड़ी टेकके कहिस, "हे परभू, मोर मदद कर।"

26 यीसू ह जबाब दीस, "लइकामन के रोटी ला लेके कुकुरमेन ला देवई ठीक नो हय।"

27 ओह कहिस, "हव परभू, पर कुकुरमेन घलो ओमेन के मालिक के मेज ले गरि चूर-चार ला खाथें।"

28 तब यीसू ह ओला कहिस, "हे माईलोगन, तोर बसिवास ह बहुंत बड़े अय। जइसेने तेंह चाहथस, वइसनेच तोर बर होवय।" अऊ ओकर बेटी ह ओहीच बखत चंगा हो गीस।

यीसू ह चार हजार मनखेमेन ला खाना खावथे

(मरकुस 8:1-10)

29 यीसू ह ओ जगह ला छोड़ दीस अऊ गलील के झील के तीरे-तीर गीस। तब ओह पहाड़ी ऊपर चघसि अऊ उहां बईठ गीस।

30 भीड़ के भीड़ मनखेमेन ओकर करा आईन अऊ ओमेन खोरवा, अंधरा, लूलवा, कोंदा अऊ बहुते आने बेमरहामन ला लानके यीसू के गोड़ करा रख दीन, अऊ यीसू ह ओमेन ला चंगा करसि। 31 मनखेमेन अब्बड़ अचरज करनि, जब ओमेन ए देखनि कि कोंदा ह गोठियावत हवय, लूलवा ह ठीक

हो गे हवय, खोरवा ह रेंगत हवय अऊ अंधरा ह देखत हवय। अऊ ओमन इसरायल के परमेसर के महिमा करनि।

32यीसू ह अपन चेलामन ला अपन करा बलाके कहसि, “मोला ए मनखेमन ऊपर तरस आथे। एमन तीन दिन ले मोर संग म हवय, अऊ एमन करा खाय बर कुछू नई ए। मेंह एमन ला खाली पेट बढ़ा करे नई चाहथंव, नई तो एमन रसता म गरिके बेहोस हो सकथें।”

33चेलामन ओला कहनि, “अतेक बड़े भीड़ ला खवाय बर, ए सुनसान जगह म हमन कहां ले अतेक रोटी पाबो?”

34यीसू ह ओमन ले पुछसि, “तुम्हर करा कतेक रोटी हवय?” ओमन कहनि, “सात, अऊ कुछू छोटे-छोटे मछरी घलो।”

35यीसू ह मनखेमन ला भुइयां म बईठे बर कहसि। 36तब ओह ओ सात ठन रोटी अऊ मछरीमन ला लीस, अऊ परमेसर ला धनबाद देके ओमन ला टोरसि अऊ अपन चेलामन ला देवत गीस अऊ चेलामन ओला मनखेमन ला बांट दीन। 37ओ जम्मो झन खाईन अऊ खाके अधा गीन। ओकर बाद चेलामन बांचे खुचे कुटका के सात ठन टुकना भरके उठाईन। 38जऊन मन उहां खाना खाईन, ओम माईलोगन अऊ लइकामन ला छोंड़के, चार हजार आदमीमन रहनि। 39तब यीसू ह भीड़ ला बढ़ा करसि अऊ डोंगा म चघके ओह मगदन छेत्र म चल दीस।

एक चनिहां देखाय के मांग

(मरकुस 8:11-13; लूका 12:54-56)

16 फरीसी अऊ सदूकी मन यीसू करा आईन अऊ ओला परखे खातरि ओकर ले पुछनि, “हमन ला स्वरग ले कोनो चनिहां देखा।”

2यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “जब संझा होथे, त तुमन कहथिव कि मौसम ह साफ रहिही, काबरकि अकास म लाली हवय, 3अऊ बहिनियां के बखत तुमन कहथिव कि आज गर्रा आही, काबरकि अकास म लाली हवय अऊ बादर छाव हवय। तुमन ह अकास

के चनिहां ला देखके, मौसम के बारे म बता देथव, पर तुमन समय के चनिहां के बारे नई बता सकव। 416:4 मत्ती 12:39-40ए दुसूट अऊ बेभचिारी पीढ़ी के मनखेमन अचरज के चनिहां खोजथें, पर योना अगमजानी के चनिहां के छोड़, एमन ला अऊ कुछू चनिहां नई दयि जावय।” तब यीसू ह ओमन ला छोंड़के चल दीस।

फरीसी अऊ सदूकी मन के खमीर

(मरकुस 8:14-21)

5जब ओमन झील के ओ पार गीन, त चेलामन अपन संग रोटी लाने बर भुला गे रहनि। 6यीसू ह ओमन ला कहसि, “फरीसी अऊ सदूकी मन के खमीर ले सचेत रहव।”

7ओमन आपस म ए बात ला बचिार करनि अऊ कहनि, “हमन रोटी नई लाने हवन, एकरसेर्ता ओह अइसने कहत हवय।”

8ओमन के बचिार ला जानके, यीसू ह ओमन ला कहसि, “हे अल्प बसिवासीमन हो! तुमन ए काबर गोठियावत हव कि तुम्हर करा रोटी नई ए? 9का तुमन अभी तक ले नई समझव? पांच हजार मनखेमन बर पांच ठन रोटी के बात, का तुमन सुरता नई करत हव, अऊ कतेक ठन टुकना भरके तुमन संकेले रहेव? 10या फेर ओ चार हजार मनखेमन बर सात ठन रोटी के बात, का तुमन ला सुरता नई ए, अऊ कतेक ठन टुकना भरके तुमन संकेले रहेव? 11तुमन ए काबर नई समझव कि मेंह तुमन ला रोटी के बारे म नई कहत रहेव? पर तुमन ला फरीसी अऊ सदूकी मन के खमीर ले सचेत रहे बर कहत रहेव।”

12तब ओमन समझनि कि यीसू ह ओमन ला रोटी के खमीर के बारे म नई गोठियावत रहिसि, पर ओह ओमन ला फरीसी अऊ सदूकी मन के सकिछा ले सचेत रहे बर कहत रहिसि।

पतरस ह यीसू ला मसीह मान लेथे

(मरकुस 8:27-30; लूका 9:18-21)

13जब यीसू ह कैसरिया-फलपिपी के सीमना म आईस, त ओह अपन चेलामन ले

पुछसि, “मनखेमन मनखे के बेटा ला कोन ए, कहथिं?”

14ओमन ह कहनि, “कुछू मनखेमन कहथिं कि ओह यूहन्ना बतसिमा देवइया अय; कुछू मन एलियाह अय, कहथिं; अऊ कुछू मनखेमन कहथिं कि ओह यरमियाह या अगमजानीमन ले एक झन अय।”

15यीसू ह ओमन ले पुछसि, “पर तुमन मोला कोन ए, कहत हव?”

16समिोन पतरस जबाब दीस, “तेंह जीयत परमेसर के बेटा—मसीह अस।”

17यीसू ह ओला कहसि, “समिोन, योना के बेटा! धइन अस तेंह, काबरकि ए बात तोला कोनो मनखे ह नई बताय हवय, पर मोर ददा जऊन ह स्वरग म हवय, ए बात तोर ऊपर उजागर करे हवय। 18अऊ मेंह तोला कहत हंव कि तेंह पतरस अस, अऊ ए चट्टान ऊपर मेंह अपन कलीसिया बनाहूँ, अऊ पाताल-लोक के सकृत्मिन एकर ऊपर जय नई पा सकंय। 19मेंह तोला स्वरग राज के चाबीमन ला दूहूँ। जऊन कुछू तेंह धरती ऊपर बांधबे, ओह स्वरग म बांधाही, अऊ जऊन कुछू तेंह धरती ऊपर खोलबे, ओह स्वरग म खुलही। 16:19 मत्ती 18:15-20; 1कुरिन्थ 5:1-5; पेरिस्तिमन 15:22-29।” 20तब यीसू ह अपन चेलांमन ला ए चेतउनी दीस, “तुमन कोनो ला, ए झन बतावव कि मेंह मसीह अंव।”

यीसू ह अपन मरितु के बारे म अगमबानी करथे

(मरकुस 8:31-33; लूका 9:22)

21ओ समय ले यीसू ह अपन चेलांमन ला ए बताय लगसि, “एह जरूरी अय कि मेंह यरूसलेम जावंव अऊ यहूदीमन के अगुवा, मुखिया पुरोहित अऊ कानून के गुरू मन के हाथ म ले बहुते दुःख भोगंव; अऊ मार डारे जावंव; अऊ तीसरा दिन जी उठंव।”

22पतरस ह यीसू ला अलग ले गीस अऊ ओला ए कहकि डांटे लगसि, “परमेसर ह अइसने झन करय, परभू! तोर संग ए बात कभू झन होवय।”

23यीसू ह पतरस कोर्ता मुड़ के कहसि, “मोर नजर ले दूर हट, सैतान! तेंह मोर रसता म एक बाधा अस। तोर मन म परमेसर के बात नई, पर मनखेमन के बात हवय।”

24तब यीसू ह अपन चेलांमन ला कहसि, “यर्दा कोनो मोर चेला बने चाहत हवय, त ओह अपन-आप के इनकार करय, अऊ अपन कुरस ला उठाके, मोर पाछू हो लेवय। 25काबरकि जऊन ह अपन परान ला बचाय चाहथे, ओह ओला गंवाही; पर जऊन ह मोर खातरि अपन परान ला गंवाथे, ओह ओला बचाही। 26यर्दा मनखे ह जम्मो संसार ला पा जाथे, पर अपन परान ला गंवा देखे, त ओला का फायदा? या मनखे ह अपन परान के बदले म का दे सकथे? 27काबरकि मनखे के बेटा ह अपन स्वरगदूतमन के संग अपन ददा के महिमा म अवइया हवय, अऊ तब ओह हर एक मनखे ला ओकर काम के मुताबकि इनाम दही। 28मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जऊन मन इहां ठाढ़े हवय, ओमन म कुछू झन अइसने हवय कि ओमन तब तक नई मरय, जब तक कि ओमन मनखे के बेटा ला ओकर राज म आवत नई देख लहीं।”

यीसू के रूपान्तरन

(मरकुस 9:2-13; लूका 9:28-36)

17 छै दिन के बाद यीसू ह पतरस, याकूब अऊ याकूब के भाई यूहन्ना ला अपन संग लीस अऊ ओमन ला अकेला एक ऊंचहा पहाड़ म ले गीस। 2उहां ओमन के आघू म यीसू के रूप ह बदल गीस। ओकर चेहरा ह सूरज सहीं चमकत रहय अऊ ओकर कपड़ा ह अंजोर सहीं पंडरा हो गीस। 3तब उहां चेलांमन के आघू म मूसा अऊ एलियाह परगट होईन अऊ ओमन यीसू के संग गोठियावत रहनि।

4पतरस ह यीसू ला कहसि, “हे परभू, एह बने बात अय कि हमन इहां हवन। यर्दा तोर ईछा हवय, त मेंह इहां तीन ठन तम्बू बनावत हंव—एक ठन तोर बर, एक मूसा बर अऊ एक एलियाह बर।”

5जब ओह गोठियावत रहिसि, त एक

चमकला बादर ह ओमन के ऊपर छा गीस, अऊ ओ बादर ले ए अवाज आईस, “एह मोर मयारू बेटा अय। मेंह एकर ले बहुंत खुस हवंव। एकर बात ला सुनव।”

6 एला सुनके चेलामन मुहूँ के भार भुइयां म गरिनि अऊ ओमन बहुंत डर्रा गीन। 7 पर यीसू ह आईस अऊ ओमन ला छुके कहसि, “उठव, झन डर्रावव।” 8 जब ओमन ऊपर देखनि, त ओमन ला यीसू के छोड़ अऊ कोनो नई दखिसि।

9 जब ओमन पहाड़ ले उतरत रहनि, त यीसू ह ओमन ला हुकूम दीस, “जब तक मनखे के बेटा ह मरे म ले नई जी उठय, तब तक तुमन जऊन कुछू देखे हवव, ओ बात कोनो ला झन बतावव।”

10 तब चेलामन ओकर ले पुछनि, “त फेर कानून के गुरूमन काबर कहथिं कि पहिली एलियाह के अवई जरूरी अय।”

11 यीसू ह जबाब दीस, “एलियाह ह जरूर आवत हवय अऊ ओह जम्मो चीज ला ठीक करही। 12 पर मेंह तुमन ला कहथंव कि एलियाह ह आ चुके हवय अऊ मनखेमन ओला नई चनिहनि। पर ओमन जइसने चाहनि, वइसने ओकर संग मनमाना बरताव करनि।” 13 तब चेलामन समझनि कि यीसू ह ओमन ले यूहन्ना बतसिमा देवइया के बारे म कहत रहिसि।

यीसू ह मरिगी के रोगी एक छोकरा ला चंगा करथे

(मरकुस 9:14-29; लूका 9:37-43)

14 जब ओमन भीड़ करा आईन, त एक मनखे ह यीसू करा आईस अऊ ओकर आघू म माड़ी टेकके कहसि, 15 “हे परभू! मोर बेटा ऊपर दया कर। ओला मरिगी आथे अऊ ओकर कारन बहुंत दुःख झेलथे। ओह अक्सर आगी या पानी म गरि जाथे। 16 मेंह ओला तोर चेलामन करा लानेव, पर ओमन ओला ठीक नई कर सकनि।”

17 यीसू ह कहसि, “हे अबसिवासी अऊ ढीठ मनखेमन! मेंह कब तक तुम्हर संग रहहिं? कब तक मेंह तुम्हर सहत रहहिं?

लड़का ला इहां मोर करा लानव।” 18 यीसू ह परेत आतमा ला दबकारसि अऊ ओह ओम ले नकिर गीस, अऊ ओ छोकरा ह ओहीच बखत ठीक हो गीस।

19 तब चेलामन यीसू करा अकेला म आईन अऊ पुछनि, “हमन ओला काबर नई नकिर सकें?”

20 यीसू ह ओमन ला कहसि, “काबरका तुम्हर बहुंत कम बसिवास हवय। मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि यदि तुम्हर बसिवास ह सरसों के दाना के बरोबर घलो हवय, अऊ तुमन ए पहाड़ ले कहव, ‘इहां ले घुंच के उहां चले जा,’ त ओह घुंच जाही। तुम्हर बर कोनो घलो बात असंभव नई होही। 21 पर ए किसिम के परेत आतमा ह सरिपि पराथना अऊ उपास के दुवारा नकिरथे।”

22 जब चेलामन गलील प्रदेस म जुरनि, त यीसू ह ओमन ला कहसि, “मनखे के बेटा ह मनखेमन के हांथ म पकड़वाय जाही। 23 ओमन ओला मार डारही, पर तीसरा दिन ओह जी उठही।” एला सुनके चेलामन बहुंत उदास होईन।

मंदिर के लगान

24 जब यीसू अऊ ओकर चेलामन कफरनहूम म आईन, त मंदिर के लगान लेवइयामन पतरस करा आईन अऊ पुछनि, “का तुम्हर गुरू ह मंदिर के लगान नई पटावय?”

25 ओह कहसि, “हव, ओह पटाथे।” जब पतरस ह घर के भीतर आईस, त ओकर पुछे के पहिली यीसू ह कहसि, “हे समीन, तेंह का सोचथस? ए धरती के राजामन काकर ले लगान लेथें? अपन खुद के बेटामन ले या आने मन ले?”

26 पतरस ह कहसि, “आने मन ले।”

यीसू ह ओला कहसि, “तब तो बेटामन ला लगान पटाय बर नई पड़य। 27 पर हमन ओमन ला ठेस पहुंचाय नई चाहथन, एकरसेर्ता तेंह झील म जा अऊ अपन गरी ला खेल। जऊन मछरी पहिली फंसही, ओला पकड़बे अऊ ओकर मुहूँ ला खोलबे, त तोला

उहां एक ठन सकिका मलिही। ओला लेके मोर अऊ तुम्हर तरफ ले ओमन ला लगान पटा देबे।”

स्वरग के राज म सबले बड़े कोन ए

(मरकुस 9:33-37; लूका 9:46-48)

18 ओ समय चेलावन यीसू करा आईन अऊ पुछनि, “स्वरग के राज म सबले बड़े कोन ए?” **2**यीसू ह एक छोटे लइका ला बलाईस अऊ ओला ओमन के बीच म ठाढ़ करके कहसि, **3**“मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जब तक तुमन नई बदलव अऊ लइकामन सहीं नई बनव, तब तक तुमन स्वरग के राज म जाय नई सकव। **4**एकरसेति जऊन ह अपन-आप ला ए लइका के सहीं नम्र करथे, ओह स्वरग के राज म सबले बड़े अय। **5**अऊ जऊन ह मोर नांव म अइसने छोटे लइका ला गरहन करथे, ओह मोला गरहन करथे।

6पर जऊन ह मोर ऊपर बसिवास करइया ए छोटे मन ले कोनो ला पाप म गरिथे, त ओकर बर बने होतसि कि ओकर टोंटा म चकिया के एक बड़े पथरा ला बांधे जातसि अऊ ओला गहरि समुंदर म डुबो दिये जातसि। **7**संसार ला ओ चीजमन बर धक्कार अय, जऊन मन मनखेमन ला पाप म गरिथें। अइसने चीजमन के अवई जरूरी अय। पर धक्कार अय ओ मनखे ला, जेकर दुवारा ए चीजमन आथें। **8**यदि तुम्हर हांथ या तुम्हर गोड़ ह तुम्हर पाप म गरि के कारन बनथे, त ओला काटके फटकि दव। तुम्हर बर एह बने अय कि तुमन लूलवा या खोरवा होके, जनिगी म परवेस करव, एकर बनसिपत कि दूनों हांथ या दूनों गोड़ के रहत, तुमन ला सदाकाल के आगी म डार दिये जावय। **9**अऊ यदि तुम्हर आंखी ह तुम्हर पाप म गरि के कारन बनथे, त ओला नकारके फटकि दव। तुम्हर बर एह बने अय कि तुमन एक आंखी के कनवां होके जनिगी म परवेस करव, एकर बनसिपत कि दूनों आंखी के रहत तुमन ला नरक के आगी म डार दिये जावय।”

गंवाय भेड़ के पटंतर

(लूका 15:3-7)

10“देखव! तुमन ए छोटे मन ले कोनो ला घलो तुछ झन समझव। काबरकि मेंह तुमन ला कहत हंव कि एमन के दूतमन स्वरग म मोर ददा के आघू म हमेसा रहथिं। **11**(काबरकि मनखे के बेटा ह गंवायमन ला बंचाय बर आईस)।

12तुमन का सोचथव? यदि कोनो मनखे करा सौ ठन भेड़ हवय, अऊ ओम के एक ठन भेड़ ह भटक जाथे, त का ओह ननान्बे भेड़मन ला पहाड़ी ऊपर छोड़के ओ एक ठन भटके भेड़ ला खोजे बर नई जावय? **13**अऊ यदि ओ भेड़ ह ओला मलि जावय, त मेंह तुमन ला सच कहत हंव; ओह ओ भेड़ खातरि जादा आनंद मनाही, एकर बनसिपत कि ओ ननान्बे भेड़ जऊन मन भटके नई रहनि। **14**अइसनेच स्वरग म तुम्हर ददा ह नई चाहत हवय कि ए छोटे मन ले एको झन घलो नास होवय।”

अपराधी भाई के संग बरताव

15“यदि तोर भाई ह तोर बरिंध म पाप करथे, त जा अऊ ओकर गलती ला बता, अऊ ए बात ह सरिपि तुमन दूनों के बीच म होवय। यदि ओह तोर बात ला मान लेथे, त तेंह अपन भाई ला वापसि पा लेय। **16**यदि ओह तोर बात ला नई मानय, त अपन संग म एक या दू झन मनखे ला ले, ताकि दू या तीन झन के गवाही ले हर एक बात साबति हो जावय। **17**यदि ओह ओमन के बात ला घलो नई सुनय, त ए बात कलीसिया ला बता दे, अऊ यदि ओह कलीसिया के बात ला घलो नई सुनय, त तेंह ओला एक आनजात या एक लगान लेवइया के सहीं समझ।

18मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जऊन कुछ तुमन धरती ऊपर बांधहू, ओह स्वरग म बंधाही, अऊ जऊन कुछ तुमन धरती ऊपर खोलहू, ओह स्वरग म खोले जाही।

1918:19 मत्ती 16:19मेंह तुम्हर ले फेर कहत हंव, यदि तुमन म ले दू झन मनखे एक मन होके धरती ऊपर कोनो बात बर

पराथना करहू, त मोर ददा जऊन ह स्वर्ग म हवय, ओ काम ला तुम्हर बर कर दीही। 20काबरकी जहिं दू या तीन मनखे मोर नांव म जुरथें, उहां मेंह ओमन के बीच म रहथिंव।”

नरिदयी सेवक के पटंतर

21तब पतरस ह यीसू करा आईस अऊ पुछसि, “हे परभू, यदि मोर भाई ह मोर बरिंध म पाप करथे, त मेंह कतेक बार ओला छेमा करंव? का सात बार?” 22यीसू ह ओला कहसि, “मेंह तोला नई कहत हंव की सात बार, पर सात बार के सत्तर गुना तक।

23एकरसेती, स्वर्ग के राज ह ओ राजा के सही अय, जऊन ह अपन सेवकमन ले हसिब लेय बर चाहसि। 24जब ओह हसिब लेवन लगसि, त ओकर आघू म एक झन मनखे ला लाने गीस, जऊन ह ओकर लाखों करोड़ों रूपिया के कर्जा लगे रहिसि। 25काबरकी ओह कर्जा चुकाय नई सकत रहिसि, एकरसेती मालकि ह हुकूम दीस की ओला अऊ ओकर घरवाली ला अऊ ओकर लइकामन ला अऊ जऊन कुछू ओकर करा हवय, ओ जम्मो ला बेंच दयि जावय अऊ कर्जा के चुकता करे जावय।

26एला सुनके ओ सेवक ह मालकि के आघू म अपन माड़ी के भार गरिसि अऊ बनिती करसि, ‘हे परभू, मोर ऊपर धीरज धर। मेंह तोर जम्मो कर्जा ला चुकता कर दूहूँ।’ 27तब ओ सेवक के मालकि ला ओकर ऊपर तरस आईस। ओह ओकर कर्जा ला माफ कर दीस अऊ ओला छोंड़ दीस।

28पर जब ओ सेवक ह बाहरि नकिरसि, त ओला ओकर एक संगी सेवक मलिसि, जेकर ऊपर ओकर कुछू सौ रूपिया के कर्जा रहिसि। ओह ओला पकड़सि अऊ ओकर टोंटा ला दबाके कहसि, ‘तोर ऊपर मोर जऊन कर्जा हवय, ओला चुकता कर।’

29ओकर संगी सेवक ह अपन माड़ी के भार गरिके ओकर ले बनिती करसि, ‘मोला कुछू समय दे। मेंह तोर कर्जा ला चुकता कर दूहूँ।’

30पर ओह नई मानसि अऊ जाके ओ मनखे ला तब तक जेल म डलवा दीस, जब तक की ओह कर्जा के चुकता नई कर दीस। 31जब आने सेवकमन ए जम्मो ला देखनि, त ओमन अब्बड़ उदास होईन, अऊ अपन मालकि करा जाके, ओमन जम्मो बात ला बता दीन।

32तब ओकर मालकि ह ओ सेवक ला बलाईस अऊ कहसि, ‘हे दुसट सेवक! मेंह तोर जम्मो कर्जा ला माफ करंव, काबरकी तेंह मोर ले बनिती करय। 33जइसने मेंह तोर ऊपर दया करे रहेंव, वइसने का तोला अपन संगी सेवक ऊपर दया नई करना चाही?’ 34गुस्सा होके ओकर मालकि ह ओला सजा देवइयामन के हांथ म सऊंप दीस की ओह तब तक ओमन के हांथ म रहय, जब तक की ओह जम्मो कर्जा ला नई पटा देवय।

35यदी तुमन अपन भाई ला अपन हरिदय ले छेमा नई करहूँ, त स्वर्ग के मोर ददा ह घलो तुमन म के हर एक के संग अइसनेच करही।”

तलाक

(मरकुस 10:1-12)

19 ए बातमन ला कहे के बाद, यीसू ह गलील प्रदेश ले चल दीस, अऊ यरदन नदी के ओ पार यहूदिया प्रदेश के सीमना म आईस। 2मनखेमन के एक बड़े भीड़ ह ओकर पाछू हो लीस, अऊ यीसू ह उहां बेमरहामन ला चंगा करसि।

3कुछू फरीसीमन यीसू ला परखे बर ओकर करा आईन अऊ ओमन यीसू ले पुछनि, “का कोनो भी कारन ले अपन घरवाली ला तयाग देवई कानून के मुताबिक सही अय?”

4यीसू ह जबाब दीस, “का तुमन परमेसर के बचन म नई पढ़े हवव की संसार के रचइया ह ओमन ला सुरूआत ले नर अऊ नारी करके बनाईस, 5अऊ कहसि, ‘एकरे कारन मनखे ह अपन दाई-ददा ला छोंड़के अपन घरवाली के संग रहिही, अऊ ओ दूनों एक तन होहीं।’ 6ओमन ह अब दू नई पर एक तन अय। एकरसेती जऊन ला परमेसर ह

एक संग जोड़े हवय, ओला मनखे ह अलग झन करय।”

7ओमन यीसू ला कहनि, “त फेर मूसा ह ए हुकूम काबर देय हवय कि मनखे ह अपन घरवाली ला तयाग पतर देके ओला छोड़ दे।”

8यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “तुम्हर हरिदय के कठोरता के कारन, मूसा ह तुमन ला अपन घरवाली ला तयाग के अनुमती दीस। पर सुरू ले अइसने नई रहिसि। 9मेंह तुमन ला कहत हंव कि जऊन मनखे ह बेभचार के छोड़ कोनो आने कारन ले अपन घरवाली ला तयाग देथे, अऊ आने माईलोगन ले बहिाव कर लेथे, त ओह बेभचार करथे।”

10चेलामन यीसू ला कहनि, “यदि मनखे के संबंध ह अपन घरवाली के संग अइसने अय, तब बहिाव नई करई ठीक अय।”

11यीसू ह ओमन ला कहसि, “जम्मो मनखे ए सकिछा ला माने नई सकय, पर सरिपि ओहीच मन मान सकथें, जऊन मन ला ए बरदान दयि गे हवय। 12काबरका कुछू हजिड़ामन हवय, जऊन मन अपन दाई के पेट ले अइसने जनमे हवय। कुछू झन ला मनखेमन हजिड़ा बना देय हवय, पर कुछू मनखेमन स्वर्ग राज के खातिर बहिाव नई करे हवय। जऊन ह ए बात ला मान सकथे, ओला मानना चाही।”

यीसू अऊ छोटे लइकामन

(मरकुस 10:13-16; लूका 18:15-17)

13तब मनखेमन लइकामन ला यीसू करा लाननि ताका यीसू ह ओमन ऊपर अपन हांथ रखय अऊ ओमन बर पराथना करय। पर चेलामन मनखेमन ला डांटनि।

14यीसू ह कहसि, “लइकामन ला मोर करा आवन दव, अऊ ओमन ला झन रोकव काबरका स्वर्ग के राज ह अइसने मनखेमन बर अय।” 15अऊ ओह लइकामन ऊपर अपन हांथ रखसि अऊ उहां ले चल दीस।

एक धनी जवान

(मरकुस 10:17-31; लूका 18:18-30)

16एक मनखे ह यीसू करा आईस अऊ पुछसि, “हे गुरू, मेंह का भलाई के काम करंव कि मोला परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी मलिय?”

17यीसू ह ओला कहसि, “तेंह मोर ले भलाई के बारे म काबर पुछथस? सरिपि एके झन ह बने अय। यदि तेंह जनिगी म जाय चाहथस, त हुकूमन ला माने करा।”

18ओ मनखे ह पुछसि, “कोन हुकूमन ला?” यीसू ह कहसि, “हतया झन कर, बेभचार झन कर, चोरी झन कर, लबारी गवाही झन दे, 19अपन दाई अऊ ददा के आदर कर, अऊ अपन पड़ोसी ला अपन सहीं मया करा।”

20ओ जवान ह यीसू ला कहसि, “ए जम्मो बात ला मेंह मानत आवत हंव। मोर म अऊ कोन बात के कमी हवय?”

21यीसू ह ओला कहसि, “यदि तेंह सद्धि बने चाहत हस, त जा; अपन जायदाद ला बेच अऊ गरीबमन म बांट दे, अऊ तोला स्वर्ग म धन मलही। तब आ अऊ मोर पाछू हो ले।”

22जब ए बात ला ओ जवान ह सुनसि, त ओह उदास होके उहां ले चल दीस, काबरका ओह अब्बड़ धनवान रहिसि।

23तब यीसू ह अपन चेलामन ला कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव—धनवान मनखे के स्वर्ग राज म जाना कठनि अय। 24मेंह तुमन ला फेर कहत हंव कि परमेसर के राज म धनवान मनखे के जाय के बनसिपत सुई के छेदा म ले ऊंट के नकिर जवई सरल अय।”

25ए बात ला सुनके चेलामन अब्बड़ चकति होईन अऊ कहनि, “तब काकर उद्धार हो सकथे?”

26यीसू ह ओमन कोर्ता देखसि अऊ कहसि, “ए बात ह मनखे के दुवारा संभव नो हय, पर परमेसर के दुवारा जम्मो बात ह संभव अय।”

27तब पतरस ह यीसू ला कहसि, “देख,

हमन तो जम्मो कुछू ला छोड़के तोर पाछू हो ले हवन। त हमन ला का मलिही?”

28यीसू ह ओमन ला कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव की नवां संसार म, जब मनखे के बेटा ह महिमा के अपन सधासन म बईठही, त तुमन जऊन मन मोर पाछू चलत हव, बारह सधासन म बईठहू अऊ इसरायल के बारह गोत्र के नयाय करहू। 29अऊ जऊन कोनो मोर खातरि अपन घर-दुवार या भाई या बहनी या ददा या दाई या लइका या खेतखार ला छोड़ देय हवय, ओह सौ गुना पाही अऊ ओह सदाकाल के जनिगी के अधिकारी होही। 30पर कतको इन जऊन मन पहिली हवय, ओमन आखरी म हो जाहीं, अऊ कतको मनखे जऊन मन आखरी म हवय, ओमन पहिली हो जाहीं।”

अंगूर के बारी म बनहारमन के पटंतर

20 स्वरग के राज ह ओ घर के मालिक सहीं अय, जऊन ह बहिनियां घर ले नकिरसि ताका अपन अंगूर के बारी म बनहारमन ला काम म लगावय। 2ओह बनहारमन ला रोजी एक दीनार देय बर तय करसि अऊ ओमन ला अपन अंगूर के बारी म पठाईसम।

3करीब नौ बजे ओह बाहरि नकिरसि अऊ कुछू अऊ बनहारमन ला बजार के ठऊर म ठलहा खड़े देखसि, 4त ओह ओमन ला कहसि, “तुमन घलो जावव अऊ मोर अंगूर के बारी म काम करव अऊ जऊन कुछू सही मजदूरी होही, मेंह तुमन ला दूहू।” 5ओमन ह घलो गीन।

करीब बारह बजे अऊ तीन बजे दूसरइया घलो ओह फेर बाहरि नकिरसि अऊ अइसनेच करसि। 6ओह संज्ञा करीब पांच बजे फेर बाहरि नकिरसि अऊ उहां कुछू अऊ बनहारमन ला ठाढ़े देखसि, त ओह ओमन ला कहसि, “तुमन काबर इहां दनि भर ले ठलहा ठाढ़े हवव?”

7ओमन जबाब दीन, “काबरकी कोनो हमन ला मजदूरी करे बर नई ले गीस।” ओह

ओमन ला कहसि, “तुमन घलो जावव अऊ मोर अंगूर के बारी म काम करव।”

8जब सांझ होईस, त अंगूर के बारी के मालिक ह अपन संपत्ती के देख-रेख करइया ला कहसि, “बनहारमन ला बला अऊ आखरी म अवइया बनहारमन ले सुरू करके पहिली अवइया बनहारमन तक जम्मो ला ओमन के बनी देय दे।” 9जऊन बनहारमन संज्ञा करीब पांच बजे काम म लगाय गे रहनि, ओमन आईन अऊ ओम के हर एक ला एक-एक दीनार मलिसि। 10जऊन बनहारमन पहिली काम म लगाय गे रहनि, जब ओमन आईन, त सोचनि की ओमन ला जादा मलिही। पर ओमन ला घलो एक-एक दीनार मलिसि। 11जब ओमन ला बनी मलिसि, त ओमन मालिक ऊपर कुड़कुड़ाय लगनि 12अऊ कहनि, “ए मनखेमन ला आखरी म काम म लगाय गे रहिसि अऊ एमन सरिपि एक घंटा काम करे हवय, तभो ले तेंह एमन ला हमर बरोबर बनी दे हवस। जबकी हमन दनि भर काम के भार उठाएन अऊ घाम सहे हवन।”

13पर ओह ओम के एक इन ला जबाब दीस, “संगी, मेंह तोर संग अनयाय नई करत हवव। का तेंह एक दीनार म काम करे बर राजी नई होय रहय? 14अपन बनी ला ले अऊ जा। ए मोर ईछा अय की आखरी के मनखे ला घलो ओतकीच देवव जतकी की तोला दे हवव। 15का मोला ए अधिकार नई अय की अपन पईसा ला मेंह जइसने चाहव वइसने करव? या फेर मोर उदार हरिदय के कारन तोला जलन होवत हवय?

16ए किसिम ले जऊन मन आखरी म हवय, ओमन पहिली हो जाहीं अऊ जऊन मन पहिली हवय, ओमन आखरी म हो जाहीं।”

यीसू ह फेर अपन मरितू के अगमबानी करथे

(मरकुस 10:32-34; लूका 18:31-34)

17यरूसलेम सहर ला जावत बेरा यीसू ह बारह चेलामन ला अलग ले गीस अऊ ओमन ला कहसि, 18“देखव, हमन यरूसलेम सहर जावत हन। उहां मनखे के बेटा ह मुखिया

पुरोहित अऊ कानून के गुरू मन के हाथ म सऊपे जाही, अऊ ओमन ओला मरितू दंड के दोसी ठहराहीं, 19अऊ आनजातमन के हाथ म सऊपे दिहीं, जऊन मन ओकर मजाक उड़ाहीं, ओला कोर्रा म मारहीं अऊ कुरूस ऊपर चघाहीं। पर तीसरा दिन ओह जी उठही।”

एक दाई के बनिती

(मरकुस 10:35-45)

20तब जबदी के बेटामन के दाई ह अपन बेटामन के संग यीसू करा आईस अऊ ओकर आघू म माड़ी टेकके कुछू मांगे लगसि।

21यीसू ह ओला कहसि, “तेंह का चाहथस?” ओह कहसि, “तेंह हुकूम दे की तोर राज म मोर ए दूनों बेटामन—एक इन तोर जेवनी कोर्ता अऊ दूसर ह तोर डेरी कोर्ता बईठे।”

22यीसू ह ओमन ला कहसि, “तुमन नइ जानत हव की तुमन का मांगत हवव। जऊन कटोरा म ले मेंह पीवइया हवव, का तुमन ओला पी सकथव?” ओमन कहनि, “हमन पी सकथन।”

23यीसू ह ओमन ला कहसि, “तुमन ह मोर कटोरा ले पी सकथव, पर कोनो ला मोर जेवनी या डेरी कोर्ता बईठे के अनुमती देवई, मोर अधिकार म नइ अय। ए जगह ओमन बर अय, जेमन बर मोर ददा ह एला तयार करे हवय।”

24जब आने दस चेलामन ए बात ला सुनि, त ओमन ओ दूनों भाई ऊपर गुस्सा करनि। 25यीसू ह ओमन ला एक संग अपन करा बलाईस अऊ कहसि, “तुमन जानथव की आनजातमन के सासकमन ओमन ऊपर परभूता रखथंय अऊ ओमन के बड़े अधिकारीमन ओमन ऊपर अधिकार जताथंय। 26तुमन के संग अइसने नइ होवय। पर जऊन ह तुमन म बड़े होय चाहथे, ओह तुम्हर सेवक बनय, 27अऊ जऊन ह तुमन म पहिली होय चाहथे, ओह तुम्हर गुलाम बनय। 28मनखे के बेटा ह अपन सेवा करवाय बर नइ आईस, पर एकर खातरि आईस की ओह

आने मन के सेवा करय अऊ बहुंत इन के छुड़ौती बर अपन परान ला देवय।”

दू इन अंधरामन आंखी पाथें

(मरकुस 10:46-52; लूका 18:35-43)

29जब यीसू अऊ ओकर चेलामन यरीहो सहर ले नकिरत रहनि, त एक बड़े भीड़ यीसू के पाछू हो लीस। 30सड़क के तीर म दू इन अंधरा मनखे बईठे रहनि, अऊ जब ओमन सुनि की यीसू ह ओ सड़क म जावत हवय, त ओमन चंचियाके कहनि, “हे परभू, दाऊद के संतान, हमर ऊपर दया कर।”

31भीड़ के मनखेमन ओमन ला दबकारनि अऊ ओमन ला चुपेचाप रहे बर कहनि, पर ओमन अऊ चंचियाके कहनि, “हे परभू, दाऊद के संतान, हमर ऊपर दया कर।”

32तब यीसू ह रूक गीस अऊ ओह ओमन ला बलाके पुछसि, “तुमन का चाहथव की मेंह तुम्हर बर करंव?”

33ओमन कहनि, “हे परभू, हमन चाहथन की हमर आंखीमन देखे लगंय।”

34ओमन ऊपर तरस खाके यीसू ह ओमन के आंखीमन ला छुईस। तुरते ओमन देखन लगनि अऊ ओमन यीसू के पाछू हो लीन।

बजिय उल्लास के संग यीसू के यरूसलेम म प्रवेस

(मरकुस 11:1-11; लूका 19:28-40; यूहन्ना 12:12-19)

21 जब ओमन यरूसलेम सहर के लकठा म हबरनि अऊ जैतून पहाड़ ऊपर बैतफगे गांव करा आईन, त यीसू ह दू इन चेलामन ला ए कहके पठोईस, 2“आघू के गांव म जावव। जइसने ही तुमन उहां हबरहू, तुमन ला एक गदही खूटा म बंधाय मलिही अऊ ओकर संग म ओकर बछरू घलो होही। ओमन ला ढलि के मोर करा ले आवव। 3अऊ यदि कोनो तुमन ला कुछू कहथि, त ओला कहव की परभू ला एमन के जरूरत हवय। तब ओह तुरते ओमन ला पठो दिहीं।”

4एह एकरसेर्ता होईस ताकी अगमजानी के दुवारा कहे गय ए बात ह पूरा होवय:

521:5 जकरयाह 9:9“सयोन के बेटी ले कहव, देख, तोर राजा ह तोर करा आवत हवय। ओह नम्र अय अऊ गदही ऊपर बईठे हवय, ओह गदही के बछरू ऊपर बईठे हवय।”

6तब दूनों चेलावन गीन, अऊ जइसने यीसू ह ओमन ला करे बर कहे रहिसि, वइसनेच करनि। 7ओमन गदही अऊ ओकर बछरू ला लाननि अऊ ओमन के ऊपर अपन कपड़ा ला दसा दीन; तब यीसू ह ओमन ऊपर बईठ गीस। 8भीड़ के बहुत मनखेवन अपन-अपन कपड़ा ला सड़क म दसा दीन अऊ दूसर मनखेवन रूख के डारामन ला काटके सड़क ऊपर बगरा दीन। 921:9 भजन संहिता 118:25-26भीड़ के मनखेवन यीसू के आघू-आघू अऊ पाछू-पाछू घलो चलत रहंय अऊ ओमन चचिया-चचियाके कहत रहंय, “दाऊद के संतान के होसाना! धइन ए ओ, जऊन ह परभू के नांव म आथे! ऊंच स्वरग म होसाना!” 10जब यीसू ह यरूसलेम म आईस, त जम्मो सहर म हलचल मच गीस अऊ मनखेवन पुछन लगनि, “एह कोन ए?”

11भीड़ के मनखेवन कहनि, “एह अगमजानी यीसू ए, अऊ गलील प्रदेश के नासरत के रहइया ए।”

मंदिर म यीसू

(मरकुस 11:15-19; लूका 19:45-48; यूहन्ना 2:13-22)

12यीसू ह मंदिर म गीस, अऊ ओ जम्मो मनखेवन ला नकार दीस, जऊन मन मंदिर म लेन-देन करत रहिनि। ओह साहूकारवन के मेज अऊ परेवा बेचइयामन के बेचवन ला खपल दीस। 13अऊ ओह ओमन ला कहसि, “परमेसर के बचन म ए लिखे हवय कि मोर घर ह पराथना के घर कहे जाही, पर तुमन एला डाकूवन के अड्डा बनावत हवव।”

14अंधरा अऊ खोरवामन यीसू करा मंदिर म आईन अऊ ओह ओमन ला चंगा करसि। 15पर जब मुखिया पुरोहित अऊ मूसा के कानून के गुरू मन ओकर अद्भूत काम ला देखनि अऊ लइकामन ला मंदिर के इलाका

म चचियाके ए कहत सुनिन—“दाऊद के संतान के होसाना” त ओमन नाराज होईन।

1621:16 भजन संहिता 8:2ओमन यीसू ला कहनि, “का तेंह सुनत हवस कि ए लइकामन का कहत हवय?” यीसू ह कहसि, “हव, का तुमन परमेसर के बचन म ए कभू नई पढ़ेव—‘लइका अऊ छोटे लइकामन के मुहू ले तेंह इसतुत करिवाय।’”

17तब यीसू ह ओमन ला छोड़के सहर के बाहिर बैतनयाह गांव म गीस अऊ उहां रात बताईस।

अंजीर के रूख ह सूख जाथे

(मरकुस 11:12-14, 20-24)

18बहिनियां, जब यीसू ह सहर ला वापसि जावत रहिसि, त ओला भूख लगसि। 19सड़क के तीर म एक ठन अंजीर के रूख ला देखके, ओह उहां गीस, पर ओला पान के छोड़ ओम अऊ कुछू नई मलिसि। तब यीसू ह ओ रूख ला कहसि, “अब ले तोर म फेर कभू फर झन लगय।” अऊ तुरते ओ अंजीर के रूख ह सूख गीस।

20जब चेलावन एला देखनि, त ओमन अचम्भो करनि अऊ कहनि, “अंजीर के रूख ह तुरते कइसने सूख गीस?”

21यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव, यदितुमन बसिवास करव अऊ संका झन करव, त तुमन न सरिपि ए करहु, जऊन ह में ए अंजीर के रूख के संग करे हवंव, पर यदितुमन ए पहाड़ ले कहहि, ‘जा अऊ समुंदर म गरि जा।’ अऊ एह हो जाही। 22यदी तुमन बसिवास करथव, त जऊन कुछू तुमन पराथना म मांगव, ओह तुमन ला मल जाही।”

यीसू के अधिकार ऊपर सवाल

(मरकुस 11:27-33; लूका 20:1-8)

23यीसू ह मंदिर म गीस, अऊ जब ओह उपदेस देवत रहिसि, त मुखिया पुरोहित अऊ मनखेवन के अगुवामन ओकर करा आईन अऊ पुछनि, “तेंह कोन अधिकार ले ए कामवन ला करत हवस? अऊ तोला कोन ह ए अधिकार दे हवय?”

24यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “मेंह घलो तुमन ला एक सवाल पुछत हंव, यदी तुमन मोला जबाब दूहू, त मेंह घलो तुमन ला बताहूं की कोन अधिकार ले मेंह ए काममन ला करत हवंव। 25यूहन्ना के बतसिमा ह कहाँ ले रहिसि? स्वर्ग ले रहिसि या फेर मनखेमन के तरफ ले?”

ओमन आपस म बचिार करनि अऊ कहनि, “यदी हमन कहन—‘स्वर्ग ले’ त ओह हमन ला कहिही, ‘तब तुमन यूहन्ना ऊपर बसिवास काबर नई करेव?’ 26पर यदी हमन कहन—‘मनखेमन के तरफ ले,’ त हमन ला मनखेमन के डर हवय, काबरकी ओ जम्मो झन बसिवास करथें कियूहन्ना ह एक अगमजानी रहिसि।”

27एकरसेती ओमन यीसू ला जबाब दीन, “हमन नई जानन।”

तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “त मेंह घलो नई बतावंव की कोन अधिकार ले मेंह ए काममन ला करत हवंव।”

दू बेटामन के पटंतर

28“तुमन का सोचथव? एक मनखे रहिसि, जेकर दू झन बेटा रहनि। ओह पहिला करा गीस अऊ कहसि, ‘बेटा, जा अऊ आज अंगूर के बारी म काम कर।’

29ओह जबाब दीस, ‘मेंह नई जावंव।’ पर बाद म ओह पछताईस अऊ गीस।

30तब ददा ह दूसर बेटा करा गीस अऊ ओहीच बात कहसि। ओह जबाब दीस, ‘हव ददा, मेंह जावत हंव।’ पर ओह नई गीस।

31ए दूनों बेटा म ले कोन ह अपन ददा के ईछा ला पूरा करसि?”

ओमन कहनि, “पहिला ह।”

यीसू ह ओमन ला कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहत हंव की लगान लेवइया अऊ बेस्यामन तुम्हर ले आघू परमेसर के राज म जावत हवय। 32काबरकी यूहन्ना ह तुमन ला धरमीपन के रसता देखाय बर आईस, अऊ तुमन ओकर ऊपर बसिवास नई करेव, पर लगान लेवइया अऊ बेस्यामन ओकर ऊपर बसिवास करनि। एला देखे के बाद

घलो, तुमन पछताप नई करेव अऊ न ही ओकर ऊपर बसिवास करेव।”

दुस्ट कसिानमन के पटंतर

(मरकुस 12:1-12; लूका 20:9-19)

33एक अऊ पटंतर सुनव: “एक जमींदार रहिसि, अऊ ओह एक अंगूर के बारी लगाईस। ओह बारी के चारों खूट ला बाड़ा म घेरसि। ओह ओम एक ठन रस के कुन्ड खनवाईस अऊ एक ठन मचान बनाईस। तब ओह ओ अंगूर के बारी ला कुछू कसिानमन ला रेगहा म देके आने देस चल दीस। 34जब फर के समय ह आईस, त ओह अपन सेवकमन ला कसिानमन करा पठोईस ताकी ओमन ओकर बांटा के फर ला लानय।

35पर कसिानमन ओकर सेवकमन ला पकड़ लीन, अऊ ओमन कोनो ला मारनि-पीटनि, कोनो ला जान सहति मार डारनि अऊ काकरो ऊपर पथरा फेंकनि। 36तब जमींदार ह आने सेवकमन ला पठोईस, जऊन मन संख्या म पहिली ले जादा रहनि; पर कसिानमन ओमन के संग घलो वइसनेच करनि। 37आखीरी म, ओह ए सोचके अपन बेटा ला पठोईस की ओमन मोर बेटा के आदर करहीं।

38पर जब कसिानमन जमींदार के बेटा ला देखनि, त एक-दूसर ला कहनि, ‘एह तो अंगूर के बारी के वारीस अय। आवव, हमन एला मार डारन अऊ एकर पुरखउती संपत्ती ला ले लेवन।’ 39ओमन ओला पकड़नि अऊ अंगूर के बारी के बाहरि ले जाके ओला मार डारनि।

40एकरसेती जब अंगूर के बारी के मालकि ह आही, त ओह ओ कसिानमन के संग का करहीं?”

41ओमन ह यीसू ला कहनि, “ओह ओ दुस्तमन ला पूरा-पूरी नास कर दीही, अऊ अंगूर के बारी के रेगहा आने कसिानमन ला दे दीही, जऊन मन समय म ओकर बांटा के फसल ओला दीहीं।”

4221:42 भजन संहिता 118:22-23यीसू ह ओमन ला कहसि, “का तुमन परमेसर के

बचन म ए बात कभू नई पढ़ेव: ‘जऊन पथरा ला घर के बनइयामन बेकार समझे रहिनि, ओह कोना के मुख पथरा हो गीस; परभू ह ए काम ला करे हवय, अऊ हमर नजर म एह अचम्भो के बात अय।’

43एकरसेती मेंह तुमन ला कहत हंव कि परमेसर के राज ह तुम्हर ले लयि जाही, अऊ ओ मनखेमन ला दयि जाही, जऊन मन परमेसर बर फर पैदा करहीं। 44जऊन ह ए पथरा ऊपर गरिही, ओह चूर-चूर हो जाही, पर जेकर ऊपर ए पथरा ह गरिही, ओह पीसा जाही।”

45यीसू के पटंतर ला सुनके मुखिया पुरोहित अऊ फरीसी मन समझ गीन कि ओह ओमन के बारे म गोठियावत हवय। 46ओमन ओला पकड़े चाहत रहिनि, पर ओमन ला मनखेमन के डर रहय, काबरकि मनखेमन यीसू ला एक अगमजानी मानत रहिनि।

बहिाव भोज के पटंतर

(लूका 14:15-24)

22 यीसू ह फेर ओमन ले पटंतर म गोठियाय लगसि। ओह कहसि, 2“स्वरग के राज ह एक राजा के सहीं अय, जऊन ह अपन बेटा के बहिाव म एक जेवनार करसि। 3ओह अपन सेवकमन ला पठोईस कि ओमन नेवताहारीमन ला बहिाव-भोज बर बलाके लानय, पर नेवताहारीमन आय बर नई चाहनि।

4तब ओह कुछू अऊ सेवकमन ला ए कहकि पठोईस, ‘नेवताहारीमन ला कहव कि मेंह भोज तयार कर चुके हवंव। मोर बड़ला अऊ मोटहा-मोटहा पसु मन मारे गे हवंव, अऊ जम्मो चीज ह तयार हवय। बहिाव के भोज म आवव।’

5पर नेवताहारीमन राजा के नेवता ला धयान नई दीन अऊ एती-ओती चल दीन—कोनो अपन खेत ला, त कोनो अपन धन्धा म। 6बाकी बचे नेवताहारीमन राजा के सेवकमन ला पकड़नि अऊ ओमन के संग गलत बरताव करनि अऊ ओमन ला मार डारनि। 7राज ह बहुत गुस्सा करसि। ओह

अपन सेना ला पठोईस अऊ ओ हतयारामन ला नास कर दीस अऊ ओमन के सहर ला जरा दीस।

8तब राजा ह अपन सेवकमन ला कहसि, ‘बहिाव भोज तो तयार हवय, पर नेवताहारीमन एकर लइक नो हय। 9एकरसेती गली के चऊक म जावव अऊ तुमन ला जऊन मन घलो मलिथें, ओ जम्मो ला भोज के नेवता देवव।’ 10ओ सेवकमन गली म गीन अऊ ओमन ला बने या खराप जऊन ह घलो मलिसि, ओ जम्मो ला संकेल के ले आईन अऊ बहिाव के मड़वा ह पहुनामन ले भर गीस।

11पर जब राजा ह पहुनामन ला देखे बर भीतर आईस, त ओह उहां एक मनखे ला देखसि, जऊन ह बहिाव के पोसाक नई पहिर रहय। 12राजा ह ओकर ले पुछसि, ‘संगी, बहिाव के पोसाक पहिर बगिर तेंह इहां कइसने आ गे।’ ओ मनखे ह कुछू कहे नई सकसि।

13तब राजा ह सेवकमन ला कहसि, ‘एकर हांथ-गोड़ ला बांधव अऊ एला बाहरि अधियार म फटकि दव, जहां एह रोही अऊ अपन दांत पीसही।’

14काबरकि बलाय गय मनखे तो बहुत हवंव, पर चुने गय मनखेमन थोरकन हवंव।”

रोमी महाराज ला लगान देवई

(मरकुस 12:13-17; लूका 20:20-26)

15तब फरीसीमन बाहरि जाके योजना बनाईन कि ओमन कइसने यीसू ला ओकरेच गोठ म फंसावय। 16ओमन अपन चेलामन ला हेरोदीमन के संग यीसू करा ए पुछे बर पठोईन, “हे गुरू, हमन जानथन कि तेंह सच्चा अस अऊ तेंह सच्चई के संग परमेसर के रसता के सकिछा देथस। तेंह मनखेमन के बहकावा म नई आवस, काबरकि तेंह मनखे के मुह देखके नई गोठियावस। 17त हमन ला बता, तोर का बचिर हवय? रोमी महाराजा ला लगान देवई ठीक अय या नई?”

18ओमन के दुस्तता ला जानके यीसू ह कहसि, “हे ढोंगी मनखेमन हो! तुमन काबर

मोला फंसाय के कोससि करत हव? 19मोला ओ सक्का ला देखावव, जेकर उपयोग तुमन लगान पटाय बर करथव।” ओमन ओकर करा एक सक्का लाननि। 20यीसू ह ओमन ले पुछसि, “एह काकर फोटो अऊ काकर नांव अय?”

21ओमन कहनि, “रोमी महाराजा के।” तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “जऊन ह रोमी महाराजा के अय, ओला रोमी महाराजा ला देवव अऊ जऊन ह परमेसर के अय, ओला परमेसर ला देवव।”

22एला सुनके, ओमन अचम्भो म पड़ गीन अऊ यीसू ला छोड़के चल दीन।

पुनरजीवन अऊ सादी-बहिाव

(मरकुस 12:18-27; लूका 20:27-40)

23ओहीच दिन सद्कीमन यीसू करा आईन, जऊन मन ए कहथिय कि मरे के बाद मनखे ह फेर नई जी उठय। ओमन यीसू ले एक सवाल पुछनि, 24“हे गुरू, मूसा ह कहे हवय कयिदीकोनो मनखे ह बगिर संतान के मर जावय, त ओकर भाई ह ओ बधिवा ले बहिाव करय अऊ अपन भाई खातरि संतान पैदा करय०। 25हमर बीच म सात झन भाई रहनि। पहिला ह बहिाव करसि, पर ओह बगिर संतान के मर गीस अऊ अपन घरवाली ला अपन भाई बर छोड़ गीस। 26दूसरा अऊ तीसरा भाई ले लेके जम्मो सातों भाई के संग अइसनेच होईस। सातों के सातों भाई मर गीन। 27आखिरी म, ओ माईलोगन घलो मर गीस। 28तब मरे म ले जी उठे के बाद, ओह ओ सातों भाई म के काकर घरवाली होही? काबरकी ओ सातों झन ओकर ले बहिाव करे रहनि।”

29यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “तुमन गलत समझत हव, काबरकी तुमन परमेसर के बचन या परमेसर के सामरथ ला नई जानत हव। 30मरे म ले जी उठे के बाद, मनखेमन न तो बहिाव करहीं अऊ न ही ओमन ला बहिाव म दयि जाही। ओमन स्वरग म स्वरगदूतमन सहीं होहीं। 31मरे म ले जी उठे के बारे म परमेसर ह तुमन ला का कहे हवय—का तुमन

नई पढ़े हवव: 32‘मेंह अब्राहम के परमेसर, इसहाक के परमेसर अऊ याकूब के परमेसर अंव।’ ओह मरे मन के नई, पर जीयत मन के परमेसर अय।”

33एला सुनके, भीड़ के मनखेमन यीसू के उपदेस ले चकति होईन।

सबले बड़े हुकूम

(मरकुस 12:28-34; लूका 10:25-28)

34जब फरीसीमन सुननि कि यीसू ह सद्कीमन के मुहू बंद कर दे हवय, त ओमन ह जुरनि। 35ओम ले एक झन, जऊन ह एक वकील रहिसि, यीसू ला परखे बर ए सवाल करसि, 36“हे गुरू, मूसा के कानून के मुताबकि सबले बड़े हुकूम कते ह अय?”

3722:37 ब्यवस्थाबबिरन 6:5यीसू ह ओला कहसि, “‘तेंह अपन परभू परमेसर ला अपन जम्मो हरिदय, अपन जम्मो परान अऊ अपन पूरा मन सहति मया कर।’ 38एह पहिली अऊ सबले बड़े हुकूम अय। 3922:39 लैब्यवस्था 19:18अऊ दूसरा हुकूम ए किसिम ले अय, ‘तेंह अपन पड़ोसी ले अपन सहीं मया कर।’ 40ए दूनों हुकूम जम्मो कानून अऊ अगमजानीमन के सकिछा के सार अय।”

मसीह ह काकर बेटा अय?

(मरकुस 12:35-37; लूका 20:41-44)

41जब फरीसीमन उहां जुरे रहनि, त यीसू ह ओमन ले पुछसि, 42“मसीह के बारे म, तुमन का सोचथव? ओह काकर बेटा अय?”

ओमन कहनि, “दाऊद के बेटा।”

43यीसू ह ओमन ला कहसि, “त फेर दाऊद ह पबतिर आतमा म होके ओला ‘परभू’ काबर कहथि? दाऊद ह कहथि,

44‘परभू ह मोर परभू ले कहसि: मोर जेवनी हांथ अंग बईठ, जब तक कि मेंह तोर बईरीमन ला तोर गोड़ खाल्हे नई कर देवव।’

45जब दाऊद ह ओला ‘परभू’ कहथि, त फेर ओह दाऊद के बेटा कइसने हो सकथे?” 46कोनो ओला कुछ जबाब नई दे सकनि, अऊ ओ दिन ले, कोनो ओकर ले अऊ कुछ सवाल पुछे के हिम्मत नई करनि।

सात ठन दुःख

(मरकुस 12:38-39; लुका 11:43, 46; 20:45-

46)

23 तब यीसू ह भीड़ के मनखे अऊ अपन चेलावन ला कहसि, 2“मूसा के कानून के गुरू अऊ फरीसी मन मूसा के कानून ला सखिथें। 3एकरसेति, ओमन जऊन कुछू कहथिं ओला मानव अऊ करव। पर ओमन सही काम इन करव, काबरकी ओमन जइसने कहथिं वइसने नई करंय। 4ओमन कानून के भारी बोझा ला बनार्थे अऊ ओला मनखेवन के खांधा ऊपर लदक देथें, पर ओमन ह खुदे ओला टारे बर अपन अंगरी घलो उठाय नई चाहंय।

5ओमन अपन जम्मो काम मनखेवन ला देखाय बर करथें। ओमन देखाय बर चाकर-चाकर ताबीज बनाके अपन बाहां अऊ माथा म पहिरथें अऊ अपन कपड़ा म लम्बा झालर लगवार्थे।

6भोज मन म आदर के ठऊर अऊ सभा घरमन म खास जगह म बईठना ओमन ला बने लगथे। 7बजार म जोहार झोंकना अऊ मनखेवन के दुवारा गुरूजी कहवई ओमन ला बने लगथे।

8पर तुमन अपन ला गुरू इन कहावव, काबरकी तुम्हर सरिपि एक गुरू हवय, अऊ तुमन जम्मो इन भाई-भाई अव। 9धरती म कोनो ला अपन ददा इन कहव, काबरकी तुम्हर एके ददा हवय, जऊन ह स्वरग म हवय। 10तुमन अपन ला मालकि घलो इन कहावव, काबरकी तुम्हर एके मालकि हवय याने की ‘मसीह’। 11जऊन ह तुमन जम्मो म बड़े अय, ओह तुम्हर सेवक बनय। 12जऊन ह अपन-आप ला बड़े बनाही, ओला छोटे करे जाही, अऊ जऊन ह अपन-आप ला छोटे बनाही, ओला बड़े करे जाही।

13हे ढोंगी, कानून के गुरू अऊ फरीसी मन, तुम्हर ऊपर हाय! तुमन मनखेवन बर स्वरग राज के दुवारी ला बंद कर देथव। न तो तुमन खुदे ओम जावव अऊ न ही ओमन ला जावन देवव, जऊन मन ओम जाय के कोससि करथंय।

14हे ढोंगी, कानून के गुरू अऊ फरीसी मन, तुम्हर ऊपर हाय! तुमन बंधिवामन के घर ला लूटथव अऊ देखाय बर लम्बा-लम्बा पराथना करथव। एकरसेति, तुमन ला जादा कठोर सजा मलिही।

15हे ढोंगी, कानून के गुरू अऊ फरीसी मन, तुम्हर ऊपर हाय! तुमन एक इन ला अपन बसिवास म लाने बर समुंदर अऊ धरती ऊपर फरिथव, अऊ जब ओह तुम्हर बसिवास म आ जाथे, त तुमन ओला अपन ले दू गुना नरक के लइका बना देथव।

16हे अंधरा अगुवामन, तुम्हर ऊपर हाय! तुमन कहथिव, ‘यदी कोनो मंदिर के कसम खाथे, त ओकर कुछू मतलब नई होवय, पर यदी कोनो मंदिर के सोना के कसम खाथे, त ओह अपन कसम म बंध जाथे।’ 1723:17 नरिगमन 40:9-11 हे अंधरा मुख मनखेवन! कते ह बड़े अय—सोना या फेर मंदिर जऊन ह ओ सोना ला पबतिर बनाथे? 18तुमन ए घलो कहथिव, ‘यदी कोनो बेदी के कसम खाथे, त ओकर कुछू मतलब नई होवय, पर यदी कोनो बेदी म चघाय भेंट के कसम खाथे, त ओह अपन कसम म बंध जाथे।’ 19हे अंधरा मनखेवन! कते ह बड़े अय—भेंट या फेर बेदी जऊन ह ओ भेंट ला पबतिर बनाथे? 20एकरसेति जऊन ह बेदी के कसम खाथे, ओह ओकर अऊ ओकर ऊपर रखे जम्मो चीज के कसम खाथे। 21अऊ जऊन ह मंदिर के कसम खाथे, ओह ओकर अऊ ओम रहइया के घलो कसम खाथे। 22अऊ जऊन ह स्वरग के कसम खाथे, ओह परमेसर के संधिसन अऊ ओकर ऊपर बइठइया के घलो कसम खाथे।

2323:23 लैब्यवस्था 27:30; होसे 6:6; यर्मियाह 9:23 हे ढोंगी, कानून के गुरू अऊ फरीसी मन, तुम्हर ऊपर हाय! तुमन अपन मसाला जइसने की पोदीना, सौंफ अऊ जीरा के दसवां भाग ला देथव, पर तुमन मूसा के कानून के जादा महत्व के बात जइसने की नियाय, दया अऊ बसिवास के अनदेखी करथव। तुम्हर बर उचिति अय किए काममन ला करव अऊ ओ दूसर काम के अनदेखी

घलो झन करव। 2423:24 लैब्यवस्था 11:20-23, 40हे अंधरा अगुवामन! तुमन उड़इया छोटे कीरा ला तो छान लेथव, पर ऊंट ला लील लेथव।

25हे ढोंगी, कानून के गुरू अऊ फरीसी मन, तुम्हर ऊपर हाय! तुमन कटोरा अऊ थारी के बाहरि ला तो मांजथव, पर भीतर ले, ओमन ह लोभ अऊ लूट-खसोट ले छीने गय चीजमन ले भरे हवय। 26हे अंधरा फरीसीमन हो! पहली कटोरा अऊ थारी के भीतरी ला मांजव, तब ओमन के बाहरि भाग घलो साफ होही।

27हे ढोंगी, कानून के गुरू अऊ फरीसी मन, तुम्हर ऊपर हाय! तुमन चूना पोताय कबर के सही अव, जऊन ह बाहरि ले तो सुघर दखिथे, पर भीतर ह मुरदा मनखेमन के हाड़ा अऊ जम्मो असुध चीज ले भरे रहथि। 28ओही कसिम ले, तुमन मनखेमन ला बाहरि ले धरमी दखिथव, पर भीतर ले तुमन ढोंग अऊ अधरम ले भरे हवव।

29हे ढोंगी, कानून के गुरू अऊ फरीसी मन, तुम्हर ऊपर हाय! तुमन अगमजानीमन के कबर ला बनाथव अऊ धरमीमन के कबर ला सजाथव, 30अऊ तुमन ए कहथिथव, ‘यदी हमन अपन पुरखामन के जुग म होतेन, त हमन अगमजानीमन के हतिया करई म ओमन संग भागी नई होतेन।’ 31ए कसिम ले, तुमन खुदे मान लेथव कि तुमन ओमन के संतान अव, जऊन मन अगमजानीमन ला मार डारनि। 3223:32 उतपत्ती 15:16तब तुमन अपन पुरखामन के छोड़ै पाप के घघरी ला भर देथव।

33हे सांपमन हो! हे करैत सांप के लइकामन हो! तुमन नरक के सजा ले कइसने बचहू। 3423:34 लूका 11:49; यर्मयाह 25:4-5एकरसेत, मेंह तुम्हर करा अगमजानी, अऊ बुद्धिमान अऊ गुरूजी मन ला पठोवत हंव। ओम ले कतेक झन ला तुमन मार डारहू अऊ कुरस ऊपर चघाहू; कतेक झन ला तुमन अपन सभा घर म कोर्रा म मारहू अऊ सहर-सहर म ओमन ला सताहू। 35ए कसिम ले, जम्मो धरमीमन के लहू,

जऊन ह धरती ऊपर बोहाय हवय—धरमी हाबलि के लहू ले लेके बरिक्कियाह के बेटा जकरयाह के लहू तक, जऊन ला तुमन मंदिर अऊ बेदी के बीच म मार डारेव; ए जम्मो के दोस तुम्हर ऊपर आही। 36मेंह तुमन ला सच कहत हंव—ए जम्मो बात, ए पीढ़ी के मनखेमन ऊपर होही।

37हे यरूसलेम सहर! हे यरूसलेम सहर! तेंह अगमजानीमन ला मार डारथस अऊ जऊन मन ला तोर करा पठोय जाथे, ओमन ला तेंह पथरा ले मारथस। मेंह कतेक बार चाहेंव कि तोर लइकामन ला वइसने संकेलव, जइसने कुकरी ह अपन चियांमन ला अपन डेना खालहे संकेलथे, पर तेंह ए नई चाहय। 38देख, तोर घर ह उजाड़ पड़े हवय। 39मेंह तोला कहथंव कि तेंह मोला तब तक फेर नई देख सकस, जब तक कि तेंह ए नई कहस, ‘धइन ए ओह, जऊन ह परभू के नांव म आथे।’ ”

जुग के अंत के चनिहामन

(मरकुस 13:1-2; लूका 21:5-6)

24 जब यीसू ह मंदिर म ले नकिरके जावत रहिसि, त ओकर चेलामन ओकर करा आईन अऊ ओला मंदिर के बनावट ला दिखाईन। 2यीसू ह ओमन ला कहसि, “तुमन ए जम्मो चीज ला देखत हवव? मेंह तुमन ला सच कहत हंव, इहां एको ठन पथरा अपन जगह म नई रहय। जम्मो ला गरिा दयि जाही।”

3जब यीसू ह जैतून पहाड़ ऊपर बईठे रहिसि, त ओकर चेलामन अकेला ओकर करा आईन अऊ पुछनि, “हमन ला बता कि एह कब होही? तोर आय के समय अऊ ए जुग के अंत के का चनिहां होही।”

4यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “सचेत रहव। कोनो तुमन ला धोखा झन देवय। 5कतको झन मोर नांव म आहीं अऊ कहहीं, ‘मेंह मसीह अंव’, अऊ कतको झन ला धोखा दिहीं। 6तुमन लड़ई के बारे म सुनहू अऊ लड़ई के झूठ-मूठ खबर सुनहू, पर देखव, एकर ले झन घबरावव। अइसने बात

के होवई जरूरी अय, पर ओह अंत के समय नो हय। 7एक देस ह दूसर देस ऊपर अऊ एक राज ह दूसर राज ऊपर चढ़ई करहीं। कतको जगह म दुकाल पड़ही अऊ भुइंडोल होही। 8ए जम्मो ह छुवारी होय के पीरा के सुरूआत के सहीं अय।

9तब ओमन तुमन ला सताय बर पकड़वाहीं अऊ तुमन ला मार डारहीं। मोर कारन जम्मो जाती के मनखेमन तुमहर ले घनि करहीं। 10ओ समय कतको ज्ञान अपन बसिवास ला छोड़ दहीं। ओमन एक-दूसर के संग बसिवासघात करहीं अऊ एक—दूसर ले घनि करहीं। 11अऊ कतको लबरा अगमजानीमन आहीं अऊ कतको ज्ञान ला धोखा दहीं। 12अधरम के बढ़े के कारन, बहुंत ज्ञान के मया ह कम हो जाही। 13पर जऊन ह आखीरी तक अडगि बने रहहीं, ओकरेच उद्धार होही। 14परमेसर के राज के ए सुघर संदेस के परचार जम्मो संसार म करे जाही, ताका जम्मो जाती के मनखेमन बर एक गवाही होवय, अऊ तब अंत के बेरा आ जाही।

15एकरसेती जब तुमन 'ओ बनिासकारी घनि चीज' ला पबतिर जगह म ठाढ़े देखव, जेकर बारे म दानिएल ह कहे हवय, त पढ़इया ह समझ जावय। 16तब जऊन मन यहूदिया पूरदेस म हवय, ओमन पहाड़ ऊपर भाग जावय। 17जऊन ह अपन घर के छानी ऊपर होवय, ओह अपन घर के चीजमन ला लेय बर खाल्हे ज्ञान उतरय। 18जऊन ह खेत म होवय, ओह अपन कपड़ा ला लेय बर वापसि ज्ञान जावय। 19ओ माईलोगनमन बर कतेक भयंकर बात होही, जऊन मन ओ दनि म देहें म होहीं अऊ जऊन मन लइकामन ला गोरस पीयावत होहीं। 20पराथना करव का तुमन ला जड़काला म या बसिराम के दनि म भागे ला ज्ञान पड़य। 21काबरकी ओ समय अइसने भयंकर तकलीफ होही, जइसने संसार के सुरू ले अभी तक कभू नई होय हवय अऊ न कभू फेर होही। 22यदी ओ दनिमन ला कम नई करे जातसि, त कोनो मनखे नई बांचतनि; पर चुने गय मनखेमन के

कारन, परमेसर ह ओ दनिमन ला कम कर दहीं। 23ओ समय, यदी कोनो तुमन ला ए कहय, 'देखव, मसीह ह इहां हवय या ओह उहां हवय।' त ओकर बात ला बसिवास ज्ञान करव। 24काबरकी लबरा मसीह अऊ लबरा अगमजानीमन आहीं अऊ अइसने बड़े-बड़े चनिहां अऊ चमतकार देखाहीं की यदी हो सकय त चुने गय मनखेमन ला घलो बहका देंय। 25देखव, मेंह तुमन ला पहिली ले बता चुके हवंव।

26एकरसेती, यदी ओमन तुमन ला ए कहय, 'देखव, मसीह ह उहां सुनसान जगह म हवय।' त उहां ज्ञान जावव; या यदी ओमन कहय, 'मसीह ह इहां भीतर के खोली म हवय।' त ओमन के बात ला बसिवास ज्ञान करव। 27काबरकी जइसने बजिली ह पूरब ले नकिरथे अऊ पछिम तक चमकथे, वइसने मनखे के बेटा के अवई होही। 28जिहां लास होथे, उहां गंधिवामन जुरथें।

2924:29 यसायाह 13:10; 34:4; हागुगे 2:21ओ दनिमन म, तकलीफ के तुरते बाद, सूरज ह अंधियार हो जाही, अऊ चंदा ह अपन अंजोर नई दहीं, तारामन अकास ले गरि जाहीं, अऊ अकास के सक्तमिन हलाय जाहीं।

30तब ओ समय, मनखे के बेटा के चनिहां ह अकास म दखिही अऊ धरती के जम्मो जाती के मनखेमन सोक मनाहीं। ओमन मनखे के बेटा ला सामरथ अऊ बड़े महिमा के संग अकास के बादर म आवत देखहीं। 31अऊ ओह तुरही के बड़े अवाज के संग अपन स्वरगदूतमन ला पठोही, अऊ ओमन अकास के एक छोर ले लेके दूसर छोर तक, चारों दिगि ले ओकर चुने मनखेमन ला संकेलहीं।

32अंजीर के रूख ले ए बात ला सखिव: जब एकर छोटे डारामन कोंवर बन जाथें अऊ ओम पान नकिरे लगथें, त तुमन जान लेथव का घाम के महनिा ह अवइया हवय। 33ओहीच किसिम ले, जब तुमन ए जम्मो घटनामन ला देखव, त जान लेवव का ओ समय ह लकटा म हवय, पर दुवारी म आ

गे हवय। 34मेंह तुमन ला सच कहत हंव की जब तक ए जम्मो बातमन पूरा नई हो जाहीं, तब तक ए पीढ़ी के अंत नई होवय। 35अकास अऊ धरती ह टर जाही, पर मोर बचन ह कभू नई टरय।”

दिन अऊ समय के जानकारी नई अय

(मरकुस 13:32-37; लूका 17:26-30, 34-36)

36“ओ दिन या समय के बारे म कोनो नई जानय; न तो स्वर्ग के दूत अऊ न ही बेटा, पर सरिपि ददा ह एला जानथे। 37जइसने नूह के समय म होय रहिसि, वइसनेच मनखे के बेटा के अवई होही। 38ओ समय जल परलय होय के पहिली, नूह के पानी जहाज म चघे के दिन तक, मनखेमन खावत-पीयत रहिनि अऊ ओमन के बीच म सादी-बहिाव होवत रहिसि; 39जब तक जल परलय नई आईस अऊ ओ जम्मो ला बोहाके नई ले गीस, तब तक ओमन कुछू नई जानत रहिनि। वइसनेच मनखे के बेटा के अवई ह घलो होही। 40ओ बखत दू झन मनखे खेत म होहीं; एक झन ला ले लयि जाही, अऊ दूसर ला छोड़ देय जाही। 41दू झन माईलोगनमन चक्की म आंटा पीसत होहीं; एक झन ला ले लयि जाही, अऊ दूसर ला छोड़ देय जाही।

42एकरसेति, सचेत रहव, काबरकी तुमन नई जानव की तुम्हर परभू ह कोन दिन आही। 43पर ए बात ला समझ लव: यदि घर के मालकि ला मालूम होतसि की चोर ह रात के कतेक बेरा आही, त ओह सचेत रहितिसि अऊ अपन घर म सेंध नई लगन देतसि। 44एकरसेति तुमन घलो तयार रहव, काबरकी मनखे के बेटा ह ओ समय आ जाही, जब तुमन ओकर आय के आसा नई करत होहू।

45तब कोन ह बसिवास के काबलि अऊ बुद्धिमान सेवक अय, जऊन ला मालकि ह अपन घर के आने सेवकमन ऊपर मुखिया ठहराय हवय ताकी ओह ओमन ला सही समय म खाना देवय। 46धइन अय ओ सेवक, जऊन ला ओकर मालकि ह लहुंटके आय के पाछू, अइसने करत पाथे। 47मेंह

तुमन ला सच कहत हंव की ओह ओ सेवक ला अपन जम्मो संपत्ति के मुखिया ठहराही। 48पर यदि ओ सेवक ह दुसूट अय अऊ अपन मन म ए कहय, ‘मोर मालकि के अवई म देरी हवय’, 49अऊ तब ओह अपन संगी सेवकमन ला मारन-पीटन लगय अऊ मतवालमन के संग खावय-पीयय, 50तब ओ सेवक के मालकि ह अइसने दिन म आ जाही, जब ओह ओकर आय के आसा नई करत होही अऊ अइसने समय, जऊन ला ओह नई जानत होही। 51तब मालकि ह ओला सजा दही, अऊ ओला ढोंगीमन के संग ठऊर दही, जहिं ओह रोही अऊ अपन दांत पीसही।”

दस कुवारीमन के पटंतर

25 “ओ समय स्वर्ग के राज ह ओ दस कुवारीमन सहीं होही, जऊन मन अपन-अपन दीया ला लेके दुल्हा के संग भेंट करे बर गीन। 2ओमन म पांच झन मुख अऊ पांच झन बुद्धिमान रहिनि। 3मुख कुवारीमन दीयामन ला तो लीन, पर अपन संग तेल नई ले गीन। 4पर बुद्धिमान कुवारीमन अपन-अपन दीया के संग बोतल म तेल घलो ले गीन। 5दुल्हा के आय म देरी होईस, त ओमन ला उंघासी आईस अऊ ओमन सुत गीन।

6आधा रतहिा ए चचियाय के अवाज आईस, ‘देखव, दुल्हा ह आवत हवय। ओकर संग भेंट करे बर आवव।’ 7तब जम्मो कुवारीमन जाग गीन अऊ अपन-अपन दीया ला ठीक करे लगनि। 8मुख कुवारीमन बुद्धिमान कुवारीमन ला कहनि, ‘अपन तेल म ले थोरकन हमन ला घलो देवव, काबरकी हमर दीयामन बुझावत हवय।’

9पर बुद्धिमान कुवारीमन जबाब दीन, ‘सायद, हमर बर अऊ तुम्हर बर तेल ह नई पूरही, एकरसेति तुमन तेल बेचइयामन करा जावव अऊ अपन बर तेल बसिो लेवव।’

10पर जब ओमन तेल बसिोय बर गे रहिनि, त दुल्हा ह आ गीस। जऊन कुवारीमन तयार

रहिन, ओमन ओकर संग बहिाव के भोज म भीतर गीन। अऊ कपाट ह बंद हो गीस।

11बाद म ओ आने कुवांरीमन घलो आईन अऊ कहनि, 'हे मालकि, हे मालकि! हमर बर कपाट ला खोल दे।'

12पर ओह जबाब दीस, 'मेंह तुमन ला सच कहत हंव, मेंह तुमन ला नई जानंव।'

13एकरसेती, सचेत रहव, काबरकितुमन न तो ओ दिन ला जानत हव अऊ न ही ओ समय ला।'

सक्कामन के पटंटर

(लूका 19:11-27)

14“स्वरग के राज ह ओ मनखे के सही अय, जऊन ह परदेस जावत बेरा अपन सेवकमन ला बलाईस अऊ ओमन ला अपन संपत्ती सऊंप दीस। 15हर एक ला ओह ओमन के काबलियित के मुताबिक दीस; एक सेवक ला ओह पांच सक्का, दूसर ला दू सक्का अऊ तीसरा ला एक सक्का दीस। अऊ तब ओह परदेस चल दीस। 16जऊन सेवक ला पांच सक्का मिले रहिस, ओह तुरते गीस अऊ ओ सक्का ले लेन-देन करके पांच सक्का अऊ कमा लीस। 17वइसने जऊन सेवक ला दू सक्का मिले रहिस, ओह घलो दू सक्का अऊ कमाईस। 18पर जऊन सेवक ला एक ठन सक्का मिले रहिस, ओह गीस अऊ भुइयां ला खन के अपन मालकि के पईसा ला उहां लुका दीस।

19बहुंत समय के बाद, ओ सेवकमन के मालकि ह लहुंटिस अऊ ओमन ले हिसाब मांगसि। 20जऊन सेवक ला पांच सक्का मिले रहिस, ओह पांच सक्का अऊ लेके आईस अऊ कहसि, 'मालकि, तेंह मोला पांच सक्का देय रहय। देख, मेंह पांच सक्का अऊ कमाय हवंव।'

21ओकर मालकि ह ओला कहसि, 'बहुंत अच्छा करय। तेंह बने अऊ ईमानदार सेवक अस। तेंह थोरकन म ईमानदार रहय। मेंह तोला बहुंत चीजमन ऊपर अधिकार दूहूं। आ

अऊ अपन मालकि के खुसी म सामलि हो जा।'

22जऊन सेवक ला दू सक्का मिले रहिस, ओह घलो आईस अऊ कहसि, 'मालकि, तेंह मोला दू ठन सक्का देय रहय। देख, मेंह दू ठन सक्का अऊ कमाय हवंव।'

23ओकर मालकि ह ओला कहसि, 'बहुंत अच्छा करय। तेंह बने अऊ ईमानदार सेवक अस। तेंह थोरकन म ईमानदार रहय। मेंह तोला बहुंत चीजमन ऊपर अधिकार दूहूं। आ अऊ अपन मालकि के खुसी म सामलि हो जा।'

24तब जऊन सेवक ला एक सक्का मिले रहिस, ओह आईस अऊ कहसि, 'मालकि, मेंह जानत रहेंव कि तेंह एक कठोर मनखे अस। तेंह जहिं नई बोए रहस, उहां ले लूथस, अऊ जहिं बीजा नई बगराय रहस, उहां ले संकेलथस। 25एकरसेती मेंह डर्रा गेव अऊ बाहिर जाके मेंह तोर सक्का ला भुइयां म गड़िया देव; ए हवय तोर सक्का।'

26ओकर मालकि ह ओला कहसि, 'दुसूट अऊ अलाल सेवक! जब तेंह जानत रहय कि जहिं मेंह नई बोए रहंव, उहां ले लूथंव, अऊ जहिं बीजा नई बगराय रहंव, उहां ले संकेलथंव। 27त तोला मोर पईसा ला साहूकारमन के इहां जमा कर देना रहिस, ताकि जब मेंह वापसि आयेंव, त ओला बयाज सहति ले लेतेंव।'

28मालकि ह अपन आने सेवकमन ला कहसि, 'ए सक्का ला एकर ले लेय लव, अऊ ओला दे देव, जेकर करा दस ठन सक्का हवय। 29काबरकितुमन जेकर करा हवय ओला अऊ देय जाही अऊ ओकर करा बहुंत हो जाही; पर जेकर करा नई ए, ओकर ले ओला घलो ले लयि जाही, जऊन ह ओकर करा हवय। 30ए बेकार सेवक ला बाहिर अंधियार म फटक देव, जहिं ओह रोही अऊ अपन दांत पीसही।' ”

भेड़ अऊ छेरी मन

31“जब मनखे के बेटा ह अपन महिमा म आही अऊ जम्मो स्वरगदूतमन ओकर संग

आहीं, त ओह अपन महमा के संधासन म बराजही। 32अऊ ओकर आघू म संसार के जम्मो मनखेमन ला लाने जाही। जइसने चरवाहा ह भेड़मन ला छेरीमन ले अलग करथे, वइसने ओह मनखेमन ला एक-दूसर ले अलग करही। 33ओह भेड़मन ला अपन जेवनी अंग अऊ छेरीमन ला अपन डेरी अंग करही।

34तब राजा ह अपन जेवनी अंग के मनखेमन ला कहही, 'तुमन मोर ददा के आससिति मनखे अव। आवव, अऊ ओ राज के उत्तराधिकारी बन जावव, जऊन ला तुम्हर खातरि संसार के सरिजे के समय ले तयार करे गे हवय। 35काबरका मेंह भूखा रहेंव अऊ तुमन ह मोला खाना खवाएव; मेंह पयासा रहेंव अऊ तुमन ह मोला पानी पयाएव; मेंह परदेसी रहेंव अऊ तुमन मोला अपन घर म रखेव; 36मोर करा कपड़ा नई रहिसि अऊ तुमन मोला कपड़ा पहिराएव; मेंह बेमार रहेंव अऊ तुमन मोर देख-रेख करेव, मेंह जेल म रहेंव अऊ तुमन मोर ले मलि बर आवेव।'

37तब धरमीमन ओला कहही, 'हे परभू, हमन कब तोला भूखा देखेन अऊ खाना खवाएन या कब पयासा देखेन अऊ तोला पानी पीयाएन? 38हमन कब तोला एक परदेसी के रूप म देखेन अऊ अपन घर म ठहराएन, या कब तोर करा कपड़ा नई रहिसि अऊ हमन तोला कपड़ा पहिराएन? 39हमन कब तोला बेमार या जेल म देखेन अऊ तोर ले मलि बर आयेंन?'

4025:40 मत्ती 10:40-42तब राजा ह ओमन ला ए जबाब दही, 'मेंह तुमन ला सच कहथंव कि जऊन कुछ तुमन मोर ए छोटे ले छोटे भाईमन के कोनो एक इन खातरि करेव, त तुमन ओ मोर बर करेव।'

41तब राजा ह अपन डेरी अंग के मनखेमन ला कहही, 'तुमन सरापति मनखे अव। मोर ले दूरहा हटव अऊ ओ सदाकाल के आगी म चले जावव, जऊन ला सैतान अऊ ओकर दूतमन बर तयार करे गे हवय। 42काबरका मेंह भूखा रहेंव, अऊ तुमन मोला खाना नई

खवाएव; मेंह पयासा रहेंव अऊ तुमन मोला पानी नई पयाएव। 43मेंह परदेसी रहेंव अऊ तुमन मोला अपन घर म नई रखेव; मोर करा कपड़ा नई रहिसि अऊ तुमन मोला कपड़ा नई पहिराएव; मेंह बेमार रहेंव अऊ जेल म रहेंव अऊ तुमन मोर देख-रेख नई करेव।'

44तब ओमन कहही, 'हे परभू! हमन कब तोला भूखा या पयासा या परदेसी या बगिर कपड़ा या बेमार या जेल म देखेन अऊ तोर मदद नई करेन?'

45तब राजा ह ओमन ला ए जबाब दही, 'मेंह तुमन ला, सच कहथंव कि जब भी तुमन ए छोटे मन के कोनो एक इन के मदद नई करेव, त तुमन मोर घलो मदद नई करेव।'

4625:46 मत्ती 18:4-6तब ओमन सदाकाल के दंड भोगहीं, पर धरमीमन परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी पाहीं।"

यीसू के बरिध म साजसि

(मरकुस 14:1-2; लूका 22:1-2; यूहन्ना

11:45-53)

26 ए जम्मो बात ला कहे के बाद, यीसू ह चेलामन ला कहसि, 2"जइसने तुमन जानथव कि दू दनि के बाद फसह के तहिर मनाय जाही। तब कुरुस ऊपर चघाय बर मनखे के बेटा ह पकड़वाय जाही।"

3तब काइफा नांव के महा पुरोहित के महल म मुखिया पुरोहित अऊ मनखेमन के अगुवामन जुरनि। 4अऊ ओमन ए बचिर करनि कि कइसने ओमन छल कपट करके यीसू ला पकड़ेंव अऊ ओला मार डारेंव। 5ओमन कहनि, "तहिर के समय नई। कहूं अइसने इन होवय कि मनखेमन म दंगा हो जावय।"

बैतनयाह गांव म यीसू के अभसिक

(मरकुस 14:3-9; यूहन्ना 12:1-8)

6जब यीसू ह बैतनयाह गांव म समीन कोढ़ी के घर म रहिसि, 7त एक इन माईलोगन संगमरमर के बरतन म बहुत मंहगा इतर तेल लेके आईस, अऊ जब यीसू ह खाना खावत रहय, त ओ माईलोगन ह

यीसू के मुड़ी ऊपर इतर ला उंडेर दीस। 8 एला देखके चेलावन नाराज होईन अऊ कहनि, “एला काबर बरबाद करिस? 9 ए इतर ला बने दाम म बेंचके, ओ रूपिया ला गरीबवन म बांटे जा सकत रहिस।” 10 एला जानके यीसू ह ओवन ला कहसि, “तुमन ए माईलोगन ला काबर परेसान करत हवव? ओह मोर बर सुघर काम करे हवव। 11 गरीब मनखेवन तुम्हर संग हमेसा रहिहीं, पर मेंह तुम्हर संग हमेसा नई रहंव। 12 26:12 मरकुस 16:1 ओह मोर देहें ऊपर जऊन इतर उंडेरसि, त ओह एला मोर गड़ियाय जाय के तयारी म करसि। 13 मेंह तुमन ला सच कहथंव कि जम्मो संसार म जहिं कहूं ए सुघर संदेस के परचार करे जाही, उहां ए माईलोगन के ए काम ला घलो ओकर सुरता म बताय जाही।”

यहूदा ह यीसू के संग बसिवासघात करथे

(मरकुस 14:10-11; लूका 22:3-6)

14 तब यहूदा इस्करियोती जऊन ह बारह चेलावन ले एक झन रहिसि, मुखिया पुरोहितवन करा गीस, 15 अऊ ओवन ला कहसि, “यदि मेंह यीसू ला तुम्हर हांथ म पकड़वा दूहू, त तुमन मोला का दूहू?” अऊ ओवन यहूदा ला चांदी के तीस ठन सक्का दीन। 16 ओ समय ले यहूदा ह यीसू ला पकड़वाय बर मऊका खोजे लगसि।

परभू भोज या फसह तहिर के भोज

(मरकुस 14:12-21; लूका 22:7-13, 21-23;

यूहन्ना 13:21-30)

17 बनि खमीर रोटी के तहिर के पहिली दिन चेलावन यीसू करा आईन अऊ पुछनि, “तेंह फसह तहिर के भोज कहां खाय चाहथस? हमन उहां तयारी करबो।”

18 यीसू ह कहसि, “सहर म ओ मनखे करा जावव अऊ ओला कहव, ‘गुरू ह कहथि: मोर समय ह लकठा आ गे हवव। मेंह फसह के तहिर ला अपन चेलावन संग तोर घर म मनाय चाहथंव।’” 19 जइसने यीसू ह हुकूम दे रहिसि, चेलावन वइसनेच करनि अऊ ओवन

फसह तहिर के भोज तयार करनि। 20 जब सांझ होईस, त यीसू अपन बारह चेलावन संग खाना खाय बर बईठसि। 21 अऊ जब ओवन खावत रहनि, त यीसू ह कहसि, “मेंह तुमन ला सच कहथंव तुमन म ले एक झन मोर संग बसिवासघात करही।”

22 एला सुनके चेलावन बहुत उदास होईन अऊ एक-एक करके ओकर ले पुछन लगनि, “का ओह में अंव, परभू?”

23 यीसू ह जबाब दीस, “जऊन ह मोर संग कटोरा म अपन हांथ ला डारे हवव, ओहीच ह मोर संग बसिवासघात करही। 24 मनखे के बेटा ह मरही, जइसने ओकर बारे म परमेसर के बचन म लिखे हवव। पर धक्कार ए, ओ मनखे ऊपर, जऊन ह मनखे के बेटा के संग बसिवासघात करत हवव। ओ मनखे बर बने होतसि, यदि ओकर जनम ही नई होय रहतिसि।”

25 तब यहूदा जऊन ह यीसू के संग बसिवासघात करइया रहिसि, यीसू ले कहसि, “हे गुरू! का ओ मनखे मेंह अंव?”

यीसू ह ओला कहसि, “हव, ओ मनखे तेंह अस।”

26 जब ओवन खावत रहनि, त यीसू ह रोटी ला लीस अऊ परमेसर ले आससि मांग के ओला टोरसि अऊ अपन चेलावन ला देके कहसि, “लेवव अऊ खावव; एह मोर देहें अय।”

27 तब ओह कटोरा ला लीस अऊ परमेसर ला धनबाद दीस अऊ चेलावन ला ए कहके कटोरा ला दीस, “एम ले तुमन जम्मो झन पीयव। 28 काबरकि एह करार के मोर लहू अय, जऊन ह एकरसेती डारे जावत हे कि बहुते मनखेवन ला पाप के छेमा मलिय। 29 मेंह तुमन ला कहथंव कि मेंह ए अंगूर के रस ला ओ दिन तक नई पीयव, जब तक कि मेंह तुम्हर संग मोर ददा के राज म नवां अंगूर के रस ला नई पी लंव।”

30 अऊ जब यीसू अऊ ओकर चेलावन एक ठन भजन गा लीन, त ओवन जैतून पहाड़ ऊपर चल दीन।

पतरस ह यीसू के इनकार करथे

(मरकुस 14:27-31; लूका 22:31-34; यूहन्ना 13:36-38)

3126:31 जकरयाह 13:7तब यीसू ह चेलावन ला कहसि, “आज रात के तुमन जम्मो इन मोला छोंड़के भाग जाहू, काबरका परमेसर के बचन म ए लिखे हवय, ‘मेंह चरवाहा ला मारहूँ। अऊ झुंड के भेड़मन ततिरि-बतिरि हो जाहीँ।’

32फेर मेंह जी उठे के बाद तुम्हर ले पहिली गलील प्रदेश जाहूँ।”

33तब पतरस ह यीसू ला कहसि, “चाहे जम्मो इन तोला छोंड़के भाग जावय त भाग जावय, पर मेंह तोला कभू नई छोड़वा।”

34यीसू ह ओला जबाब दीस, “मेंह तोला सच कहथव, आजै रात के, कुकरा के बासे के पहिली तेंह मोर तीन बार इनकार करेबे।”

35पर पतरस ह कहसि, “चाहे मोला तोर संग मरना घलो पड़य, तभो ले मेंह तोर कभू इनकार नई करव।” अऊ आने जम्मो चेलावन घलो अइसनेच कहनि।

गतसमनी म यीसू पराथना करथे

(मरकुस 14:32-42; लूका 22:39-46)

36तब यीसू ह अपन चेलावन संग गतसमनी नांव के एक ठऊर म गीस अऊ ओह ओमन ला कहसि, “तुमन इहां बईठव, जब तक की मेंह उहां जाके पराथना करथंव।” 37ओह पतरस अऊ जबदी के दू इन बेटा ला अपन संग म लीस, अऊ यीसू के मन ह दुःखी अऊ बयिकुल होय लगसि। 38तब ओह ओमन ला कहसि, “मोर परान ह अब्बड़ बयिकुल होवत हवय, अइसने लगथे की मोर परान नकिर जाही। तुमन इहां ठहरिव अऊ मोर संग जागत रहव।”

39थोरकन आघू जाके, यीसू ह मुहूँ के भार भुइयां म गरिसि अऊ ए पराथना करसि, “हे मोर ददा! कहूँ हो सकय, त दुःख के ए कटोरा ला मोर म ले टार दे। तभो ले मोर नई, फेर तोर ईछा पूरा होवय।”

40तब ओह अपन चेलावन करा आईस अऊ ओमन ला सुतत देखसि, त ओह पतरस ला कहसि, “का तुमन मोर संग घंटा भर

घलो नई जाग सकव? 41जागत रहव अऊ पराथना करव, ताकी तुमन परछिा म इन पड़व। आतमा त तयार हवय, फेर देहें ह दुरबल अय।”

42यीसू ह दूसर बार गीस अऊ ए पराथना करसि, “हे मोर ददा! कहूँ दुःख के ए कटोरा ह मोर पीये बगिर नई टर सकय, त फेर तोर ईछा पूरा होवय।”

43जब यीसू ह वापसि आईस, त ओह अपन चेलावन ला फेर सुतत पाईस, काबरका ओमन के आंखीमन नींद ले भारी हो गे रहय। 44एकरसेती ओह ओमन ला छोंड़के फेर एक बार गीस अऊ ओहीच बात ला कहकि, तीसरा बार पराथना करसि।

45तब ओह चेलावन करा आईस अऊ ओमन ला कहसि, “का तुमन अभी तक ले सुतत हव अऊ सुसतावत हव? देखव, ओ घरी ह लकठा आ गे हवय, अऊ मनखे के बेटा ह पापीमन के हांथ म पकड़वाय जवइया हे। 46उठव, हमन चली! देखव, मोर संग बसिवासघात करइया ह आवत हवय।”

यीसू ह पकड़वाय जाथे

(मरकुस 14:43-50; लूका 22:47-53; यूहन्ना 18:3-12)

47जब यीसू ह ए बात ला कहतिच रहसि, त यहूदा जऊन ह बारह चेलावन ले एक इन रहय, आईस। ओकर संग म मनखेमन के एक बड़े भीड़ रहय अऊ मनखेमन तलवार अऊ लउठी धरे रहय। एमन ला मुखिया पुरोहित अऊ मनखेमन के अगुवामन पठोय रहनि। 48बसिवासघात करइया ह ओमन ला पहिली ले ए चनिहां बता दे रहसि, “जऊन ला मेंह चूमहूँ, ओहीच मनखे अय; ओला पकड़ लूहू।” 49यहूदा ह तुरते यीसू करा आईस अऊ कहसि, “हे गुरू, जोहार!” अऊ ओह यीसू ला चूमसि।

50यीसू ह ओला कहसि, “संगवारी! जऊन काम बर तेंह आय हवस, ओला कर।” तब मनखेमन आघू म आईन अऊ यीसू ला पकड़के गरिफतार कर लीन। 51तब यीसू के संगवारीमन ले एक इन तलवार ला खीचके

नकारिस अऊ महा पुरोहित के सेवक ऊपर चलाके ओकर कान ला काट दीस।

52यीसू ह ओला कहसि, “अपन तलवार ला मयान म रख, काबरका जऊन मन तलवार चलाथें, ओमन तलवार ले मारे जाहीं। 53का तेंह नई जानस कि मेंह अपन ददा ले बनिती कर सकथंव अऊ ओह मोर बर तुरते स्वरगदूतमन के बारह ठन बड़े-बड़े सैनिक दल ले घलो जादा पठो दीही। 5426:54 यसायाह 53:12पर तब परमेसर के ओ बचन ह पूरा नई होवय, जऊन ह एकहथि किए बात ला ए किसिम ले होना जरूरी अय।”

55ओतकीच बेरा यीसू ह मनखे के भीड़ ला कहसि, “का तुमन मोला डाकू समझथव कि तलवार अऊ लउठी धरके मोला पकड़े बर आय हवव? हर दिन मेंह मंदिर म बईठके उपदेस देवत रहेंव अऊ तुमन मोला नई पकड़ेव। 56पर ए जम्मो बात एकरसेति होईस कि अगमजानीमन के लखि बचन ह पूरा होवय।” तब जम्मो चेलामन यीसू ला छोड़के भाग गिन।

यीसू ह धरम महासभा के आघू म

(मरकुस 14:53-65; लुका 22:54-55, 63-71;

यूहन्ना 18:13-14, 19-24)

57जऊन मन यीसू ला गरिफतार करे रहिन, ओमन ओला महा पुरोहित काइफा करा ले गिन, जहिं कानून के गुरू अऊ अगुवामन जुरे रहंय। 58पर पतरस ह दूरहिया ले यीसू के पाछू-पाछू गीस। ओह महा पुरोहित के घर के अंगना तक गीस अऊ ए देखे बर किका होवइया ह—ओह भीतर जाके पहरेदारमन संग बईठ गीस।

59मुखिया पुरोहितमन अऊ धरम महासभा के जम्मो मनखेमन यीसू के बरिोध म लबरा गवाही खोजत रहंय ताका ओमन ओला मार डारंय। 60पर ओमन ला कुछू नई मलिसि, हालाका कतको लबरा गवाहमन आईन। 6126:61 यूहन्ना 2:19-22आखिर म दू झन गवाह आईन अऊ कहनि, “ए मनखे ह कहे हवय, ‘मेंह परमेसर के मंदिर ला गरि

सकथंव अऊ तीन दिन म ओला फेर बना सकथंव।”

62तब महा पुरोहित ह ठाढ़ होईस अऊ यीसू ला कहसि, “ए मनखेमन तोर बरिोध म जऊन गवाही देवत हवय, का तेंह ओकर जबाब नई देवस?” 63पर यीसू ह चुपेचाप रहिसि।

महा पुरोहित ह यीसू ला कहसि, “मेंह तोला जीयत परमेसर के कसम देवत हंव: कहूं तेंह परमेसर के बेटा मसीह अस, त हमन ला बता।”

6426:64 दानएल 7:13-14यीसू ह ओला कहसि, “हव जी। जइसने कि तेंह कहय। पर मेंह तुमन जम्मो झन ला कहत हंव कि एकर बाद तुमन मनखे के बेटा ला सर्वसकृतिमान परमेसर के जेवनी हांथ कोर्ता बईठे अऊ अकास के बादर ऊपर आवत देखहू।”

65तब महा पुरोहित ह अपन कपड़ा ला चीरिस अऊ कहसि, “एह परमेसर के ननिंदा करे हवय। हमन ला अऊ कोनो गवाह के जरूरत नई ए। देखव! तुमन अभीच परमेसर के ननिंदा सुने हवव। 66तुम्हर का बचिरा हवय?”

ओमन जबाब दीन, “एह मरितू दंड के लइक अय।”

67तब ओमन यीसू के मुहं ऊपर थूकनि अऊ ओला घूसा मारनि। आने मनखेमन ओला थपरा मारके कहनि, 68“हे मसीह, अगमबानी करके हमन ला बता कि तोला कोन मारसि?”

पतरस ह यीसू के इनकार करथे

(मरकुस 14:66-72; लुका 22:56-62; यूहन्ना

18:15-18, 25-27)

69ओ बखत पतरस ह बाहरि अंगना म बईठे रहिसि, तब एक नौकरानी दूरी ओकर करा आईस अऊ कहसि, “तेंह घलो गलील के रहइया यीसू के संग रहय।”

70पर ओह ओ जम्मो झन के आघू म इनकार करसि अऊ कहसि, “मेंह नई जानंव कि तेंह का कहत हवस?”

71तब पतरस ह बाहरि दुवारी करा गीस,

उहां एक आने नौकरानी टूरी ओला देखसि अऊ उहां मनखेमन ला कहसि, “ए मनखे ह नासरत के यीसू संग रहिसि।”

72पतरस ह कसम खाके फेर इनकार करसि अऊ कहसि, “मेंह ओ मनखे ला नई जानंव।”

73एकर थोरकन देर बाद, जऊन मन उहां ठाढ़े रहंय, ओमन पतरस करा आईन अऊ कहनि, “सही म तेंह घलो ओ मनखेमन ले एक झन अस, काबरकि तोर बोली ले, ए बात के पता चलथे।”

74तब पतरस ह अपन-आप ला कोसन लगसि अऊ कसम खाके कहसि, “मेंह ओ मनखे ला नई जानंव।”

अऊ तुरते कुकरा ह बाससि। 75तब पतरस ला यीसू के कहे ए बात सुरता आईस: “कुकरा बासे के पहिली, तेंह तीन बार मोर इनकार करबे।” अऊ ओह बाहरि जाके फूट-फूट के रोईस।

यहूदा ह अपन-आप ला फांसी लगा लेथे
(प्रेरतिमन के काम 1:18-19)

27 जब बहिनियां होईस, त जम्मो मुखिया पुरोहित अऊ मनखेमन के अगुवामन यीसू ला मार डारे के फैसला करनि। 2ओमन यीसू ला बांधनि अऊ ओला ले जाके राजपाल पीलातुस के हांथ म सऊंप दीन।

3यीसू के संग बसिवासघात करइया यहूदा ह जब देखसि कि यीसू ला दोसी ठहराय गे हवय, त ओह पछताईस अऊ ओह मुखिया पुरोहित अऊ अगुवामन ला चांदी के तीस सक्का वापसि कर दीस, 4अऊ कहसि, “मेंह पाप करे हवंव काबरकि मेंह एक नरिदोस मनखे ला मरवाय बर ओकर संग बसिवासघात करेवं।”

ओमन ह कहनि, “हमन ला एकर ले का मतलब! एला तें जान।”

5तब यहूदा ह ओ चांदी के सक्कामन ला मंदिर म फटकि दीस अऊ उहां ले चले गीस अऊ जाके फांसी लगा लीस।

6मुखिया पुरोहितमन ओ सक्कामन

ला उठाईन अऊ कहनि, “ए पईसा ला खजाना म रखना कानून के मुताबकि सही नो हय, काबरकि एह लहू के कीमत अय।” 7एकरसेता ओमन ओ पईसा ले कुम्हार के खेत ला बसियो के फैसला करनि ताकि ओ जगह ह परदेसीमन बर मसानघाट के रूप म काम आवय। 8एकरे कारन, ओ खेत ला आज तक ले लहू के खेत कहे जाथे। 9ए कसिम ले यरमयाह अगमजानी के दुवारा कहे गय ए बचन ह पूरा होईस: “ओमन चांदी के तीस सक्कामन ला ले लीन, जऊन ला इसरायली मनखेमन ओकर कीमत ठहराय रहिनि। 1027:10 जकरयाह 11:12-13; यरिमयाह 32:6-9अऊ ओमन ओ पईसा के उपयोग कुम्हार के खेत बसियो म करनि जइसने परभू ह मोला हुकूम दे रहिसि।”

यीसू ह रोमन राजपाल पीलातुस के आघू म
(मरकुस 15:2-5; लूका 23:3-5; यूहन्ना

18:33-38)

11जब यीसू ह राजपाल के आघू म ठाढ़ होईस, त राजपाल ह ओकर ले पुछसि, “का तेंह यहूदीमन के राजा अस?”

यीसू ह ओला जबाब दीस, “हव जी, जइसने तेंह कहत हवस।”

12जब मुखिया पुरोहित अऊ अगुवामन यीसू ऊपर दोस लगाईन, त ओह कुछू जबाब नई दीस। 13तब पीलातुस ह यीसू ला कहसि, “का तेंह नई सुनत हवस कि ओमन तोर ऊपर कइसने दोस लगावत हवंव।” 14पर यीसू ह जबाब म एको सबद नई कहसि। जेकर ले राजपाल ला बहुत अचरज होईस।

15राजपाल के ए रीति रहिसि कि फसह तहिर के मऊका म, ओह एक झन कैदी ला छोड़ देवय, जऊन ला मनखेमन चाहंय। 16ओ समय म बरब्बा नांव के एक बदनाम कैदी जेल म रहिसि। 17जब भीड़ ह जुरे रहिसि, त पीलातुस ह भीड़ के मनखेमन ले पुछसि, “तुमन कोन ला चाहत हव कि मेंह ओला तुम्हर बर छोड़ देवं—बरब्बा ला या यीसू ला, जऊन ला मसीह कहे जाथे?” 18काबरकि पीलातुस ह जानत रहिसि कि

ओमन जलन के कारन यीसू ला ओकर हांथ म सऊपे रहिन।

19जब पीलातुस ह नयाय के आसन म बईठे रहिसि, त ओकर घरवाली ह ओकर करा ए संदेस पठोईस, “ओ धरमी मनखे संग कुछू झन कर, काबरका मेंह आज सपना म ओकर कारन बहुंत दुःख उठाय हवंव।”

20पर मुखिया पुरोहित अऊ अगुवामन भीड़ के मनखेमन ला राजी कर लीन कि ओमन बरबबा ला छोड़ के अऊ यीसू ला मार डारे के मांग करंय।

21राजपाल ह ओमन ला फेर पुछसि, “ए दूनों म ले तुमन कोन ला चाहथव कि मेंह तुम्हर खातर छोड़ देवंव?”

ओमन कहनि, “बरबबा ला।”

22पीलातुस ह ओमन ले पुछसि, “तब मेंह यीसू के का करंव, जऊन ला मसीह कहे जाथे।”

ओ जम्मो झन जबाब दीन, “एला कुरुस ऊपर चघाय जावय।”

23पीलातुस ह पुछसि, “काबर? ओह का अपराध करे हवय?” फेर ओमन अऊ चचियाके कहनि, “एला कुरुस ऊपर चघाय जावय।”

24जब पीलातुस ह देखसि कि ओकर दुवारा कुछू नई हो सकथे, पर हुल्लड़ होवत हवय, त ओह पानी लीस अऊ भीड़ के आघू म अपन हांथ ला धोके कहसि, “मेंह ए मनखे के मरितू के दोसी नो हंव। एकर जम्मेदार तुमन अव।”

25जम्मो मनखेमन जबाब दीन, “एकर मरितू के दोस हमर अऊ हमर संतान ऊपर होवय।”

26तब पीलातुस ह ओमन खातर बरबबा ला छोड़ दीस अऊ यीसू ला कोर्ग म पीटवाईस, अऊ ओला कुरुस ऊपर चघाय बर सैनकिमन के हांथ म सऊप दीस।

सैनकिमन यीसू के हंसी उड़ाथें

(मरकुस 15:16-20; यूहन्ना 19:2-3)

27तब राजपाल के सैनकिमन यीसू ला राजपाल के महल म ले गीन अऊ सैनकिमन

के पूरा दल ला यीसू करा संकेलनि।

28ओमन यीसू के कपड़ा ला उतारनि अऊ ओला लाल सिंदूरी रंग के चोगा पहिराईन, 29अऊ तब कांटा के एक मुकुट गुंथके ओकर मुड़ी ऊपर रखनि, अऊ ओकर जेवनी हांथ म एक ठन लउठी धरा दीन अऊ ओकर आघू म माड़ी टेकनि अऊ ए कहकि ओकर हंसी उड़ाईन, “हे यहूदीमन के राजा, तोला जोहार।” 30ओमन ओकर ऊपर थूकनि अऊ लउठी म ओकर मुड़ी ला मारनि। 31यीसू के हंसी उड़ाये के बाद, ओमन ओकर चोगा ला उतार लीन अऊ ओला ओकर खुद के कपड़ा पहिरा दीन। तब ओमन ओला कुरुस ऊपर चघाय बर ले गीन।

यीसू के कुरुस ऊपर चघाय जवई

(मरकुस 15:21-32; लूका 23:26-43; यूहन्ना

19:17-27)

32जब ओमन सहर ले बाहरि निकरत रहनि, त ओमन ला कुरेन सहर के समीन नांव के एक झन मनखे मलिसि। ओमन ओकर ले जबरदस्ती कुरुस ला उठवाके ले गीनस। 33ओमन “गुलगुता” नांव के जगह म आईन (गुलगुता के मतलब होथे—खोपड़ी के जगह)। 34उहां ओमन यीसू ला पतित मलि अंगूर के मंद पीये बर दीन। यीसू ह ओला चखासि, पर ओला पीये बर नई चाहसि। 35जब ओमन यीसू ला कुरुस ऊपर चघा लीन, त ओकर कपड़ा ला बांटा करे बर चट्ठी डालनि अऊ चट्ठी के मुताबकि कपड़ा ला बांट लीन। 36तब ओमन उहां बईठके ओकर पहरा देवन लगनि। 3727:37 यूहन्ना 19:19-22अऊ ओकर मुड़ी ऊपर ओकर दोस पतर लिखके टांग दीन, जऊन म ए लिखाय रहय—“एह यहूदीमन के राजा यीसू अय।” 38यीसू के संग दू झन डाकूमन घलो कुरुस ऊपर चघाय गे रहनि, एक झन ओकर जेवनी कोत अऊ दूसर झन ओकर डेरी कोत। 39उहां ले अवइया-जवइयामन यीसू के ठट्ठा करंय अऊ अपन मुड़ी ला डोला-डोला के ए कहंय, 40“तेंह तो मंदिर ला गरिके ओला तीन दिन म बनवइया अस,

अपन-आप ला बंचा ले। कहूँ तेंह परमेसर के बेटा अस, त फेर कुरस ऊपर ले उतर आ।”

41अइसनेच मुखिया पुरोहित, कानून के गुरू अऊ अगुवामन घलो ए कहिके ओकर ठट्ठा करत रहनि, 42“एह आने मन ला बंचाईस, फेर एह अपन-आप ला नई बंचा सकय। एह तो इसरायल के राजा अय। अब एह कुरस ऊपर ले उतरके आवय, त हमन एकर ऊपर बसिवास करबो। 43एह परमेसर ऊपर भरोसा रखथे। यदा परमेसर एला चाहथे, त ओह एला छुड़ा ले, काबरका एह कहै रहिसि, ‘मेंह परमेसर के बेटा अंव।’” 44अइसनेच ओ डाकूमन घलो जऊन मन ओकर संग कुरस ऊपर चघाय गे रहनि, ओकर ठट्ठा करनि।

यीसू के मरितू

(मरकुस 15:33-41; लूका 23:44-49; यूहन्ना

19:28-30)

45ओ मंझनियां बारह बजे ले लेके तीन बजे तक जम्मो धरती ऊपर अंधियार छाय रहिसि। 46करीब तीन बजे यीसू ह जोर से नरियाके कहिसि, “एली, एली, लमा सबकतनी?”—जेकर मतलब होथे, “हे मोर परमेसर, हे मोर परमेसर, तेंह मोला काबर तियाग देय?”

47जऊन मन उहां ठाढ़े रहनि, ओम ले कुछू झन एला सुनके कहनि, “एह एलियाह ला बलावत हवय।”

48ओमन ले एक झन तुरते दऊड़के एक सपंज ला लानसि, अऊ ओह ओला सरिका म बुडोईस अऊ एक ठन पातर लउठी म रखके यीसू ला पीये बर दीस। 49पर बाका मनखेमन कहनि, “ओला रहन दे। आवव, हमन देखन, एलियाह ह एला बंचाय बर आथे का नई।”

50अऊ यीसू ह फेर जोर से गोहार पारसि अऊ अपन परान ला तियाग दीस।

51ओतकीच बेरा मंदिर के परदा ह ऊपर ले खाल्हे तक चीराके दू टुकड़ा हो गीस। धरती ह कांप उठसि अऊ चट्टानमन तड़क गीन। 52कबरमन उघर गीन अऊ कतको

पबतिर मनखे के मरे देहेमन फेर जी उठनि। 53ओमन कबर म ले बाहरि नकिरनि, अऊ यीसू के जी उठे के बाद, ओमन पबतिर सहर म गीन अऊ कतको मनखेमन ला देखनि।

54जब सूबेदार अऊ ओकर सैनिकि जऊन मन यीसू के पहरा देवत रहनि, भुइंडोल अऊ ओ जम्मो घटना ला देखनि, त अबबड़ डर्रा गीन अऊ ओमन कहनि, “सही म एह परमेसर के बेटा रहिसि।”

55उहां कतको माईलोगन घलो रहनि, जऊन मन दूरहा ले यीसू ला देखत रहनि। ओमन यीसू के सेवा करत गलील प्रदेश ले ओकर संगे-संग आय रहनि। 56ओमन म मरयिम मगदलनी, याकूब अऊ यूसुफ के दाई मरयिम अऊ जबदी के बेटामन के दाई रहनि।

यीसू के दफनाय जवई

(मरकुस 15:42-47; लूका 23:50-56; यूहन्ना

19:38-42)

57जब संझा होईस, त अरमतिया सहर ले एक धनवान मनखे आईस। ओकर नांव यूसुफ रहिसि अऊ ओह खुदे यीसू के चेला रहिसि। 58ओह पीलातुस करा जाके यीसू के लास ला मांगसि अऊ पीलातुस ह यीसू के लास ला ओला सऊप देय के हुकूम दीस। 59यूसुफ ह लास ला लीस अऊ ओला एक ठन साफ मलमल के कपड़ा म लपेटसि, 60अऊ ओला अपन खुद के नवां कबर म रखसि, जऊन ला ओह चट्टान ला काटके बनवाय रहिसि। तब ओह एक ठन बड़े पथरा ला कबर के मुंहाटी म टेका दीस अऊ उहां ले चले गीस। 61मरयिम मगदलनी अऊ दूसर मरयिम उहां कबर के आघू म बईठे रहनि।

कबर म पहरेदारी

62ओकर दूसर दिन, जऊन ह तियारी के दिन के बाद के दिन रहिसि, मुखिया पुरोहित अऊ फरीसी मन पीलातुस करा गीन 63अऊ कहनि, “महाराज, हमन ला सुरता हवय का ओ धोखेबाज ह जब जीयत रहिसि, त कहे रहिसि, ‘तीन दिन के बाद मेंह फेर जी उठहूं।’ 64एकरसेता हुकूम दे का तीसरा दिन तक

ओ कबर के रखवारी करे जावय। अइसने झन होवय कि ओकर चेलामन आवंय अऊ ओकर लास ला चुरा के ले जावंय अऊ मनखेमन ला कहंय कि ओह मरे म ले जी उठे हवय। तब ए आखिरी धोखा ह पहिली ले घलो अऊ खराप होही।”

65पीलातुस ह ओमन ला कहसि, “तुम्हर करा पहेरेदारमन हवंय। जावव, अऊ जइसने तुमन उचित समझथव, कबर के रखवारी के परबंध करव।” 66तब ओमन गीन अऊ कबर के पथरा ऊपर मुहर लगाईन अऊ उहां पहेरेदार बईठाके ओमन कबर के रखवारी के परबंध करनि।

यीसू के फेर जी उठई

(मरकुस 16:1-10; लूका 24:1-12; यूहन्ना 20:1-10)

28 बसिराम दनि के बाद, हप्ता के पहिली दनि बड़े बहिनियां मरयिम मगदलानी अऊ दूसर मरयिम कबर ला देखे बर गीन।

2ओ समय एक भयंकर भुइंडोल होईस, काबरका परभू के एक दूत ह स्वरग ले उतरसि अऊ कबर करा आईस अऊ पथरा ला दुनगा के ओकर ऊपर बईठ गीस। 3ओकर रूप ह बजिली सहीं चमकत रहय अऊ ओकर कपड़ा ह झक पंडरा रहिसि। 4पहेरेदारमन ओकर डर के मारे थर-थर कांपे लगनि अऊ मुरदा के सहीं हो गीन।

5स्वरगदूत ह माईलोगनमन ला कहसि, “झन डर्रावव, काबरका मेंह जानत हंव कि तुमन यीसू ला खोजत हव, जऊन ला कुरस ऊपर चघाय गे रहिसि। 6ओह इहां नई ए; ओह जी उठे हवय, जइसने ओह कहे रहिसि। आवव अऊ ओ ठऊर ला देखव, जहिं ओला रखे गे रहिसि। 7अब तुमन तुरते जाके ओकर चेलामन ला ए बतावव: ‘ओह मरे म ले जी उठे हवय अऊ ओह तुम्हर ले आधू गलील प्रदेस जावत हवय। उहां तुमन ओकर दरसन करहू।’ देखव! मेंह तुमन ला बता देंव।”

8एकरसेति ओ माईलोगनमन जल्दी कबर

ले चले गीन। ओमन डर्रा गे रहनि, पर आनंद सहति चेलामन ला बताय बर दऊड़के गीन। 9अचानक यीसू ह ओमन ले मलिसि अऊ कहसि, “खुस रहव।” ओमन ओकर करा आईन अऊ ओकर गोड़ ला धरके ओकर दंडवत करनि। 10तब यीसू ह ओमन ला कहसि, “झन डर्रावव। जावव अऊ मोर भाईमन ला कहव कि ओमन गलील प्रदेस जावंय। उहां ओमन मोला देखहीं।”

पहेरेदारमन के सूचना

11जब माईलोगनमन डहार म रहनि, त कुछू पहेरेदारमन सहर म गीन अऊ जऊन कुछू होय रहिसि, ओ जम्मो बात मुखिया पुरोहितमन ला बताईन। 12तब मुखिया पुरोहितमन अगुवामन संग मलिके एक योजना बनाईन। ओमन सैनिकिमन ला बहुत अकन पईसा देके कहनि, 13“तुमन मनखेमन ला ए कहव, ‘जब हमन रतहिया सुते रहेंन, त ओकर चेलामन आईन अऊ ओला चुरा के ले गीन।’ 14यदी ए बात राजपाल के कान म पड़ही, त हमन ओला समझा देबो अऊ तुमन ला मुसबित ले बचा लेबो।” 15सैनिकिमन पईसा ला लीन अऊ वइसने करनि, जइसने ओमन ला सखाय गे रहिसि। अऊ ए बात यहूदीमन के बीच म आज तक फइले हवय।

महान हुकूम

(मरकुस 16:14-18; लूका 24:36-49; यूहन्ना 20:19-23; प्रेरितमन के काम 1:6-8)

16तब गयिरह चेलामन गलील प्रदेस के ओ पहाड़ ऊपर गीन, जहिं जाय बर यीसू ह ओमन ला कहे रहिसि। 17अऊ जब ओमन यीसू ला देखनि, त ओला दंडवत करनि, पर कोनो-कोनो ला संका होईस। 18तब यीसू ह ओमन करा आईस अऊ कहसि, “स्वरग अऊ धरती ऊपर मोला पूरा अधिकार देय गे हवय। 19एकरसेति जावव अऊ जम्मो जाति के मनखेमन ला मोर चेला बनावव अऊ ओमन ला ददा, बेटा अऊ पबतिर आतमा के नांव म बतसिमा देवव, 20अऊ ओमन ला ओ जम्मो बात मानना सीखोवव, जेकर हुकूम मेंह तुमन ला देय हवंव। अऊ देखव,

मेंह संसार के अंत होवत तक हमेसा तुम्हर संग हवंव।”

a 17 “मसीह” (इब्रानी) अऊ “ख्रिस्त” (यूनानी)—ए दूनों सबद के मतलब “अभिसिक्त जन” होथे। b 21 ‘यहोसू’ ला यूनानी भासा म ‘यीसू’ कहथिं, जेकर मतलब होथे—‘परभू बचाथे’ या ‘परभू उद्धार करथे’ c 1 यरूसलेम ह यहूदी मनखेमन के खास सहर अय। d 18 इहां “राहेल” ह “इसरायल के मनखेमन” ला दरसाथे, जऊन मन बहुंत दुःख सहनि। e 23 नासरत ह यूसुफ अऊ मरियम के गांव रहिसि। लूका 1:26-27; 2:4, 39 f 5 इहां “पबतिर सहर” के मतलब “यरूसलेम सहर” अय। g 28 गदरेनी ह आनजातमन के इलाका रहिसि। h 1 इहां अपन सहर के मतलब कफरनहूम ए। यीसू ह नासरत ला छोड़े के बाद कफरनहूम म रहिसि। i 23 ओ समय जब कोनो मर जावय, त माटी देय के बेरा बांसुरी बजाव्य। j 32 ए कसिम के सरसों के पौधा ह करीब

तीन मीटर तक बढ़य। k 33 खमीर के उपयोग पसान ला फूलोय बर करे जावत रहिसि। l 18 पतरस के मतलब “चट्टान” होथे। m 2 एक दीनार ह एक दिन के बनी के बरोबर होथे। n 5 पद 5 म “सयोन के बेटी” के मतलब यरूसलेम सहर अय। ñ 9 “होसाना” (इब्रानी) के मतलब होथे “बचा” या “उद्धार कर”, पर बाद म ए सबद के उपयोग “परसंसा” या “इस्तुती” के रूप म करे गीस। o 24 ब्यवस्थाबबिरन 25:5-6 p 5 ताबीज याने एक कसिम के डबिबा, जऊन म परमेसर के बचन के पद रहथि। q 15 एक सकिका के मतलब इहां कतको हजार रूपिया अय। r 2 पीलातुस ह रोमी राजपाल रहिसि। s 32 कुरेन ह आफ्रिका देस म एक सहर रहिसि। t 54 एक सूबेदार के अधीन एक सौ सैनिक रह्य। u 62 बसिराम दिन के पहिली के दिन ला तयारी के दिन कहे जावय।